THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 84 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.11 2083 गुरुवार, 25 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'कांग्रेस में अलग राय रखने की आजादी, यही हमारी ताकत'

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा है कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है और यह विभिन्न विचारों को व्यक्त करने की अनुमति देती है, जो इसकी ताकत है। जयराम रमेश का यह बयान पार्टी के सहयोगी शशि थरूर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात पर पार्टी से अलग रुख अपनाने के कुछ दिनों बाद आया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस ऐसी पार्टी नहीं है जो विचारों को दबाती हो। उन्होंने कहा कि पार्टी में कई अनुभवी और जानकार नेता हैं, जिनके पास राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर कहने के लिए बहुत कुछ है। कांग्रेस एक लोकतांत्रिक दल है और विभिन्न दृष्टिकोणों को सामने रखने की अनुमति देती है।

6000 करोड़ के नशीले पदार्थ नष्ट करने के लिए 'ऑनलाइन ड्रग्स डिस्पोजल फोर्टनाइट कैंपेन' शुरू होगा

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। गृह मंत्री द्वारा 6000 करोड़ रुपये मूल्य के 2,09,500 किलोग्राम नशीले पदार्थों को नष्ट करने के लिए 'ऑनलाइन ड्रग्स डिस्पोजल फोर्टनाइट कैंपेन' की शुरुआत की जाएगी। इस अवसर पर 'मादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029)' और 'एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट-2025' भी जारी होगी।

सबसे बड़ी निजी सोने के खदान का उद्घाटन

144 करोड़ के राजस्व का अनुमान : चंद्रबाबू नायडू

अमरावती, 24 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले का जोंनागिरी इलाका अब देश के गोल्ड मैप पर अपनी खास पहचान बनाने जा रही है। बुधवार को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू यहां देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के गोल्ड माइनिंग प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। करीब 405 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना को जियो मैसूर सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और दक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड ने मिलकर विकसित किया है।

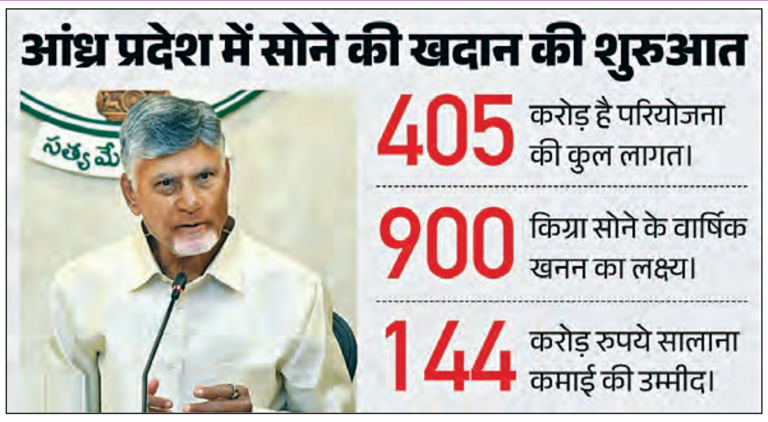

उद्घाटन के बाद शुरू हो जाएगा सोने का उत्पादन

परियोजना के तहत सोने के प्रोसेसिंग प्लांट की पहली यूनिट शुरू की जाएगी, जबकि दूसरी यूनिट की आधारशिला भी रखी जाएगी। सरकार की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, खदान और प्रोसेसिंग प्लांट का ट्रायल रन पूरा हो चुका है। उद्घाटन के बाद यहां व्यावसायिक स्तर पर सोने का उत्पादन शुरू हो जाएगा।

पहले साल 400 किलो सोने निकलने की उम्मीद

जोंनागिरी गोल्ड फील्ड्स प्रोजेक्ट के लिए सरकार ने 1,500 एकड़ जमीन आवंटित की है। पहले चरण में 600 एकड़ क्षेत्र में खनन कार्य शुरू होगा, जबकि बाद में बाकी इलाके में भी परियोजना का विस्तार किया जाएगा। उम्मीद है कि पहले साल इस खदान से करीब 400 किलोग्राम सोना निकलेगा। अगले साल उत्पादन बढ़कर 900 किलोग्राम तक पहुंच सकता है। भविष्य में प्रोसेसिंग क्षमता बढ़ने के साथ यह परियोजना हर साल लगभग 2 टन सोना उत्पादन करने में सक्षम होगी।

144 करोड़ रुपये की आय की संभावना

इस परियोजना से लगभग 700 लोगों को सीधे और परोक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना है। साथ ही, राज्य सरकार को उत्पादित सोने के मूल्य पर 4 प्रतिशत रॉयल्टी भी मिलेगी। अनुमान है कि 400 किलोग्राम उत्पादन पर सरकार को करीब 57 करोड़ रुपये और 900 किलोग्राम उत्पादन पर लगभग 144 करोड़ रुपये की आय हो सकती है।

देश के प्रमुख गोल्ड माइनिंग केंद्रों में शामिल हो जाएगा आंध्र प्रदेश

अब तक भारत में सोने की खदानों की चर्चा मुख्य रूप से कर्नाटक के कोलार गोल्ड फील्ड्स तक सीमित रही है, लेकिन जोंनागिरी परियोजना के शुरू होने के बाद आंध्र प्रदेश भी देश के प्रमुख गोल्ड माइनिंग केंद्रों में शामिल हो सकता है।

राममंदिर चोरी : एसआईटी ने चंपत राय समेत 17 को आरोपी माना

इन पर एफआईआर लगभग तय; टिन्नू के पास मिलीं दानपात्रों की चाबियां

अयोध्या, 24 जून (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम यानी एसआईटी ने जांच रिपोर्ट में मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और निर्माण प्रभारी गोपाल राव समेत 17 लोगों को आरोपी माना है। इनके खिलाफ एफआईआर होना लगभग तय माना जा रहा है। सूत्रों से यह जानकारी मिली है। जांच के दौरान एसआईटी टीम को दानपात्रों की चाबियां रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के पास मिलीं। टीम आज फिर जांच के लिए अयोध्या पहुंच सकती है।

एसआईटी ने ऐसे करीब 150 सेवादारों और कर्मचारियों को चिह्नित किया है, जिनकी आर्थिक स्थिति में 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बदलाव आया। इनमें चंपत राय के करीबी माने जाने वाले फूलकांत मिश्रा भी शामिल हैं। उनके पास 3 लग्जरी कारें हैं, जिनकी कुल कीमत 25 लाख है।

एसआईटी की जांच रिपोर्ट पीएमओ भेजी गई

एसआईटी ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी थी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। किसी सीनियर अफसर को मंदिर का सीईओ नियुक्त करने का भी सुझाव है। टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरुआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है। एसआईटी ने पिछले 5 साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने की भी सिफारिश की है। चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए सुझाव दिए हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार की तरफ से रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को मिल गई है। पीएमओ तय करेगा कि ट्रस्ट के किन सदस्यों को रखा जाए या हटाया जाए। चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय प्रसाद को सौंपी थी। चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय प्रसाद को सौंपी थी।

दक्षिण कोरिया-भारत के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठकों ने साझेदारी को नई दिशा दी : एस जयशंकर

सोल, 24 जून (एजेंसियां)। दो दिवसीय दौरे पर दक्षिण कोरिया पहुंचे विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून संग बैठक की। जिसमें दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह बैठक सटीक समय पर हो रही है, क्योंकि हाल ही में हुई उच्च-स्तरीय राष्ट्रपति यात्रा के बाद वैश्विक परिस्थितियों में द्विपक्षीय साझेदारी का महत्व और बढ़ गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस दौरान जयशंकर ने कहा, जब से चो ह्यून ने पद संभाला है, उनकी मुलाकात न्यूयॉर्क, कुआलालंपुर, वॉशिंगटन, जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक और हाल ही में राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान हो चुकी है।

विदेश मंत्रियों के रूप में दोनों की जिम्मेदारी है कि वे इस रिश्ते को आगे बढ़ाएं और विभिन्न सरकारी तथा आर्थिक क्षेत्रों के बीच सहयोग को बेहतर तरीके से समन्वित करें। जयशंकर ने वर्तमान समय में इन संबंधों की अहमियत समझाई। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में समान विचारधारा वाले, साझा मूल्यों वाले और आपसी विश्वास रखने वाले देशों के बीच सहयोग अत्यंत आवश्यक है। भारत के विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय रिश्तों में आई गति की वजह भी बताई।

ईरानी राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को भेजा निमंत्रण

> खामेनेई के अंतिम संस्कार में आने का आग्रह

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ईरान आने का न्योता दिया है। सूत्रों के मुताबिक, पीएम को अगले महीने अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले में मारे गए ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का राजकीय अंतिम संस्कार कई शहरों में आयोजित करने की तैयारी है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अगले महीने होने वाले इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भेजा है। सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति पेजेशकियन की ओर से औपचारिक निमंत्रण मंगलवार को नई दिल्ली में ईरानी दूतावास ने विदेश मंत्रालय (एमईए) को भेजा।

(फाइल फोटो)

उन्होंने बताया कि दूतावास को इस संबंध में तेहरान से दो दिन पहले औपचारिक सूचना मिली थी। ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर अली खामेनेई का अंतिम संस्कार 4 जुलाई को तेहरान में शुरू होगा और उन्हें 9 जुलाई को उनके गृहनगर मशहद में दफनाया जाएगा। 86 वर्षीय खामेनेई फरवरी में अपने परिसर पर हुए अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमले में मारे गए थे। वहीं, दूसरी ओर ईरान में भारतीय दूतावास ने बुधवार को सभी भारतीयों को सलाह दी कि वे बहुत जरूरी न हो तो ईरान की यात्रा करने से बचें। सुरक्षा से जुड़ी एक औपचारिक सलाह में, दूतावास ने कहा कि वह तेहरान में सुरक्षा की मौजूदा स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। दूतावास ने 'एक्स' पर लिखा, तेहरान में भारतीय दूतावास, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान में सुरक्षा की मौजूदा स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। हाल की सकारात्मक घटनाओं और कुल मिलाकर स्थिति में सुधार को देखते हुए, दूतावास ईरान जाने की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों के लिए यह एडवाइजरी जारी कर रहा है।

तमिलनाडु की 152 मेडिकल सीटों पर अदालत सख्त, राज्य सरकार को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु में सुपर स्पेशियलिटी मेडिकल की 152 खाली इन-सर्विस सीटों को ऑल इंडिया कोटे में सरेंडर किए जाने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए सहमति दे दी है। शीर्ष अदालत ने बुधवार को इस मामले पर केंद्र सरकार, तमिलनाडु सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि अगर सरकारी डॉक्टर उच्च चिकित्सा कौशल हासिल करते हैं तो वे निजी डॉक्टरों की तुलना में सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर तरीके से मजबूत कर सकते हैं। इस मामले को जुलाई में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। तमिलनाडु मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए राज्य की 152 खाली इन-सर्विस सुपर स्पेशियलिटी सीटों को ऑल इंडिया कोटे में स्थानांतरित न किया जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इन सीटों को तीसरे दौर या मॉप-अप काउंसलिंग तक राज्य के इन-सर्विस डॉक्टरों के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक सरकारी डॉक्टर इन सीटों का लाभ उठा सकें। जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि इन-सर्विस डॉक्टरों की श्रेणी अलग होती है, क्योंकि ये डॉक्टर एक साथ सेवा भी दे रहे होते हैं और पढ़ाई भी कर रहे होते हैं।

*Applicable T&C available at your nearest dealership. Ex-showroom price ₹13 99 900 for Grand Vitara Aspirion Edition, exclusively available in the Zeta (O) and Alpha (O) variants. Creative visualisation. Images used are for illustration purposes only. Features and accessories shown may not be part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Offers may vary and are subject to availability of stock. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue an offer without further notice. Finance options available at the sole discretion of financier.

गंगा जतरा में झगड़ा,जवान लड़के पर चाकू से हमला

चित्तूरू जिला, 24 जून (एजेंसियां)। चित्तूरू श्रीरंगराजपुरम मंडल जिले में हो रहे गंगा जतरा पर खराब मौसम का असर पड़ा। पब्लिक में होने वाले कार्यक्रम के दौरान दो ग्रुप के बीच झगड़े में चाकू से हमला हो गया। उधेलपल्ली गांव का गंगाय नाम का एक आदमी, उसी गांव के बाबू नाम के एक आदमी के साथ घोड़े पर बैठ गया। यह देखकर गंगा का बेटा प्रकाश वहां आया और बोला, 'मैं अपने पिता से क्यों झगड़ा करूं? क्या आप गिर रहे हैं?' उसने बाबू से पूछा। इस वजह से दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। बाबू गुस्से में भर गया और उसने अपने हाथ में रखे चाकू से प्रकाश पर हमला कर दिया। उसने चाकू घोंपा।

चाकू के हमले से प्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोग तुरंत 108 गाड़ी से चित्तूर पहुंचे। सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल पीड़ित का अस्पताल में इलाज चल रहा है। त्योहार के माहौल में हुई इस झड़प की वजह से छोड़पल्ली गांव में अचानक तनाव पैदा हो गया।

एपी, तेलंगाना और कर्नाटक के मुख्यमंत्री एक मंच पर आज

अमरावती, 24 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के मुख्यमंत्री एक ही मंच पर नज़र आएंगे। कर्नाटक में तुंगभद्रा जलाशय के स्पिलवे गेट इस महीने की 25 तारीख को खोले जाएंगे। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और तीनों राज्यों के मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू आज कुरनूल जाएंगे और वहीं रुकेंगे। वहां से गुरुवार सुबह एक विशेष हेलीकॉप्टर से कर्नाटक के कोप्पल जिले के हवाई अड्डे पहुंचेंगे। वहां से सड़क मार्ग से प्रोजेक्ट स्थल तक जाएंगे।

वहीं, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हैदराबाद से विशेष उड़ान से तोरणगल्लू के पास जिंदल हवाई अड्डे पहुंचेंगे। वहां से वे सड़क मार्ग से तुंगभद्रा प्रोजेक्ट के पास पहुंचेंगे। इस महीने की 25 तारीख की सुबह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार प्रोजेक्ट स्थल पर पहुंचेंगे। इसके बाद, तीनों मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मिलकर 33 गेट वाले प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

तीनों राज्यों के कई मंत्री भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इन गेटों के उद्घाटन समारोह के बाद, मुनिराबाद के पास आयोजित एक खुली बैठक में केंद्रीय मंत्री और तीनों मुख्यमंत्री भाग लेंगे। अमरावती सचिवालय में कर्नाटक के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू से मुलाकात की। चंद्रबाबू से मिलने वालों में कर्नाटक के पूर्व मंत्री एनएस।

बोसुराजू, बसवराज रायरेड्डी और एमएलसी बसवनगौडा शामिल थे। उन्होंने मुख्यमंत्री को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निमंत्रण पत्र सौंपा। इसके साथ ही वित्त मंत्री पय्यावुला केशव और मत्स्य पालन मंत्री निम्मला रामनायडू को भी आमंत्रित किया गया। तुंगभद्रा प्रोजेक्ट कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए महत्वपूर्ण है।

एक साल पहले इस प्रोजेक्ट का 19वां गेट अस्थायी रूप से बंद हो गया था। विशेषज्ञों की मदद से स्टॉप-लॉग गेट का काम शुरू किया गया था। हालांकि, विशेषज्ञों की सलाह पर 33 पुराने क्रस्ट गेट हटाकर नए गेट लगाए गए। यह काम इस महीने की 25 तारीख को पूरी तरह से पूरा हो जाएगा। तुंगभद्रा प्रोजेक्ट आंध्र प्रदेश के अनंतपुर, कुरनूल और कडप्पा ज़िलों और तेलंगाना के महबूबनगर ज़िले के लोगों को पानी और सिंचाई की सुविधा देता है। इस प्रोजेक्ट के निर्माण को 73 साल पूरे हो चुके हैं। तुंगभद्रा प्रोजेक्ट कर्नाटक में 9,26,824 एकड़, आंध्र प्रदेश में 7,20,054 एकड़ और तेलंगाना में 87,000 एकड़ ज़मीन को कवर करता है।

गुलदार का हमला, बच्चा सुरक्षित; क्षेत्र में दहशत और वन विभाग की गश्त

ऋषिकेश, 24 जून (एजेंसियां)। खैरीखुर्द खुर्द ग्रामसभा के ठाकुरपुर क्षेत्र में घुसे गुलदार ने एक बच्चे पर हमला कर दिया। बच्चे को हल्के घाव आए हैं। गुलदार के आने की सूचना से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वन विभाग व पुलिस ने क्षेत्रवासियों से शाम के बाद घरों से बाहर न घूमने की चेतावनी जारी की है। गुलदार दिखने की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की रेस्क्यू विशेषज्ञ विनोद सेमवाल के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। देर शाम से वन कर्मियों ने पूरे क्षेत्र में गश्त शुरू की और ग्रामीणों को गुलदार से सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता व सावधानी बरतने की अपील की।

खैरी खुर्द के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आशीष बिष्ट ने बताया कि क्षेत्र में एक गुलदार देखा गया। जिसने मार्ग से गुजर रहे एक बच्चे पर भी हमला किया जिसमें उसके पैर पर नाखून के निशान आए हैं। बच्चा सुरक्षित है। कहा कि ग्रामसभा का क्षेत्र गंगा पार राजाजी टाइगर रिजर्व क्षेत्र से लगा है। संभावना है कि यहीं से गुलदार आय है।

आईएनएस उदयगिरी और आईएनएस कवरत्ती ऑपरेशनल तैनाती के तहत वियतनाम पहुँचे

विशाखापत्तनम, 24 जून (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस उदयगिरी और आईएनएस कवरत्ती दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में अपनी ऑपरेशनल तैनाती के तहत वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी में न्हा रोंग पोर्ट पहुँचे। इस तैनाती का नेतृत्व ईस्टर्न फ्लीट के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग, रियर एडमिरल आलोक आनंद कर रहे हैं। इन जहाजों का स्वागत वियतनाम पीपुल्स नेवी के कर्मियों, हो ची मिन्ह सिटी पीपुल्स कमेटी के प्रतिनिधियों और पोर्ट अधिकारियों ने किया।

आईएनएस उदयगिरी एक स्टील्थ फ्रिगेट है, जबकि आईएनएस कवरत्ती एक एंटी-सबमरीन वॉरफेयर कार्वेट है। दोनों जहाजों को भारत में ही डिज़ाइन और तैयार किया गया है। पोर्ट पर रुकने के दौरान, भारतीय नौसेना और वियतनाम पीपुल्स नेवी के कर्मी कई तरह की प्रोफेशनल गतिविधियों में हिस्सा लेंगे, जिनमें क्रॉस-डेक विज़िट, ऑपरेशनल जानकारी का आदान-प्रदान और खेलकूद की गतिविधियाँ शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस यात्रा का मकसद भारत और वियतनाम के बीच नौसैनिक सहयोग को मज़बूत करना और समुद्री क्षेत्र में आपसी जुड़ाव को बढ़ाना है।

यह तैनाती इसलिए भी अहम है क्योंकि मई 2026 में भारत और वियतनाम के बीच द्विपक्षीय संबंधों को 'एनहैंस्ड कॉमप्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' (बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी) के स्तर तक ले जाने के बाद, वियतनाम में भारतीय नौसेना की यह पहली बड़ी मौजूदगी है। अधिकारियों ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ते समुद्री सहयोग और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उनके लगातार जुड़ाव को दर्शाती है।

डिप्टी सीएम पवन पर वाईएसआरसीपी के हमलों पर मंत्रियों की चुप्पी से सीएम नायडू नाराज़

अमरावती, 24 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने कथित तौर पर मंत्रियों से सवाल किया कि उन्होंने डिप्टी सीएम पवन कल्याण के खिलाफ वाईएसआरसीपी के हमलों का जवाब क्यों नहीं दिया, जिसमें उन्हें राजनीतिक विवादों में घसीटा गया था। सूत्रों के अनुसार, सचिवालय में कैबिनेट की बैठक खत्म होने के बाद मंत्रियों के साथ हालिया राजनीतिक घटनाक्रम और अन्य मुद्दों पर चर्चा करते हुए, नायडू ने वाईएसआरसीपी पर अपराधियों का बचाव करने और राजनीतिक फायदे के लिए समुदायों के बीच फूट डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उन्होंने मंत्रियों से कहा कि वे ऐसी कोशिशों का कड़ा जवाब दें और जनहित के मुद्दों पर सक्रियता से प्रतिक्रिया दें। कुरनूल जिले की एक घटना का जिक्र करते हुए, नायडू ने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी ने उन लोगों का समर्थन किया जिन्होंने ग्रामीणों को कुछ लोगों का सामाजिक बहिष्कार करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने जोर देकर कहा, समुदायों के बीच तनाव पैदा करने की कोशिशों का सख्ती से विरोध किया जाना चाहिए। नायडू ने कहा कि मंत्रियों को केवल अपने विभागों तक सीमित रहने के बजाय सभी सरकारी विभागों में हो रही गतिविधियों की

जानकारी रखनी चाहिए। नायडू ने कहा कि मंत्रियों को सभी क्षेत्रों की व्यापक समझ विकसित करनी चाहिए और हर मुद्दे पर प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने मंत्रियों से यह भी कहा कि वे डीएससी भर्ती और अन्य विकास पहलों के बारे में वाईएसआरसीपी द्वारा फैलाई जा रही गलत सूचनाओं का जवाब दें। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जोन्नागिरी गांव, जहां सोने की खदान का इलाका है, उसे स्वर्ण ग्रामम (गोल्डन विलेज) कहा जाएगा।

नायडू ने बताया कि कडप्पा स्टील प्लांट की आधारशिला 3 जुलाई को रखी जाएगी। मंत्रियों ने कहा कि कृष्णालंका के गाडे साईं कृष्णा के परिवार के सदस्यों ने लापता होने के मामले की जांच में सरकार की ईमानदारी पर भरोसा जताया है। उन्होंने वाईएसआरसीपी पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने और इससे फायदा उठाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

जगन ने कापू समुदाय को धोखा दिया: जल मंत्री निम्मला

अमरावती, 24 जून (एजेंसियां)। जल संसाधन मंत्री निम्मला रमनायडू ने पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'कापू समुदाय के साथ धोखा करने वाला' बताया और उन पर पूरे राज्य में पुलिवेंदुला की गुटबाजी वाली संस्कृति फैलाने का आरोप लगाया। सचिवालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रमनायडू ने कहा कि कापू आरक्षण के इतिहास में, केवल दो मुख्यमंत्रियों ने वास्तव में समुदाय को फायदा पहुंचाया - एन चंद्रबाबू नायडू और पूर्व दलित नेता दामोदरम संजीवय्या। उन्होंने याद दिलाया कि जहां नीलम संजीव रेड्डी ने ब्रिटिश शासन के दौरान कापू आरक्षण को खत्म कर दिया था, वहीं बाद में संजीवय्या ने इसे बहाल किया, लेकिन कासु ब्रह्मानंद रेड्डी ने इसे फिर से रद्द कर दिया। रमनायडू ने आरोप लगाया कि चंद्रबाबू नायडू ने बीसी कोटे को प्रभावित किए बिना ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत कापू समुदाय को 5 प्रतिशत आरक्षण दिया था, जिसे बाद में जगन ने रद्द कर दिया, जिससे वे समुदाय के इतिहास में धोखेबाज बन गए। रमनायडू ने आगे जगन पर 2024 के चुनावों में वाईएसआरसीपी की हार के बाद समाज को जाति और धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि

जगन ने जानबूझकर कापू नेताओं को गलतियां करने के लिए उकसाया, उन्हें जेल भेजा और फिर उनकी दुर्दशा पर मगरमच्छ के आंसू बहाए, जिससे वे स्थायी रूप से उनके राजनीतिक दायरे में फंस गए। उन्होंने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी 'अपराधी पैदा करने वाली फैक्ट्री' बन गई है, जबकि टीडीपी असली नेताओं को आगे बढ़ा रही है। सम्मान में पद्मनाभम, यर्रा नारायणस्वामी, थोटा सीतारामलक्ष्मी, वंगा गीता, सी रामचंद्रैया और सना सतीश जैसे नेताओं को राज्यसभा भेजा गया था। उन्होंने इसकी तुलना जगन द्वारा अपने करीबी सहयोगियों जैसे विजय साई रेड्डी, पेड्डीरेड्डी रामचंद्र रेड्डी और मिथुन रेड्डी को प्राथमिकता देने और कापू समुदाय को दरकिनार करने से की। रमनायडू ने यह भी बताया कि टीडीपी ने चदलवाड़ा कृष्णमूर्ति, आदिकेशवुलु नायडू और पप्पाला चलपति राव जैसे नेताओं को टीडीपी चेयरमैन नियुक्त करके कापू समुदाय का सम्मान किया,

मंत्री लोकेश का कृष्णा ज़िले में नेताओं ने किया स्वागत

कृष्णा ज़िला, 24 जून (एजेंसियां)। ,ज़िला शिक्षा और आईटी विभाग के मंत्री नारा लोकेश का दौरा जारी है। अवनीगड्डा प्लानिंग डिवीज़न के मोपिदेवी मंडल के पेडेप्रोलु में, टीडीपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस कार्यक्रम का आयोजन अवनीगड्डा प्लानिंग डिवीज़न के टीडीपी अध्यक्ष वीरंकी गुरुमूर्ति और प्लानिंग इंस्पेक्टर कनपार्थी श्रीनिवास की देखरेख में किया गया। मोपिदेवी मंडल में आधुनिक सुविधाओं वाले कोक्किली गड्डा जेपी हाई स्कूल की नई इमारत का उद्घाटन किया गया। इसके बाद स्कूल परिसर में पौधे भी लगाए गए। मंत्री ने स्कूल परिसर में ग्रामीणों का अभिवादन किया। इस कार्यक्रम में मंत्री वासनशेट्टी सुभाष, एमपी वल्लभनेनी बालशौरी, एमएलए मंडली बुद्ध प्रसाद, बोडे प्रसाद, वेनिगंदला रामू और एमएलसी अशोक बाबू शामिल हुए।

लोकेश के दौरे के दौरान टीडीपी नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम लोगों की भारी भीड़ जमा हुई। मंत्री सभी का अभिवादन करते हुए आगे बढ़े। अवनीगड्डा प्लानिंग एरिया के दौरे के दौरान मंत्री मोपिदेवी में श्री सुब्रह्मण्येश्वर स्वामी मंदिर जाएंगे। मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके बाद मोपिदेवी में अवनीगड्डा प्लानिंग ग्रुप के टीडीपी कार्यकर्ताओं के साथ एक विशेष बैठक होगी। शाम को मंत्री लोकेश पुलिगड्डा में मछुआरों के साथ बैठक करेंगे।

टीडीपी सितंबर के टिकट ऑनलाइन जारी करेगा

तिरुपति, 24 जून (एजेंसियां)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीडीपी) ने दर्शन के लिए आने वाले भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। इस साल सितंबर महीने के लिए स्पेशल एंट्री दर्शन (300) टिकटों का कोटा बुधवार (24-06-2026) को सुबह 10:00 बजे जारी किया जाएगा। भक्त टीडीपी की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप के ज़रिए लॉग इन करके अपनी पसंद का स्लॉट बुक कर सकते हैं। भक्तों को सलाह दी जाती है कि वे पहले से ही बुकिंग कर लें। आमतौर पर इन टिकटों की बहुत ज़्यादा मांग रहती है। इसे देखते हुए, टीडीपी ने भक्तों को सतर्क रहने और टिकट बुक करने के बारे में स्पष्ट जानकारी दी है। दर्शन टिकटों के साथ-साथ, तिरुमला और तिरुपति में भक्तों के ठहरने के लिए हॉस्टल के कमरों का कोटा भी जारी किया जाएगा। टीडीपी ने बताया कि ये कमरे दोपहर 3:00 बजे ऑनलाइन उपलब्ध होंगे।

'जब मैं रातभर रोई तो शुभेंदु अधिकारी ने ही मेरा साथ दिया था'

महुआ मोइत्रा का चौंकाने वाला बयान, छोड़ेंगी ममता बनर्जी का साथ?

कोलकाता, 24 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में हार के बाद ममता बनर्जी को बड़ा सियासी नुकसान पहुंचा है। टीएमसी के विधायकों ने अपना अलग गुट बना लिया है, उन्होंने अपना नेता विपक्ष रितब्रता बनर्जी को चुना है। इसके अलावा काकोली घोष के नेतृत्व में 20 सांसद भी अलग हो चुके हैं। ममता बनर्जी अपनी पार्टी को बचाए रखने का संघर्ष कर रही हैं। इस बीच उनकी करीबी मानी जाने वाली कृष्णानगर की सांसद महुआ मोइत्रा ने भी चौंकाने वाला बयान दिया है। महुआ मोइत्रा और शुभेंदु अधिकारी मौजूदा समय में एक दूसरे के कट्टर विरोधी हैं।

हालांकि उन्होंने बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में शुभेंदु अधिकारी की तारीफ की है। महुआ ने बंगाल सीएम को अपना अच्छा दोस्त बताया है। उन्होंने कहा कि जब मेरा खराब समय चल रहा था, तब शुभेंदु अधिकारी ने मेरी मदद की

थी। महुआ ने कहा, 'शुभेंदु मेरे अच्छे दोस्त हैं, जब हम एक पार्टी में थे तो उन्होंने मेरा काफी साथ दिया।

जब मैं करीमपुर से चुनाव लड़ी थी तो सिर्फ वही मेरे लिए प्रचार करने आए थे। मुझे जो भी मदद चाहिए होती थी, वो मुझे देते थे।' महुआ मोइत्रा ने याद किया जब 2014 में उन्हें लोकसभा का टिकट मिलना था, लेकिन किसी वजह से नहीं मिल पाया तो मैं रात भर बहुत रोई थी, सिर्फ शुभेंदु अधिकारी ने ही मेरा साथ दिया था। टीएमसी सासंद ने कहा, 'शुभेंदु ने मुझसे कहा- नहीं बहन, मैं हूं ना। ये सारे भावनात्मक कनेक्शन होते हैं। आज हम अलग पार्टी में हैं। बात नहीं होती है, ये अलग बात है।' ममता बनर्जी के करीबियों में शामिल रहे शुभेंदु अधिकारी टीएमसी के कद्दावर नेताओं में से एक थे।

उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी छोड़कर बीजेपी ज्वाइन कर ली थी और 2026 में बीजेपी की बंपर जीत के बाद वह सूबे के मुखिया बने हैं। महुआ ने 2016 में पहला करीमपुर सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा था। उस समय शुभेंदु अधिकारी नादिया जिले के टीएमसी के पर्यवेक्षक हुआ करते थे। 2019 में उन्हें कृष्णानगर सीट से लोकसभा का टिकट मिला और वो सांसद बनकर दिल्ली आईं। उसके बाद 2024 में भी उन्होंने कृष्णानगर से चुनाव जीता।

'अदालत में जाली दस्तावेजों के इस्तेमाल को हल्के में नहीं लिया जा सकता', बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायिक कार्यवाही में जालसाजी और नकली दस्तावेजों का इस्तेमाल गंभीर अपराध हैं और इन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एनवी। अंजारिया की बेंच ने यह टिप्पणी उस वक्त की जब वह एक व्यक्ति को न्यायिक कार्यवाही के तहत मुचलके के तौर पर जाली राजस्व दस्तावेज का इस्तेमाल करने को लेकर मिली पांच साल की सजा में बदलाव कर रही थी। बेंच ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं है कि न्यायिक कार्यवाही में जालसाजी और नकली दस्तावेजों का इस्तेमाल गंभीर अपराध हैं। भारतीय दंड संहिता की धाराएं 467 (धोखाधड़ी), 468 (धोखाधड़ी के मकसद से जालसाजी) और 471 (नकली दस्तावेज का इस्तेमाल) उन अपराधों से संबंधित हैं, जो सार्वजनिक और कानूनी दस्तावेजों की प्रमाणिकता और शुचिता को कमजोर करते हैं।

अदालत के सामने नकली दस्तावेजों के इस्तेमाल को हल्के में नहीं लिया जा सकता।' बेंच ने कहा कि सजा तय करते समय, अदालत को अपराध की प्रकृति और उससे जुड़े तथ्यों और हालात, आरोपी की भूमिका, जेल में बिताई गई अवधि, बीते समय और सजा तय करने के नियमों से जुड़ी अन्य राहत देने वाली परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाना होता है। बेंच के अनुसार, 'सजा तय करने की प्रक्रिया में 'आनुपातिकता का सिद्धांत' अहम

है। सजा तय करने को सिर्फ बदला लेने की कार्रवाई नहीं माना जा सकता, जो मामले के तथ्यों और अपराधी की परिस्थितियों से अलग हो।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संबंधित घटना 2014 की है और वह व्यक्ति एक दशक से ज्यादा समय से आपराधिक कार्यवाही के साये में जी रहा है।

बेंच ने कहा, 'इस अदालत के सामने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया है जिससे पता चले कि अपीलकर्ता आदतन अपराधी है या वह मौजूदा घटना से पहले या बाद में किसी ऐसी ही आपराधिक गतिविधि में शामिल रहा हो।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला संगठित अपराध, बड़े पैमाने पर आर्थिक धोखाधड़ी, सरकारी संस्थानों को प्रभावित करने वाली सुनियोजित जालसाजी या बार-बार की जाने वाली ऐसी धोखाधड़ी से जुड़ा नहीं है, जिससे बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान हुआ हो। बेंच ने सजा को घटाकर उतनी ही अवधि का कर दिया, जितनी सजा वह व्यक्ति पहले ही काट चुका है।

टमाटर की कीमतें गिरने से रायलसीमा के किसानों को भारी नुकसान

तिरुपति, 24 जून (एजेंसियां)। मदनपल्ले, पलमनेर, पुंगनूर और कालिकिरी की बड़ी थोक मंडियों में टमाटर की भारी आवक के कारण पिछले तीन दिनों में कीमतों में भारी गिरावट आई है, जिससे अन्नामय्या, तिरुपति और चित्तूर जिलों के टमाटर किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। 15 किलो के क्रेट की कीमत, जो हाल तक 300 से 350 रुपये के बीच थी, गिरकर लगभग 220 रुपये हो गई है। कम गुणवत्ता वाली उपज 150-170 रुपये प्रति क्रेट बिक रही है, जबकि कुछ किसानों को परिवहन और मजदूरी का खर्च निकालने के बाद प्रति क्रेट मुश्किल से 50 रुपये ही मिल रहे हैं। व्यापारियों ने कीमतों में इस गिरावट का कारण रायलसीमा के प्रमुख टमाटर उत्पादक क्षेत्रों से भारी आवक को बताया है। जहां पिछले एक हफ्ते में सप्लाई काफी बढ़ गई है, वहीं मांग में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है, जिससे बाजार भाव में भारी गिरावट आई है।

आंध्र प्रदेश के सबसे बड़े टमाटर उत्पादक क्षेत्रों में शामिल चित्तूर और अन्नामय्या जिलों में 25,000 एकड़ से अधिक भूमि पर टमाटर की खेती होती है। कई मंडलों में कटाई जोरों पर होने के कारण बाजार में आवक बढ़ गई है, जिससे सप्लाई जरूरत से ज्यादा हो गई है। अन्नामय्या जिले के पिलर के टमाटर किसान जाकिर हुसैन ने चिंता जताते हुए कहा कि कुछ दिन पहले तक कीमतें स्थिर रहने के

बाद अचानक गिर गईं। उन्होंने कहा, किसान अब अपनी लागत वसूलने को लेकर भी चिंतित हैं। कालिकिरी मंडल के एक अन्य किसान शिवा शंकर ने कहा कि मौजूदा कीमतें खेती, कटाई और परिवहन की लागत को पूरा करने के लिए काफी नहीं हैं। उन्होंने कहा, कई किसानों ने फसल में भारी निवेश किया है और अब उन्हें भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। चूंकि टमाटर जल्दी खराब होने वाली फसल है, इसलिए किसानों का कहना है कि उनके पास तुरंत बेचने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जिससे छोटे और सीमांत किसान विशेष रूप से मुश्किल स्थिति में हैं।

किसानों ने सरकार से आग्रह किया है कि वे कीमतों को स्थिर करने के उपाय, खरीद में मदद और बेहतर भंडारण सुविधाएं उपलब्ध कराएं ताकि मजबूरी में कम कीमत पर बिक्री को रोका जा सके और टमाटर की खेती पर निर्भर हजारों किसान परिवारों की आजीविका की रक्षा की जा सके।

सीआईडी की रडार पर अभिषेक बनर्जी जांच के बीच विदेश जाने की कर रहे तैयारी, एचसी ने भी दी इजाजत

कलकत्ता, 24 जून (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को विदेश यात्रा की अनुमति दे दी। अभिषेक बनर्जी ने आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की मंजूरी मांगते हुए अदालत में याचिका दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उन्हें राहत दी। यह याचिका जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की अदालत में दाखिल की गई थी। इसमें अभिषेक बनर्जी ने लगभग एक सप्ताह की विदेश यात्रा की अनुमति मांगी थी।

उन्होंने अदालत से उस पाबंदी में ढील देने का अनुरोध किया था, जिसके तहत कथित भड़काऊ बयान देने के मामले में उनकी यात्रा पर रोक लगाई गई थी। अदालत ने उनकी याचिका को स्वीकार करते हुए विदेश जाने की अनुमति प्रदान कर दी है। इस मामले में आगे की सुनवाई इसी सप्ताह होने की संभावना है। इससे पहले भी अभिषेक बनर्जी आंखों के इलाज के लिए विदेश जा चुके हैं। उस समय कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद उन्हें अमेरिका जाने की अनुमति मिली थी।

यह आदेश कोयला तस्करी मामले से जुड़े एक प्रकरण में जस्टिस विवेक चौधरी की

अदालत ने दिया था। मौजूदा मामला बिधाननगर में चुनाव प्रचार के दौरान कथित रूप से दिए गए भड़काऊ बयान से संबंधित है। इस मामले में जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की सिंगल बेंच ने अभिषेक बनर्जी की विदेश यात्रा पर पाबंदी लगाई थी।

अब उन्होंने इसी प्रतिबंध में राहत की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था। टीएमसी सांसद की ओर से अदालत में दलील दी गई कि आंखों के इलाज के लिए विदेश यात्रा आवश्यक है और इसके लिए सीमित अवधि की अनुमति मांगी गई है। अदालत ने मामले की परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें यात्रा की अनुमति दे दी।

सु वि चा र — अपनी गलतियों की माफी मांगना सीखों लो, माफी मांगने से छोटे नहीं हो जाते।

बोनालू उत्सवों की सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं : पोन्नम प्रभाकर

श्रद्धापूर्वक मनाए जाएंगे बोनालू उत्सव, सरकार ने मंजूर किए 20 करोड़ रुपये

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि तेलंगाना की सांस्कृतिक पहचान माने जाने वाले बोनालू उत्सवों का आयोजन इस वर्ष और अधिक भव्यता एवं श्रद्धा के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि "तेलंगाना मतलब बोनालू और बोनालू मतलब तेलंगाना तथा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। बुधवार को जुबली हिल्स स्थित डॉ. मर्री चेन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान के दाशरथि ऑडिटोरियम में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि 16 जुलाई से 13 अगस्त तक हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकाजगिरि जिलों में होने वाले बोनालू उत्सवों की सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं।

उन्होंने कहा कि बोनालू केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि तेलंगाना की संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। आषाढ़ मास के दौरान लाखों श्रद्धालु विभिन्न मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंचते हैं, इसलिए अंतिम श्रद्धालु तक को सुगम दर्शन उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने बोनालू उत्सवों के आयोजन के लिए 20 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार मंदिरों को आर्थिक सहायता बढ़ा रही है और पात्र मंदिरों की पहचान पारदर्शी ढंग से की जानी चाहिए। पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रमुख मंदिरों में निर्बाध बिजली आपूर्ति, विशेष रोशनी, पुष्प सज्जा, पेयजल, प्रसाद वितरण, स्वच्छता, सीसीटीवी निगरानी, चिकित्सा शिविर, अग्निशमन सुरक्षा तथा आपातकालीन सेवाओं की समुचित व्यवस्था की जाए। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने और तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) द्वारा विशेष बस सेवाएं संचालित करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि गोलकोंडा, बाल्कमपेट, उज्जयिनी महांकाली, सब्जी मंडी तथा अक्कन्ना-मादन्ना मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे देखते हुए पुलिस, ट्रैफिक, जीएचएमसी और अन्य विभाग व्यापक सुरक्षा तथा यातायात प्रबंधन योजनाएं तैयार करें। मंत्री ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को बोनालू उत्सवों के इतिहास, महत्व, कार्यक्रमों की समय-सारिणी, यातायात व्यवस्था तथा सरकारी सुविधाओं के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने गोलकोंडा बोनालू के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए आषाढ़ मास में गोलकोंडा किले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पुरातत्व विभाग द्वारा निशुल्क प्रवेश जारी रखने का सुझाव भी दिया। बैठक में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुईं देवादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने सभी विभागों से समन्वय के साथ कार्य कर उत्सवों को सफल बनाने का आह्वान किया। वहीं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक उत्सव के सफल आयोजन के लिए सुदृढ़ योजना और प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। बैठक में राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र, जुबली हिल्स विधायक नवीन यादव, मलकाजगिरि विधायक मर्री राजशेखर रेड्डी समेत विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और मंदिर समितियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

याद दिलाने के लिए मनाया जाएगा 'संविधान हत्या दिवस': गुज्जुला

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं 'संविधान हत्या दिवस अभियान' के संयोजक गुज्जुला प्रेमेन्द्र रेड्डी ने कहा है कि कांग्रेस शासनकाल में लोकतंत्र की हत्या हुई थी और उस दौर के अत्याचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना ही 'संविधान हत्या दिवस' का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने जारी एक बयान में बताया कि कांग्रेस सरकार द्वारा वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल (इमरजेंसी) के विरोध में भाजपा की ओर से 25 जून को शाम 5 बजे पार्टी के प्रदेश कार्यालय में 'संविधान हत्या दिवस' (एंटी-इमरजेंसी डे) कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रेमेन्द्र रेड्डी ने आरोप लगाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने आपातकाल के दौरान नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन किया और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले नेताओं तथा आम नागरिकों को जेलों में बंद कर दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति कभी प्रतिबद्धता नहीं रही और आज भी उसका रवैया नहीं बदला है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय तथा सी.एच. विद्यासागर राव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय और प्रदेश स्तरीय नेता भी कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान आपातकाल के समय गिरफ्तार किए गए लोकतंत्र सेनानियों और संघर्षशील कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाएगा।

विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर चुनाव अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन ने बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय के सातवें तल स्थित बैठक कक्ष में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की समीक्षा और जागरूकता बैठक आयोजित की। बैठक में सभी 15 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 93 सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ), 15 जिला प्रशिक्षक तथा 406 बीएलओ पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी आर. वी. कर्णन ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए एसआईआर प्रक्रिया के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया और पात्र मतदाताओं तक गणना प्रपत्र (ईएफ) पहुंचाने तथा उन्हें समय पर एकत्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने ईएफ प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण, मतदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के सत्यापन और बीएलओ ऐप के माध्यम से आंकड़ों के सही अपलोडिंग संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता और शत-प्रतिशत मतदाता कवरेज सुनिश्चित करने के लिए बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया जाए। साथ ही अधिकारियों को निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) की जानकारी भी दी गई। बैठक के दौरान बीएलओ और पर्यवेक्षकों के लिए 'क्या करें और क्या न करें' विषय पर भी विशेष मार्गदर्शन दिया गया। अधिकारियों को निष्पक्षता, पेशेवर कार्यशैली, डेटा प्रविष्टि की शुद्धता, निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के पालन और समयबद्ध तरीके से सभी जिम्मेदारियों के निर्वहन पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के सफल संचालन के लिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करें, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाया जा सके।

25 दिन बाद जेल से बाहर आए बाल्का सुमन, हाईकोर्ट ने दी सशर्त जमानत

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता) । पूर्व बीआरएस विधायक बाल्का सुमन को बड़ी राहत देते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट ने बुधवार को सशर्त जमानत प्रदान कर दी। अदालत ने उन्हें 25 हजार रुपये का निजी मुचलका जमा करने का निर्देश दिया। बाल्का सुमन के खिलाफ सिंगरेणी कोलियरीज के संबंध में कथित तौर पर की गई टिप्पणियों को लेकर नामपल्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। यह टिप्पणी तेलंगाना बोग्गु गनी कर्मिका संघ (टीबीजीकेएस) की एक बैठक के दौरान की गई थी। पुलिस ने उन्हें 29 मई को गिरफ्तार कर चंचलगुडा केंद्रीय जेल भेज दिया था। जेल में रहने के दौरान बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने उनसे मुलाकात की थी। करीब 25 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहने के बाद हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर बाल्का सुमन के समर्थकों और बीआरएस कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है।

आरटीसी विलय की मांग तेज हुई, भूख हड़ताल के दौरान एनएमयू नेता गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना नेशनल मजदूर यूनियन (एनएमयू) के महासचिव हनुमंतु मुदिराज ने तेलंगाना आरटीसी कर्मचारियों को राज्य सरकार में तत्काल विलय करने की मांग को लेकर शहर के आरटीसी क्रॉस रोड्स स्थित बस भवन के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। हनुमंतु मुदिराज ने कहा कि चुनाव घोषणापत्र में विलय का वादा किया गया था और उन्होंने कांग्रेस सरकार से आग्रह किया कि वह बिना देरी किए अपना वादा पूरा करे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक मान्यता प्राप्त कर्मचारी संघ के चुनाव का हवाला देकर प्रक्रिया को टाल रही है और चेतावनी दी कि पहले ऐसे चुनाव कराने से विलय में दो साल की और देरी हो सकती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कांग्रेस सरकार पिछली बीआरएस सरकार की तरह विश्वासघात नहीं करेगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एक मान्यता प्राप्त संघ के चुनाव कराने के बहाने प्रक्रिया को रोक रही है। उन्होंने कुछ यूनियनों पर सरकार को गुमराह करने और विलय प्रक्रिया में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लगातार देरी से सरकार की छवि खराब होगी, इसलिए उन्होंने मांग की कि पहले आरटीसी कर्मचारियों को सरकारी सेवा में शामिल किया जाए और यूनियन चुनाव बाद में कराए जाएं।

मादक द्रव्यों के खिलाफ जागरूकता अभियान सत्व नॉलेज सिटी में कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर चल रहे राज्यव्यापी जागरूकता सप्ताह के तहत रायदुर्गम पुलिस स्टेशन क्षेत्र स्थित सत्व नॉलेज सिटी में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 सॉफ्टवेयर कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में कुकटपल्ली डीसीपी रिति राज उपस्थित रहे। उन्होंने नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों पर विस्तार से जानकारी दी और युवाओं तथा आईटी कर्मचारियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा ड्रग्स से दूर रहने की अपील की। डीसीपी ने कहा कि समाज को नशा मुक्त बनाने में हर नागरिक की जिम्मेदारी है और सभी को मिलकर ड्रग फ्री सोसाइटी के निर्माण में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में माधापुर एसीपी , रायदुर्गम एसएचओ, डीआई भूपति सहित पुलिस अधिकारी और बड़ी संख्या में आईटी कर्मचारी मौजूद रहे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I , JC 781005H, Nb Sub, Sanjoy Mondal, R/o, Dist: Bankura, West Bengal, changed my Father's name from Bhairab Mondal to Bhairab Chandra Mondal, vide Affidavit No. 467362 dt. 23.06.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मिलावटी डीजल के बड़े रैकेट पर एजेंसियों की नजर

निजी बस ऑपरेटर जांच के दायरे में

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर और आसपास के क्षेत्रों में निजी बस संचालकों को कथित तौर पर मिलावटी डीजल की आपूर्ति करने वाले एक बड़े नेटवर्क पर प्रवर्तन एजेंसियों की नजर है। हाल की जांच में सामने आया है कि कुछ ट्रांसपोर्टर परिचालन लागत कम करने के लिए कम कीमत वाले मिश्रित ईंधन का इस्तेमाल कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, हाल ही में शहर के बाहरी इलाकों में कुछ निजी बसों की जांच के दौरान अधिकारियों को मिलावटी डीजल के इस्तेमाल का संदेह हुआ। जांच में मेडचल क्षेत्र से संचालित एक नेटवर्क के जरिए निजी ट्रैवल ऑपरेटरों को कम कीमत पर ईंधन की आपूर्ति किए जाने की बात सामने आई है।

सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से प्रतिदिन हजारों लीटर कथित मिलावटी ईंधन हैदराबाद लाया जा रहा है और इसे निजी ट्रैवल कंपनियों के गैराजों तक पहुंचाया जा रहा है। बाजार मूल्य से कम कीमत पर उपलब्ध होने के कारण बस संचालकों को ईंधन खर्च में 30 से 40 प्रतिशत तक की बचत हो रही है। अधिकारियों का मानना है कि इस नेटवर्क में शहर से जुड़े कुछ कारोबारी भी शामिल हो सकते हैं। अब प्रवर्तन एजेंसियां ट्रैवल कंपनियों के गैराज, ईंधन भंडारण केंद्रों और निजी बस डिपो की जांच की तैयारी कर रही हैं। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि लंबी दूरी की यात्रा करने वाली कुछ बसों में चालक और कर्मचारी खाना बनाने के लिए पोर्टेबल गैस स्टोव और अन्य उपकरण साथ रखते हैं, जिससे आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। परिवहन विभाग ने इसे गंभीर सुरक्षा जोखिम बताया है। अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि मिलावटी ईंधन का उपयोग करने और सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले बस संचालकों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जा सकते हैं। आवश्यकता पड़ने पर वाहनों को जब्त कर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

हैदराबाद में अगले 48 घंटे में बारिश के आसार

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की बौछारें पड़ीं, लेकिन सोमवार रात की बारिश के बाद शहर को अच्छी वर्षा का इंतजार है। पिछले 24 घंटों में मेडचल-मल्काजगिरि जिले के दुंडीगल-गांडीमैसम्मा क्षेत्र में सर्वाधिक तीन मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि औसत वर्षा 0.1 मिमी रही। सुबह से ही मौसम सुहावना बना रहा और दिनभर बादल छाए रहे। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले 48 घंटों तक शहर में मौसम लगभग इसी तरह बना रहेगा। शाम और रात के समय हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

बुधवार को तापमान में गिरावट आने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। शहर के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान करीब 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेलंगाना विकास योजना समिति के आंकड़ों के अनुसार, मुशीराबाद में अधिकतम तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आईएमडी ने बताया कि राज्य के कुमारम भीम और पेद्दापल्ली जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई है। विभाग ने अगले तीन दिनों के दौरान तेलंगाना के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और अधिकतम तापमान में दो से पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट की संभावना जताई है।

केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के तहत स्थापित)
तेजस्विनी हिल्स, पेरिया डाक, कासरगोड - 671325

सं. सीयूके/आरसी/10/टीईएसीएच/ईएन/2026 — दिनांक: 10 जून, 2026

विभिन्न शिक्षण पदों के लिए विज्ञापन

विभिन्न रिक्त शिक्षण पदों को नियमित आधार पर भरने के लिए पात्र भारतीय नागरिकों/भारत के प्रवासी नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

1. विज्ञापन सं. सीयूके/आरसी/10/टीईएसीएच/ईएन/2026 दिनांकित 10.06.2026 (विभिन्न विभागों में रिक्त शिक्षण पदों के लिए)
2. विज्ञापन सं. सीयूके/आरसी/11/टीईएसीएच/आईटीईपी/ईएन/2026 दिनांकित10.06.2026 (इंटग्रेटेड टीचर एज्युकेशन प्रोग्राम-आईटीईपी में रिक्त विभिन्न शिक्षण पदों के लिए)

अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.cukerala.ac.in** देखें।
ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने का लिंक: https://curec.samarth.ac.in
ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि :10.07.2026, 11:59 पी.एम.
हार्ड कॉपी आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि : 25.07.2026, 05:00 पी.एम.

cbc 21353/11/0001/2627 — कुलसचिव

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वी मंज़िल,
प्लाट P-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर, गुडगाँव,
हरियाणा - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6

सार्वजनिक सूचना

(कम्पनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कम्पनी (कम्पनी रजिस्टर से कम्पनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में)

सार्वजनिक नोटिस :ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2026-27/560 — **दिनांक**:- 17/06/2026

संदर्भ:

1.कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित ***(44)*** कम्पनियों का नाम **तेलंगाना** राज्य से हटाने के मामले में:

S.no.	Work Item	CIN	Company Hindi Name
1	AC3871299	U62020TS2023PTC174254	बीटीएफप्रो प्राइवेट लिमिटेड
2	AC3849588	U15490TG2020OPC147319	गेट ग्रीन्स फूड्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
3	AC3810827	U73100TG2016PTC103699	लाध बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड
4	AC3819483	U43300TS2024OPC191921	सराहा प्रोजेक्ट्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
5	AC3819865	U72900TG2021OPC152339	डिसेंट्रलाइज्ड मॉन्स्टर्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
6	AC3806665	U37100TG2020PTC141882	नवुदतवर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड
7	AC3820547	U62013TS2025PTC202849	इंक ग्लोबल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
8	AC3778662	U68200TS2024PTC183529	वैभवम रियल्टी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड
9	AC3744206	U24297TG2020PTC139824	फेरोरोवर्स प्राइवेट लिमिटेड
10	AC3744594	U24304TG2020PTC139733	एजीबायो टेकमैट्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड
11	AC3245072	U20233TS2024OPC186837	कालावथी विनिर्माण (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
12	AC3736763	U74900TG2011FTC074030	माइक्रोप्योर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
13	AC3795689	U45309TG2018PTC125978	यसादी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
14	AC3675468	U74999TG2018PTC125301	एक्सपेडाइट इनोवेशंस एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
15	AC3653424	U73100TS2025PTC194994	पार्क्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड
16	AC3656857	U63111TS2026PTC212143	पीकेसीडी सिक्योर वॉल्ट प्राइवेट लिमिटेड
17	AC3318302	U74999TG2018PTC126618	विविडसन फार्मेसी प्राइवेट लिमिटेड
18	AC3594604	U72900TG2022PTC169296	ग्रीनसॉफ्ट एसआरआर इन्फो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
19	AC3578442	U73100TS2025PTC197888	सुनौरा मार्केटिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
20	AC3586505	U45200TG2007PTC052902	समाला इंफ्रास्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड
21	AC3566622	U52209TG2022PTC163991	एवीजी अक्षयपात्रा होमसीड्स प्राइवेट लिमिटेड
22	AC3577063	U32300TG2020PTC138846	ओमियोनसिस प्राइवेट लिमिटेड
23	AC3529108	U72200TG2013PTC090654	सिट्रैक सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
24	AC3508140	U72200TG2004PTC042668	वेवट्रॉनिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
25	AC3444330	U61900TS2025PTC194477	ब्रेडन मेडीसॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड
26	AC3441561	U82990TS2025PTC202952	काबरा बिजनेस कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड
27	AC3833718	U74999TG2018PTC124830	वीपीके वेकेशंस प्राइवेट लिमिटेड
28	AC3823251	U62013TS2026PTC210720	यूनिसोक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
29	AC3817295	U70200TS2025PTC206734	इग्नाइटवन कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड
30	AC3848138	U62011TS2024PTC181933	एशियन फर्स्ट रेशियो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
31	AC3780028	U46309TS2025PTC204903	व्योमा ग्लोबल एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
32	AC3770860	U51909TG2013PTC085651	रायलसीमा ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड
33	AC3761513	U56102TS2025PTC207336	अद्वैत रेजिडेंसी प्राइवेट लिमिटेड
34	AC3770726	U80100TG2008PTC057561	महालक्ष्मी एजुकेशनल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
35	AC3751954	U74999TG2021PTC154846	नेबुला हेल्थ सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
36	AC3726575	U72900TG2020PTC142133	डबशूट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
37	AC3732328	U72211TG2011PTC073832	एमआर मेडिकल इमेजिंग इनोवेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
38	AC3706574	U52292TS2025PTC206158	रेडपोर्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
39	AC3736942	U67190TG2021PTC151575	सत्यकृष्णा इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
40	AC3726036	U51909TG2013PTC086269	डेक्कन हैदराबाद ट्रेडइम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड
41	AC3607235	U72900TG2019PTC129940	अल्टव्यूज टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
42	AC3602650	U36994TG2020PTC140876	थिरंग इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
43	AC3601660	U15549TG2020PTC141133	सेवकिसान फूड्स प्राइवेट लिमिटेड
44	AC3574565	U72300TG2015PTC099398	सीईएम सॉफ्टटेक प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कम्पनियों के नाम कम्पनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कम्पनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कम्पनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कम्पनी ने निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कम्पनी के रुप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कम्पनी रजिस्ट्रार से अपना/अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है ।

3. तदनुसार, कम्पनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कम्पनियों के नामों को कम्पनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार से कम्पनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं ।

इरकन तिर्की
उप-पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र

CBC07123/11/0253/2627

काशी विद्यापीठ के दो हॉस्टलों के 49 कमरों से हटा अवैध कब्जा, विवि प्रशासन की शिकायत पर कार्रवाई

वाराणसी, 24 जून (एजेंसियां)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ प्रशासन ने मंगलवार को परिसर में अवैध रूप से रह रहे बाहरी व छात्रों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सिगरा पुलिस की भारी मौजूदगी में आचार्य नरेंद्र देव छात्रावास और लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास के कुल 49 कमरों को पूरी तरह से कब्जा मुक्त करा लिया। इस दौरान टीम ने अवैध कब्जे वाले कमरों के ताले तुड़वाए और उन पर विश्वविद्यालय प्रशासन का आधिकारिक ताला जड़ दिया। यह संयुक्त कार्रवाई परिसर के दो बड़े छात्रावासों में एक साथ चलाई गई है।

आचार्य नरेंद्र देव छात्रावास में लंबे समय से अनधिकृत रूप से जमे बाहरी लड़कों और अवैध छात्रों के 39 कमरों को खाली कराया गया है। लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास में भी नियमों को ताक पर रखकर रह रहे तत्वों के 10 कमरों से अवैध कब्जा हटाया गया।

आज सीएम योगी करेंगे अक्षयपात्र किचन का उद्घाटन, रोज 1 लाख बच्चों का भोजन

गोरखपुर, 24 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 जून को तीन दिवसीय दौरे पर आएंगे। इसी दिन वह शाम को बरगदवा स्थित नकहा जंगल के पास अक्षयपात्र के बेस किचन का उद्घाटन करेंगे और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। इस बेस किचन से रोजाना एक लाख बच्चों का मिड-डे मील बनेगा। 27 जून सुबह भाजपा महानगर के प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन करेंगे। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री 25 जून की शाम को आएंगे और गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन करने के बाद कुछ देर मंदिर परिसर में रहेंगे। इसके बाद वह शाम करीब 5:30 बजे बरगदवा स्थित नकहा जंगल स्टेशन के पास निर्माणाधीन अक्षयपात्रा के बेस किचन का उद्घाटन करने के बाद निरीक्षण करेंगे।

26 जून को एक निजी हास्पिटल का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री 27 जून को सुबह 10:30 बजे भाजपा महानगर कमेटी के दो दिवसीय अभ्यास वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में सांसद रवि किशन, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, वर्तमान और पूर्व पदाधिकारी सहित 173 सदस्य भाग लेंगे। दो दिनों में कुल 16 सत्र आयोजित होंगे। पहले दिन भाग लेने वालों को रात प्रवास भी करना है। पं। दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत भाजपा के दो दिवसीय अभ्यास वर्ग में शामिल होने के बाद 28 जून को सभी जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी अयोध्या दर्शन करने जाएंगे। इसके लिए पार्टी की ओर से एसी बस का इंतजाम किया गया है।

अक्षयपात्रा के बेस किचन में प्रति घंटे बनेगी 50 हजार रोटी

अक्षयपात्रा के बेस किचन में अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई हैं। तीन से चार घंटे में एक लाख बच्चों का खाना बनकर तैयार होगा। मशीन से एक घंटे में 50 हजार रोटी बनाई जाएगी और स्टीम तकनीक से 15 मिनट में 1200 लीटर चावल पकेगा। अक्षयपात्रा के जोनल हेड विक्रांत मोहन ने बताया कि तीन एकड़ क्षेत्रफल में बेस किचन और पार्किंग बनाई गई। स्कूलों तक खाना पहुंचाने के लिए करीब 100 गाड़ियां रहेंगी। बेस किचन में करीब 200 कर्मचारी काम करेंगे। स्कूलों में बच्चों की अटेंडेंस के हिसाब से गरम खाना गाड़ियों में भेजा जाएगा।

गंगा में नाव पर नानवेज-पार्टी करने के आरोपियों को जमानत
वाराणसी कोर्ट ने 5 युवकों की याचिका पर सुनाया फैसला, 20-20 हजार के बांड भरवाए

वाराणसी, 24 जून (एजेंसियां)। वाराणसी में पतित पावनी मां गंगा में नानवेज पार्टी और शराब पीने के मामले में गिरफ्तार पांच आरोपितों को कोर्ट से राहत मिल गई। कार्यपालक मजिस्ट्रेट तृतीय की अदालत ने सूजाबाद पड़ाव, थाना रामनगर निवासी दीपक कुमार, नाव चालक अजय साहनी, डोमरी, रामनगर, वाराणसी के अरुण कुमार साहनी, अनुराग निषाद, बंधा रोड, सूजाबाद, रामनगर निवासी राहुल साहनी को 20-20 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता विकास सिंह ने पक्ष रखा। प्रकरण के अनुसार पतित पावनी मां गंगा में नानवेज पार्टी और शराब पीने का वीडियो बीते सोमवार देर शाम इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद श्रद्धालु नाराज हो उठे। पुलिस की सर्विलांस टीम ने वीडियो देखा तो आनन-फानन में पांच आरोपितों की पहचान कर सभी पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

नाव को भी पुलिस ने सीज कर दिया है। सहायक पुलिस आयुक्त डा। अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि वीडियो जांच में मान मंदिर घाट पर वना वीडियो छह माह पुराना निकला। वीडियो में दिख रहे लोग सूजाबाद पड़ाव, थाना रामनगर निवासी दीपक कुमार, नाव चालक अजय साहनी, डोमरी, रामनगर, वाराणसी के अरुण कुमार साहनी, अनुराग निषाद, बंधा रोड, सूजाबाद, रामनगर निवासी राहुल साहनी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बतादें कि बीते 16 मार्च को गंगा में इसी तरह का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था। कोतवाली पुलिस ने दूसरे ही दिन 17 मार्च को 14 मुस्लिम युक्कों को गिरफ्तार किया था।

राम मंदिर 'दान चोरी' विवाद पर कांग्रेस का हमला तेज, स्वतंत्र जांच की मांग, सलमान खुर्शीद बोले- दान भगवान का होता है

अयोध्या, 24 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने मामले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मंदिर में आने वाला दान किसी व्यक्ति या संस्था का नहीं, बल्कि भगवान का होता है। ऐसे में यदि दान राशि के प्रबंधन को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक संस्थानों में आने वाले चढ़ावे और दान को लेकर पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। श्रद्धालु अपनी आस्था के साथ दान देते हैं और उस विश्वास को किसी भी कीमत पर ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने आगे कहा कि राम मंदिर जिसने बनाया है वो जवाब दे ना। कोई इसलिए आस्था रखता है कि उसका संबंध सनातन धर्म से है, कोई इसलिए आस्था रखता है कि उसके साथी उसके दोस्त का,उसके साथी का, उसके सहयोगी का भगवान से संबंध है। लेकिन ये तो बताए, जो अपना अधिकार मानता है राम मंदिर पर और जो राम मंदिर की बात हर जगह करता है, वो जवाब दे कि वहां राम की आस्था के साथ साथ ये कैसे हो रहा है, कि राम की आस्था के साथ साथ पैसे की भी आस्था है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मामले में सामने आ रहे आरोपों और जांच संबंधी रिपोर्टों को देखते हुए किसी स्वतंत्र एजेंसी या निष्पक्ष जांच तंत्र से पूरे प्रकरण की जांच कराई जानी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और जनता का भरोसा बना रहे।

वहीं, इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ दल और राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से अभी तक जो भी स्पष्टीकरण दिए गए हैं, उन पर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। राजनीतिक गलियारों में यह मामला अब आस्था, जवाबदेही और पारदर्शिता के मुद्दे के रूप में चर्चा का केंद्र बन गया है।

लखनऊ अग्निकांड का मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा

याचिका में चीफ जस्टिस से संज्ञान लेकर कार्रवाई और निर्देश देने की मांग

प्रयागराज, 24 जून (एजेंसियां)। लखनऊ कोचिंग अग्निकांड का मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। इसे लेकर अधिवक्ता गौरव द्विवेदी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में लेटर पिटीशन (पत्र याचिका) दाखिल की है। चीफ़ जस्टिस से याचिका पर संज्ञान लेकर कार्रवाई और जरूरी दिशा निर्देश देने की मांग की गई है। चीफ जस्टिस को भेजी गई याचिका में मानकों की अनदेखी और मनमानी को लेकर कई सवाल उठा गए हैं। याचिका में कहा गया है कि कोचिंग संस्थानों के साथ बहुमंजिला इमारतों की सुरक्षा का मामला भी गंभीर है। इन व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठाए गए हैं। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और भीड़भाड़ वाले एरिया में संभावित अग्निकांड से निपटने की तैयारियों को लेकर जरूरी दिशा निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में अग्निकांड जैसी स्थितियों से निपटने के लिए एक विस्तृत गाइडलाइन जारी करने का निर्देश को कहा गया है। आग जैसी घटनाओं की सूचना पर त्वरित एक्शन प्लान तैयार करने के लिए क्या कदम उठाए जाएं, इसे लागू कैसे किया जाए इस पर दिशा निर्देश देने की मांग की गई है।

भरत तिवारी की मां से मिलीं पवन सिंह की पत्नी
बोलीं- सरेंडर के बाद गोली मारना गलत, लकी बिष्ट भी पहुंचे

आरा, 24 जून (एजेंसियां)। भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक हस्तियों का बिलौटी गांव पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। न्यायिक जांच की घोषणा के बीच स्वजन से मिलने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। मंगलवार को भाजपा विधान पार्षद और भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह पहुंचीं। रॉ (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) के पूर्व अधिकारी लकी बिष्ट ने भरत तिवारी के घर पहुंचकर स्वजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी।

बिलौटी गांव पहुंचीं ज्योति सिंह ने भरत तिवारी की मां से मुलाकात की। इस दौरान माहौल काफी भावुक हो गया। उन्होंने भरत की मां को गले लगाकर ढांढस बंधाया और परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में ज्योति सिंह ने कहा कि भरत तिवारी के साथ अन्याय हुआ है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होने से पीड़ित परिवार का न्याय व्यवस्था पर विश्वास मजबूत होगा। उन्होंने पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति आत्मसमर्पण कर चुका हो तो उसे गोली मारना उचित नहीं कहा जा सकता। उन्होंने दावा किया कि सामने आए वीडियो में भरत तिवारी द्वारा हथियार फेंकने की बात स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। ऐसे में घटना के हर पहलू की स्वतंत्र जांच कर सच्चाई सामने लाई जानी चाहिए।

आंधी, बारिश और बिजली से 11 लोगों की मौत

पटना, 24 जून (एजेंसियां)। बिहार में मआंधी, बारिश और बिजली गिरने से 5 जिलों में 11 लोगों की मौत हुई है। सबसे ज्यादा भागलपुर में 5 लोगों की जान गई है। इधर, मुजफ्फरपुर में गर्मी को देखते हुए 8वीं तक के स्कूलों को 27 जून तक बंद कर दिया गया है। बिहार में मानसून की एंट्री के बावजूद लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत नहीं मिल रही है। मौसम विभाग ने आज राज्य के 14 जिलों में हीटवेव का यलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, अगले 48 से 72 घंटों तक अधिकांश जिलों में गर्म और शुष्क मौसम बना रह सकता है। जबकि अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी की संभावना है।

मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर में बाहर नहीं निकलने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और तेज धूप से बचाव करने की सलाह दी है। बीते 24 घंटे में भागलपुर और मुंगेर में बारिश हुई। जबकि कैमूर और बक्सर 41.5 डिग्री अधिकतम तापमान के साथ सबसे गर्म रहा। मौसम बदला और आंधी के साथ तेज बारिश शुरू हुई। इस दौरान बारिश और ठनका की चपेट में आने से 10 लोगों की जान चली गई। भागलपुर जिले में 5 लोगों की, जबकि बांका में 3 लोगों की मौत हो गई। मुंगेर और कटिहार में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

बिहार में भ्रष्टाचार पर ईओयू की बड़ी कार्रवाई
इंजीनियर के 6 ठिकानों पर रेड,3.89 करोड के साक्ष्य मिले

पटना, 24 जून (एजेंसियां)। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने भवन निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता सह निदेशक (निरूपण इकाई) पवन कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में बड़ी कार्रवाई शुरू की है। ईओयू थाना कांड संख्या-12/26 दर्ज कर विशेष न्यायालय निगरानी, पटना से तलाशी वारंट प्राप्त करने के बाद बुधवार को उनके छह ठिकानों पर एक साथ छापामारी की गई।

जांच एजेंसी के अनुसार सत्यापन के दौरान पवन कुमार के खिलाफ प्रथम दृष्टया 3 करोड़ 89 लाख 79 हजार रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के साक्ष्य मिले हैं। यह राशि उनकी ज्ञात आय से लगभग 103.94 प्रतिशत अधिक बताई गई है। इसी आधार पर उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। ईओयू की अलग-अलग टीमों ने पटना के उत्तरी श्रीकृष्णापुरी स्थित यमुना निवास अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या बी-305, उनके कार्यालय पर रेड किया। इसके अलावा भागलपुर के आनंदगढ़ कॉलोनी तिलकामांझी स्थित मकान, नोएडा सेक्टर-75 स्थित फ्लैट, नोएडा के एक अन्य आवासीय ठिकाने तथा नई दिल्ली के द्वारका सेक्टर-10 स्थित फ्लैट पर एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया है।

छापेमारी की कार्रवाई पुलिस उपाधीक्षक और पुलिस निरीक्षक स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में की जा रही है। आर्थिक अपराध इकाई ने कहा है कि तलाशी अभियान पूरा होने के बाद बरामदगी और अन्य तथ्यों से संबंधित विस्तृत जानकारी जारी की जाएगी।

बस रिलीज कराने के नाम पर मांगे थे 10 हजार, महिला सब इंस्पेक्टर को 3 साल की सजा और जुर्माना भी

हाजीपुर, 24 जून (एजेंसियां)। नगर थाना में तैनात रहीं तत्कालीन महिला सब इंस्पेक्टर पूनम कुमारी को भ्रष्टाचार के मामले में विशेष निगरानी अदालत ने दोषी करार देते हुए तीन वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि जुर्माना राशि जमा नहीं करने पर दोषी को अतिरिक्त तीन महीने का साधारण कारावास भुगतना होगा। यह मामला 14 नवंबर 2024 का है। आरोप है कि तत्कालीन महिला सब इंस्पेक्टर पूनम कुमारी ने नितेश बस सर्विस के प्रबंधक पंकज कुमार द्विवेदी से बस संख्या बीआर-31पी 5778 को डीटीओ कार्यालय से रिलीज कराने के लिए आवश्यक पत्राचार के एवज में 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी।

शिकायत मिलने के बाद विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) ने जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान हाजीपुर स्थित उनके निजी आवास से उन्हें रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उनके खिलाफ एसवीयू थाना कांड संख्या 06/2024 दर्ज किया गया। मामले की सुनवाई पटना स्थित विशेष न्यायाधीश (विजिलेंस) अतुल कुमार सिंह की अदालत में हुई।

दुधवा में ट्रैंकुलाइज की गई बाघिन की संदिग्ध मौत, पोस्टमार्टम से खुलेगा राज

लखीमपुर, 24 जून (एजेंसियां)। दुधवा टाइगर रिजर्व के बफर जोन अंतर्गत उत्तर खीरी वन प्रभाग की महराजगंज रेंज में ट्रैंकुलाइज कर रेस्क्यू की गई एक बाघिन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से वन विभाग में अफरातफरी मच गई। विभाग ने मौत के कारणों का पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराने का निर्णय लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बाघिन की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। वन विभाग के अनुसार महराजगंज रेंज की बबौरा बीट के ग्राम रामपुर मजरा रामनगर कला, थाना भीरा क्षेत्र में एक बाघिन जंगल की सीमा से निकलकर मानव आबादी वाले इलाके में पहुंच गई थी। इससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया था। बाघिन की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही थी और उसे सुरक्षित पकड़कर उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ने की तैयारी चल रही थी। मंगलवार सुबह करीब 5:10 बजे वन विभाग की टीम ने जीपीएस लोकेशन एन 28.289388, ई 80.665485 पर बाघिन को सफलतापूर्वक ट्रैंकुलाइज कर लिया। इसके बाद उसे पिंजरे में सुरक्षित रखकर महराजगंज रेंज परिसर लाया गया।

पूरे अभियान की निगरानी क्षेत्रीय वन अधिकारियों, वन कर्मियों तथा विभागीय पशु चिकित्सकों की मौजूदगी में की गई। रेस्क्यू के बाद बाघिन का स्वास्थ्य परीक्षण दुधवा टाइगर रिजर्व के बफर जोन के पशु चिकित्सक डॉ। दशाशंकर द्वारा किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण रिपोर्ट में बाघिन को सामान्य एवं उसके प्राकृतिक आवास में पुनः छोड़े जाने के लिए उपयुक्त पाया गया। वन विभाग उसे उसके प्राकृतिक क्षेत्र में छोड़ने की प्रक्रिया पूरी करने की तैयारी में जुटा था।

इसी बीच रेंज परिसर में रखी गई बाघिन की अचानक मौत हो गई। स्वास्थ्य परीक्षण में सामान्य पाए जाने के बावजूद बाघिन की मौत ने वन अधिकारियों को भी हैरान कर दिया है। घटना के बाद विभाग ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पति पहुंचा कोर्ट, तो डेढ़ साल बाद पत्नी हुई जिंदा

बस्ती, 24 जून (एजेंसियां)। यूपी के बस्ती में एक महिला मरने के बाद भी कागजों में डेढ़ साल बाद जिंदा निकल आई। दरअसल, एक महिला के मरने के बाद भी पुलिस ने एक केस में उसके नाम से बयान दर्ज कर दिया था।

बस इसी पर अदालत ने ताबड़तोड़ कार्यवाही की। पूरा मामला। बस्ती जिले के मुंडेरवा थाना क्षेत्र के बेहिलगांव का मामला है। यहां के ओमप्रकाश ने अपने ही गांव के प्रह्लाद समेत 11 लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने पुलिस को विस्तृत जांच का आदेश दिया।

रिपोर्ट में कई गवाहों के बयान में एक ऐसा नाम भी था, जिसने पूरे मामले को सनसनीखेज बना दिया। रिपोर्ट में ओमप्रकाश की पत्नी विंध्यवासिनी का बयान भी दर्ज दिखाया गया।

जबकि विरोधी पक्ष ने अदालत को दस्तावेज सौंपकर दावा किया कि विंध्यवासिनी की मौत करीब डेढ़ साल पहले ही हो चुकी है। सवाल यह उठा कि जब महिला जीवित ही नहीं थी, तो उसका बयान आखिर किसने और कैसे दर्ज कर लिया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि में भी चढावा की जांच हो
हर दिन एक दानपात्र खुलता है; डिंपल बोलीं- हर महीने एक करोड का चढावा

मथुरा, 24 जून (एजेंसियां)। मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि में हर महीने 1 करोड़ चढ़ावा आ रहा है। मंदिर ट्रस्ट का दावा है कि श्रीकृष्ण के लिए आने वाला चढ़ावा पूरी तरह से सुरक्षित है। काउंटिंग से लेकर बैंक में डिपॉजिट करने तक एक-एक रुपए की निगरानी हो सके, इसलिए हर दिन सिर्फ 1 दानपात्र खोला जाता है। ट्रस्ट का ये दावा ऐसे वक्त आया है, जब अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में करोड़ों रुपए का चढ़ावा चोरी हो गया। एसआईटी ने जांच रिपोर्ट 23 जून, 2026 को एसीएस (गृह) संजय प्रसाद को सौंप दी है। सपा सांसद डिंपल यादव कह चुकी हैं, 'सरकार मंदिरों में कॉरिडोर (मथुरा-वृंदावन) बनवा रही है। कहीं वहां पर भी घोटाले तो नहीं हो रहे हैं। अयोध्या में सरकार साजिशन चोरी छिपाती रही।' वहीं, श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष दिनेश शर्मा 'फलाहारी' ने मंदिर के चढ़ावे में गड़बड़ी के आरोप लगाए।

इसके 24 घंटे के अंदर 'श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान' ने फलाहारी बाबा पर एफआईआर करवा दी। श्रीकृष्ण जन्मस्थान का चढ़ावा कितना सुरक्षित है? यह हमने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि की व्यवस्था देखने वाले सेवा संस्थान ट्रस्ट के पदाधिकारियों से ही समझा संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी विजय बहादुर सिंह ने बताया- मंदिर में हर महीने औसतन 1 करोड़ रुपए का चढ़ावा आता है। इसे मंदिर के रखरखाव, सजावट, कर्मचारियों के वेतन आदि पर खर्च किया जाता है। मंदिर में 3 तरीके से दान आता है मंदिर प्रशासन के मुताबिक, दान के एक-एक रुपए का हिसाब रखने के लिए कड़े नियम बनाए गए हैं मंदिर परिसर में लगे दानपात्रों की चाबियां मंदिर कार्यालय में रहती हैं। गणना प्रभारी, सेवक और गार्ड हर दिन कोई न कोई एक दानपात्र खोलते हैं। इसकी सीसीटीवी रिकॉर्डिंग होती है। दानपात्र से निकली रकम को बोरों में भरकर 15एक्स15 फीट के एक विशेष काउंटिंग रूम में लाया जाता है। गिनती के वक्त संस्थान के सीनियर पदाधिकारी मौजूद रहते हैं।

दानपात्र से निकलने वाले नोटों की गड्डियां बनाकर बक्से में रखकर सील कर देते हैं। इसके बाद बक्से को मंदिर परिसर में बनी ट्रेजरी में रख दिया जाता है। ट्रेजरी 7 सीसीटीवी की निगरानी में रहती है। दूसरे दिन स्टेट बैंक की मुख्य शाखा के कर्मचारी मंदिर आते हैं। संस्थान पदाधिकारियों की उपस्थिति में बक्सों की सील खोली जाती है। कर्मचारी मशीनों से चढ़ावे की गिनती करते हैं। धनराशि की रजिस्टर में एंट्री करने के बाद बैंक कर्मचारी उसे अपनी गाड़ियों से ले जाते हैं और संस्थान के खाते में जमा कर देते हैं। पूरी प्रक्रिया बिल्कुल पारदर्शी है।

'सिंधी समाज ने चंपत राय को सौंपी थीं 200 किलो चांदी की ईंटें
तब नहीं दी गई थी कोई रसीद', राजू मनवानी ने खड़े किए सवाल

अयोध्या, 24 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर के चढ़ावे और चंदे में कथित हेराफेरी के मामले पर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। ऐसे में राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर एक और मामला सामने आया है। कैसल ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर राजू वी। मनवानी ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर बड़ा आरोप लगाया है। राजू मनवानी ने कहा, 'पूरे सिंधी समुदाय की ओर से राम मंदिर के लिए 26 जनवरी 2021 को अयोध्या में चंपत राय को एक-एक किलोग्राम वजन वाली 200 चांदी की ईंटें सौंपी गई थीं।

उस समय हमें कोई रसीद नहीं मिली थी। उन्होंने कहा कि वे पहले जांच करेंगे और तय करेंगे कि इसका इस्तेमाल कहां और कैसे करना है और फिर हमें बताएंगे। हमने कभी गंभीरता से यह सवाल नहीं उठाया कि यह मंदिर में जाएगा या कहीं और जाएगा।' मनवानी ने कहा, 'हालांकि खबरें देखने के बाद हमें चिंता होने लगी है। क्या हमारी चांदी गलत जगह चली गई? इसीलिए हमने रसीद और इस बात की जानकारी मांगी कि चांदी के इस्तेमाल कहां हुआ है? अगर चांदी का इस्तेमाल मंदिर के लिए नहीं हुआ, तो यह बहुत दुखद है।' उन्होंने कहा, 'अगर मंदिर के लिए दिया गया चंदा कहीं और इस्तेमाल किया जाता है, तो इसका असर भविष्य के दानदाताओं पर पड़ता है।

जब हमने दान दिया था, तब चांदी की कीमत लगभग 1.5 से 2 करोड़ रुपये थी; आज इसकी कीमत 6 से 7 करोड़ रुपये है।' कैसल ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन ने कहा, 'लोगों को निश्चित रूप से अपने दिए गए चंदे के बारे में पूछने का अधिकार है। चूंकि मोदी और योगी के नेतृत्व में कुछ भी असंभव नहीं है, इसलिए अगर एसआईटी बनाई गई है, तो कम से कम उन दोषियों को सजा मिलनी चाहिए जिन्होंने इस अधिकार का गलत इस्तेमाल किया है।'

गुरदासपुर में ट्रिपल मर्डरः युवक ने चाची, बहन और दोस्त को गोलियों से भूना; खुद भी दी जान

बटाला, 24 जून (एजेंसियां)। बटाला के गांव में आरोपी मनजोत सिंह ने अपने दोस्त के साथ उसकी पिस्टल से अपनी ही 40 वर्षीय चाची हरदीप कौर, उसके 13 वर्षीय बेटे हरमीत सिंह को सोते समय घर में गोलियां मार कर हत्या कर दी। इस दौरान आरोपित मनजोत सिंह अपने दोस्त परगट की हत्या भी कर दी और बाद में खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार गांव मुंडी कलार में मंगवार देर रात मनजोत सिंह अपने साथी पूर्व फौजी परगट सिंह वासी खान प्यारा को साथ लेकर अपने चाचा निशान सिंह के घर पर आया। इस दौरान मनजोत सिंह के ने अपने दोस्त परगट सिंह की पिस्टल अपने हाथों में पकड़ रखी थी। आते ही मनजोत सिंह ने 40 वर्षीय चाची हरदीप कौर, उसके 13 वर्षीय बेटे हरमीत सिंह पर सीधे गोलियां मार कर हत्या कर दी। जिसके बाद मनजोत सिंह और परगट सिंह में कहासुनी हो गई। हत्या स्थल वाली जगह से कुछ ही दूरी पर मनजोत सिंह ने अपने दोस्त पूर्व फौजी परगट सिंह को भी गोली मार कर हत्या कर दी और बाद में खुद अपने सिर पर गोली मार कर हत्या कर ली।

दिल्ली-एनसीआर में गर्मी से राहत

पूरे हफ्ता 40 डिग्री से नीचे रहेगा पारा, 26, 27 और 29 जून को बारिश के आसार

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लोगों को फिलहाल भीषण गर्मी और लू से राहत मिली हुई है। पिछले कुछ दिनों से मौसम में आए बदलाव, बादलों की आवाजाही, तेज हवाओं और कहीं-कहीं हल्की बारिश के कारण तापमान नियंत्रित बना हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, इस पूरे सप्ताह अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाने की संभावना नहीं है।

साथ ही बीच-बीच में हल्की बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं लोगों को गर्मी और उमस से राहत देती रहेंगी। मौसम विभाग की ओर से जारी 7 दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार 25 जून को अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दिन भी आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा। हालांकि, किसी

विशेष मौसम चेतावनी की आवश्यकता नहीं समझी गई है। इसके बाद 26 जून को मौसम में और बदलाव देखने को मिल सकता है। विभाग ने इस दिन गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है। तापमान अधिकतम 40 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 27 जून को भी बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रहने की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं, 28 जून को मौसम अपेक्षाकृत शांत रह सकता है।

इस दिन आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा और अधिकतम तापमान 40 डिग्री व न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, 29 जून को एक बार फिर गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मौसम विभाग ने आगामी दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की है।

इससे साफ है कि फिलहाल एनसीआर में न तो भीषण गर्मी की स्थिति बनने की संभावना है और न ही किसी गंभीर मौसमीय खतरे की आशंका है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों को बदलते मौसम के बीच पर्याप्त पानी पीने और स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरूरत है। पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमीय गतिविधियों के प्रभाव से एनसीआर के लोगों को इस सप्ताह भीषण गर्मी से राहत मिलती रहेगी। बादलों की आवाजाही, तेज हवाएं और बीच-बीच में होने वाली हल्की बारिश मौसम को सुहावना बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

रिटायरमेंट से 6 दिन पहले रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया इंजीनियर 5 लाख कैश बरामद; आलीशान घर की छत पर स्विमिंग पूल

भुवनेश्वर, 24 जून (एजेंसियां)। ओडिशा में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के तहत विजिलेंस विभाग ने रायगड़ा के ग्रामीण विकास विभाग के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर प्रसन्न कुमार पटनायक को 2 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात यह है कि आरोपी अधिकारी 30 जून 2026 को रिटायर होने वाले थे, लेकिन रिटायरमेंट से कुछ दिन पहले ही विजिलेंस के जाल में फंस गए।

जानकारी के मुताबिक, एक ठेकेदार ने विभाग के इस अधिकारी के खिलाफ शिकायत की थी। ठेकेदार का आरोप था कि उसने विभाग के लिए कई काम पूरे किए थे, जिनके करीब 50 लाख रुपये के बिल लंबित थे। साथ ही उसे नए टेंडर में भाग लेने के लिए कार्य वर्क एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट की जरूरत थी। आरोप है कि प्रसन्न कुमार पटनायक ने बिलों के भुगतान को मंजूरी देने और अनुभव प्रमाणपत्र जारी करने के बदले 2.5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी।

मुंद्रा ड्रग्स केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई दिल्ली में पांच ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापे

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को 2021 के मुंद्रा बंदरगाह ड्रग्स मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में दिल्ली में छापेमारी की। यह जानकारी अधिकारियों के मुताबिक है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में स्थित लगभग पांच परिसरों को केंद्रीय एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के दायरे में लाया है। इसमें दिल्ली स्थित व्यवसायी हरप्रीत सिंह तलवार उर्फ कबीर तलवार और कुछ अन्य लोगों के परिसर शामिल हैं। दिल्ली में लोकप्रिय नाइट क्लब चलाने वाले तलवार को अगस्त 2022 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने ड्रग्स तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके साथ ही गुजरात उच्च न्यायालय की ओर से जमानत दिए जाने के बाद वह हाल ही में जेल से बाहर आए हैं।

देश की सबसे बड़ी मादक पदार्थों की बरामदगी में से एक मामले में, केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अधीन काम करने वाली प्रवर्तन एजेंसी राजस्व खुफिया निदेशालय (डीडी) ने सितंबर 2021 में गुजरात के कच्छ जिले स्थित मुंद्रा बंदरगाह से करीब 2,988.21 किलोग्राम अफगानी हेरोइन जब्त की थी।

अब खाने पर रार, टीएमसी सांसद का आरोप- शाकाहार थोपने की कोशिश कर रही है भाजपा सरकार

कोलकाता, 24 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अब खाने को लेकर रार हो गई है। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सासंद डेरेक ओ'ब्रायन ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के स्कूलों में मिलने वाले मिड-डे मील भोजन से अंडे हटाए जाने की खबरों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा।

उन्होंने आरोप लगाया कि नई सरकार बच्चों को पौष्टिक आहार से वंचित कर रही है और राज्य में शाकाहार थोपने की कोशिश कर रही है। भाजपा सरकार का पहला बजट पेश करते हुए पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने कहा था कि मिड डे मील भोजन योजना के तहत भोजन तैयार करने और वितरण में इस्कॉन की सहायता ली जा सकती है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस्कॉन के प्रस्तावित नए मेन्यू में अंडों की जगह पौधों से प्राप्त प्रोटीन स्रोतों को शामिल किया जा सकता है। मीडिया में छपी खबर के मुताबिक, शुभेंदु सरकार ने बच्चों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मिड-डे मील के लिए प्रति छात्र आवंटन राशि को बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया है।

इस बढ़े हुए बजट और इस्कॉन की विशेषज्ञता के मेल से अब भोजन की गुणवत्ता में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। सरकार का साफ कहना है कि इस कदम का मकसद न केवल क्लासरूम में बच्चों की भूख मिटाना है, बल्कि उनके सीखने की क्षमता और समग्र विकास को भी बेहतर बनाना है।

कौन हैं टीना भौमिक साहा

प्राइमरी में टीचर, टीएमसी के दिग्गज नेता की गर्लफ्रेंड! घर में मिला 4 करोड़ का सोना तो पुलिस खंगाल रही कुंडली

कोलकाता, 24 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में एक बार फिर भ्रष्टाचार के आरोपों ने टीएमसी की चूलें हिला दी हैं। पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी के मामले के बाद अब बिधाननगर के पूर्व मेयर और दिग्गज नेता सब्यसाची दत्ता चर्चा में हैं। जांच के दौरान पुलिस सब्यसाची की करीबी टीना भौमिक साहा के घर तक पहुंची, जहां छापेमारी में जो मिला, उसने हर किसी को हैरान कर दिया है। टीना भौमिक साहा नादिया जिला परिषद की सदस्य हैं। जो पेशे से एक प्राइमरी टीचर हैं। उन्हें टीएमसी के दिग्गज नेता सब्यसाची दत्ता की बेहद करीबी माना जाता है। सब्यसाची दत्ता जो हाल ही में दो मामलों में गिरफ्तारी का सामना कर रहे हैं, उनसे पूछताछ के दौरान पुलिस को जो सुराग मिले, उसी के आधार पर टीना के ठिकानों पर रेड की गई। अब आम जनता यह जानने को उत्सुक है कि एक स्कूल टीचर के पास करोड़ों का सोना कैसे पहुंचा? पुलिस के मुताबिक, नादिया के तेहट्टा में टीना के दो घरों में आधी रात को छापेमारी की गई। वहां से कुल 3 किलो सोना बरामद हुआ है,

जिसका बाजार मूल्य करीब 4 करोड़ रुपये है। इसके अलावा बैंक लॉकर्स से भी भारी मात्रा में सोने और चांदी के गहने मिले हैं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आखिर इतने कम समय में इतनी संपत्ति कैसे जमा की गई और इसका सब्यसाची दत्ता के वित्तीय लेनदेन से क्या सीधा नाता है। इस मामले ने बंगाल की राजनीति में आग लगा दी है। बंगाल सीएम ने सीधे तौर पर ममता सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने इसे टीएमसी का 'भ्रष्टाचार मॉडल' बताते हुए कहा कि 2021 के बाद ये संपत्तियां बनाई गई हैं। दूसरी ओर, टीना भौमिक साहा ने तमाम आरोपों को खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि यह सोना उनका नहीं, बल्कि उनके पूरे परिवार की महिलाओं का है और पुलिस इसे गलत तरीके से पेश कर रही है। उन्होंने राजनीतिक साजिश की आशंका भी जताई है।

भरत तिवारी केसः रोहिणी का बड़ा सवाल- 'अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं की गई पोस्टमार्टम रिपोर्ट?'

पटना, 24 जून (एजेंसियां)। भरत तिवारी के केस पर रोहिणी आचार्य ने पोस्टमार्टम की रिपोर्ट को लेकर सवाल उठाया है। बुधवार (24 जून, 2026) को रोहिणी आचार्य ने एक्स पर पोस्ट करते हुए पूछा है कि भरत तिवारी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट अब तक क्यूं नहीं सार्वजनिक की गई? रोहिणी आचार्य ने कहा कि भरत तिवारी फर्जी मुठभेड़ मामले में सरकार के गठित न्यायिक जांच से त्वरित कुछ स्पष्ट व उजागर नहीं होने वाला है। न्यायिक जांच की प्रक्रिया लंबी चलने की संभावना है। इस वजह से इस जघन्य हत्याकांड के दोषियों का दोष साबित होने में काफी वक्त भी लगने वाला है।

मेरी राय में न्यायिक जांच का ये आदेश जनाक्रोश को ठंडा करने की सरकार की एक कवायद का हिस्सा है। उन्होंने कहा, दलितों, वंचितों, शोषितों, पिछड़ों, हाशिए पर खड़ी आबादी के अधिकारों, उनकी सहूलियतों, उनकी समस्याओं के निवारण एवं समाधान के लिए संघर्ष करते हुए अपनी जान गंवाने वाले भरत तिवारी के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए जमीन पर गंभीरता से संघर्ष कर रहे।

देवी-देवताओं का नाम लेने पर उठे थे सवाल

हाईकोर्ट ने भाजपा पार्षदों को दोबारा शपथ लेने का दिया आदेश

कोच्चि, 24 जून (एजेंसियां)। केरल उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया। जिसके कारण राज्य की राजधानी में एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील विवाद को फिर से हवा दे दी है। न्यायालय ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 20 भाजपा पार्षदों को चार सप्ताह के भीतर नए सिरे से शपथ लेने का निर्देश दिया है, क्योंकि पदभार ग्रहण करने के बाद उनके शपथ ग्रहण के तरीके पर सवाल उठाए गए थे। यह विवाद इसी साल जनवरी में शुरू हुआ था जब उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने सीपीआई (एम) पार्षद एसपी दीपक द्वारा दायर याचिका पर पार्षदों को नोटिस जारी किया था।

याचिका में भाजपा सदस्यों द्वारा ली गई शपथ की वैधता को चुनौती दी गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनमें से कई ने नगरपालिका नियमों के तहत निर्धारित प्रारूप का पालन करने के बजाय विशिष्ट देवी-देवताओं के नाम पर शपथ ली थी। पिछली सुनवाई के दौरान, अदालत ने यह टिप्पणी की

थी कि वैधानिक प्रारूप के अनुसार निर्वाचित प्रतिनिधियों को या तो ईश्वर के नाम पर शपथ लेनी होती है या गंभीर प्रतिज्ञा करनी होती है। तब पीठ ने सवाल उठाया था कि जब कानून में एक विशिष्ट प्रारूप निर्धारित है तो कई देवी-देवताओं के नाम पर शपथ कैसे ली जा सकती है।

याचिका पर कार्रवाई करते हुए अदालत ने बुधवार को 20 पार्षदों को चार सप्ताह के भीतर फिर से शपथ लेने का निर्देश दिया। अदालत में याचिका दायर करने वाले दीपक ने कहा कि इस आदेश से उनके इस दावे की पुष्टि हुई है कि शपथ से संबंधित स्वीकृत मानदंडों और प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया गया था। उनके अनुसार, कुछ पार्षदों ने निर्धारित शब्दों का पालन करने के बजाय विशिष्ट देवी-देवताओं के नाम लेकर शपथ ली थी। अपनी याचिका में दीपक ने शपथों को रद्द करने की मांग की थी, यह तर्क देते हुए कि कई देवी-देवताओं के नाम पर शपथ लेने से वे कानूनी रूप से अमान्य हो जाती हैं। इससे पहले, याचिकाकर्ता ने मामले के अंतिम निर्णय होने तक पार्षदों को निगम की बैठकों में भाग लेने और मानदेय लेने से रोकने के लिए एक अंतरिम आदेश की भी मांग की थी।

हालांकि, अदालत ने उस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। उन्हें पद पर बने रहने की अनुमति दी। इसके साथ ही यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी शपथ की वैधता मामले के अंतिम परिणाम पर निर्भर रहेगी। राज्य के इतिहास में पहली बार, भाजपा ने एक आश्चर्यजनक जीत दर्ज करते हुए, चार दशकों से अधिक समय से शासन कर रही सीपीआई (एम) को सत्ता से हटाकर तिरुवनंतपुरम नगर निगम पर कब्जा कर लिया।

मैराथन उड़ानः 27 दिन और 3,334 किलोमीटर का सफर

तीन राज्यों को पार कर रणथंभोर पहुंचा बंदी-प्रजनित गिद्ध

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मेलघाट से एक बंदी-प्रजनन वाले भारतीय गिद्ध ने राज्यों को पार करते हुए आश्चर्यजनक रूप से 3,334 किलोमीटर की दूरी तय की है। यह राजस्थान के रणथंभोर टाइगर रिजर्व तक पहुंचा है। यह जानकारी वन्यजीव विशेषज्ञों ने बुधवार को दी। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस) के निदेशक किशोर रिठे ने कहा कि यह पक्षी जंगल में बिना किसी पूरक भोजन के जीवित रहा, जो बंदी अवस्था में पाले गए गिद्धों की प्राकृतिक वातावरण में अनुकूलन करने, स्वतंत्र रूप से भोजन का पता लगाने और लंबी दूरी की यात्रा करने की क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने एक बयान में कहा कि यह उपलब्धि गिद्ध संरक्षण कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो भारत में गिद्धों की आबादी को पुनर्जीवित करने में मदद करने के लिए बंदी-प्रजनित रिलीज पहलों की क्षमता को उजागर करती है।

उन्होंने बताया कि अपनी लंबी यात्रा के दौरान, पक्षी ने पचमढ़ी के पास सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और मध्य प्रदेश में कुनो राष्ट्रीय उद्यान का भी दौरा किया, जो देश का चीता पुनर्प्रवेश स्थल है। वहीं, मंगलवार को रणथंबोर टाइगर रिजर्व पहुंचा। लंबी चोंच वाला गिद्ध (जिप्स इंडिकस), जिसका नाम एक्स67 है। एक पांच वर्षीय मादा है। यह 15 बंदी-प्रजनित गिद्धों में से एक थी, जिन्हें सौर ऊर्जा से चलने वाले ट्रैकिंग टैग लगाए गए थे। वहीं, 2 जनवरी को मेलघाट टाइगर रिजर्व के अकोट वन्यजीव प्रभाग के सोमथाना रेंज से छोड़ा गया था।

अधिकारी ने बताया कि इसके बाद यह लगभग चार महीने तक छोड़े जाने वाले स्थान के आसपास ही भोजन की तलाश में घूमता रहा और धीरे-धीरे प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुकूल ढल गया। बीएनएचएस के एक बयान में कहा गया है 'पक्षी 28 मई को मेलघाट टाइगर रिजर्व से निकला और मध्य भारत में एक लंबी यात्रा पर निकल पड़ा। इसने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान से होते हुए अंततः रणथंबोर राष्ट्रीय उद्यान तक का सफर तय किया, कुल मिलाकर 3,334 किलोमीटर की दूरी तय की।' इसमें कहा गया है कि 27 दिनों की अवधि में, इसने रणथंबोर पहुंचने से पहले सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल क्षेत्र और कुनो राष्ट्रीय उद्यान में अस्थायी विश्राम किया।

बिजबेहड़ा में ईदगाह के पास कूड़ा डंप पर भड़कीं इल्तिजा मुफ्ती, बोलीं- 'मीठे पानी की धारा में पहुंच रहा कचरा'

श्रीनगर, 24 जून (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ़्ती ने बुधवार को अनंतनाग जिले के बिजबेहड़ा के हाटीगाम क्षेत्र में ईदगाह के निकट कथित रूप से बनाए गए कूड़ा डंपिंग स्थल को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में बड़ी मात्रा में कचरा एकत्र किया जा रहा है, जिससे न केवल स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर

नुकसान पहुंचने की आशंका है। इंटरनेट मीडिया पर साझा किए गए एक पोस्ट में इल्तिजा ने दावा किया कि डंपिंग स्थल पर टनों कचरा फेंका गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कचरे का एक हिस्सा नीचे बहने वाली मीठे पानी की धारा तक पहुंच रहा है, जिससे जल स्रोतों के प्रदूषित होने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने डंपिंग स्थलों के चयन और स्थापना की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस दौरान पर्यावरणीय मानकों और स्थानीय निवासियों की चिंताओं की अनदेखी की जा रही है। उनके अनुसार यह केवल स्वच्छता का मुद्दा नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा गंभीर विषय है, क्योंकि इसका असर जल संसाधनों और आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ सकता है। इल्तिजा मुफ़्ती ने जिला प्रशासन और पर्यावरण से संबंधित अधिकारियों से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की। उन्होंने प्रशासन से स्थिति का निरीक्षण कर आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया।

पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में पहुंची दिल्ली से अमृतसर आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट, चेतावनी के बाद लौटी

अमृतसर, 24 जून (एजेंसियां)। दिल्ली से अमृतसर आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-479 उड़ान तकनीकी गड़बड़ी के बाद अपने निर्धारित मार्ग से हटकर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में पहुंच गई। पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक कंट्रोल एजेंसी की ओर से सूचना मिलने के बाद विमान का रूट बदला गया और उसे भारतीय हवाई क्षेत्र में वापस लाया गया। जिसके बाद विमान को वापिस दिल्ली की ओर डायवर्ट कर दिया गया। जानकारी के अनुसार एयरबस ए-321 विमान दिल्ली से अमृतसर के लिए रवाना हुआ था। उड़ान के दौरान तकनीकी समस्या आने के कारण विमान का मार्ग प्रभावित हुआ और वह निर्धारित एयर कॉरिडोर से हट गया।

विमान कुछ समय के लिए पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में पहुंच गया, जिसके बाद पाकिस्तान एयर ट्रैफिक कंट्रोल एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया गया। स्थिति को देखते हुए विमान को सीधे अमृतसर ले जाने के बजाय वापस दिल्ली भेजा गया, जहां उसकी तकनीकी जांच की गई। जांच पूरी होने और आवश्यक अनुमति मिलने के बाद विमान ने दोबारा अमृतसर के लिए उड़ान भरी और तड़के सुरक्षित लैंडिंग की। यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत और पाकिस्तान के बीच हवाई क्षेत्र की निगरानी को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाती है।

विमान का अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर दूसरे देश के हवाई क्षेत्र में पहुंचना विमानन क्षेत्र में गंभीर घटना माना जाता है, हालांकि ऐसी परिस्थितियों में एयर ट्रैफिक कंट्रोल एजेंसियां निर्धारित अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत स्थिति को संभालती हैं। इस पूरी घटना के कारण यात्रियों को करीब चार घंटे की देरी का सामना करना पड़ा। अमृतसर पहुंचने का निर्धारित समय निकल जाने के बाद विमान बुधवार सुबह अपने गंतव्य तक पहुंच सका। विमानन अधिकारियों द्वारा पूरे घटनाक्रम की समीक्षा की जा रही है और तकनीकी गड़बड़ी के कारणों की जांच की जा रही है।

डीजीपी का आदेश, पुलिस अधिकारी सप्ताह में दो बार सुनें जनता की शिकायतें

चेन्नई, 24 जून (एजेंसियां)। पुलिस प्रशासन को ज्यादा सुलभ और जवाबदेह बनाने की कोशिश में तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) महेश कुमार अग्रवाल ने राज्य भर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे हर सप्ताह दो बार आम लोगों से मिलें और उनकी शिकायतें व्यक्तिगत रूप से सुनें। डीजीपी के आदेश के अनुसार, बुधवार और शनिवार को 'जन शिकायत निवारण दिवस' के तौर पर तय किया गया है। इन दिनों डीएसपी, एसपी, डीआईजी, आईजी और पुलिस कमिश्नर को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक अपने-अपने ऑफिस में मौजूद रहना होगा ताकि वे जनता की शिकायतें सुन सकें। इस आदेश का मकसद यह पक्का करना है कि शिकायतों और समस्याओं का समाधान तेजी और सही तरीके से हो। डीजीपी ने निर्देश दिया है कि अधिकारी शिकायत करने वालों से अच्छे से बात करें, उनकी परेशानियां सुनें और तय समय के अंदर ज़रूरी कार्रवाई करें। आदेश में इस बात पर जोर दिया गया है कि आम लोगों के साथ सम्मान से पेश आया जाए और बिना किसी फालतू देरी के उनकी शिकायतों को सुलझाने की कोशिश की जाए। अधिकारियों से यह भी कहा गया है कि वे शिकायतें सुनते समय नागरिकों के प्रति दोस्ताना रवैया अपनाएं।

जिन मामलों में तय अधिकारी कोर्ट में पेशी, सरकारी बैठकों, कानून-व्यवस्था की ड्यूटी या अन्य जरूरी कामों की वजह से शिकायत सुनने के सेशन में शामिल नहीं हो पाते हैं, वहां उनसे ठीक नीचे के सीनियर अधिकारी को शिकायतें सुननी चाहिए और ज़रूरी कार्रवाई शुरू करनी चाहिए। इस व्यवस्था का मकसद यह है कि लोगों को लंबे समय तक इंतज़ार न करना पड़े और शिकायतों के समाधान का काम लगातार चलता रहे। डीजीपी ने यह भी निर्देश दिया है कि इन सेशन के दौरान मिली शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई की जाए और उचित कार्रवाई होने तक उन पर नजर रखी जाए। यह आदेश पुलिस विभाग की जन-सेवा को बेहतर बनाने और नागरिकों तथा कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच भरोसा मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

आतंकी साजिश नाकामः पेंटर बनकर कर्नाटक के गांव में छुपा था संदिग्ध, संयुक्त ऑपरेशन के बाद पकड़ा गया

दावणगेरे, 24 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के दावणगेरे जिले में पुलिस और खुफिया विभाग ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। एक संयुक्त ऑपरेशन में पाकिस्तान से जुड़े होने के शक में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। इस व्यक्ति पर कथित तौर पर आतंकी गतिविधियों में शामिल होने का संदेह है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सुहैल के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि सुहैल कुछ समय पहले ही दावणगेरे जिले के हरिहर तालुका में आया था। वह वहां पेंटिंग का काम करने के बहाने हरिहर ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले एक गांव में रह रहा था। अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती जांच में सुहैल के व्हाट्सएप अकाउंट पर कथित तौर पर संदिग्ध आतंकी गतिविधियों से जुड़ी जानकारी मिली है। हालांकि, पुलिस ने अभी इस बात का खुलासा नहीं किया है कि उसके फोन में किस तरह की सामग्री थी या उसके संबंध किन लोगों से थे।

ट्रंप को बड़ा झटका: ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई नहीं चाहती सीनेट

पहली बार 'वॉर पावर्स' प्रस्ताव पारित

वॉशिंगटन, 24 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी सीनेट ने पहली बार एक 'वॉर पावर्स' (युद्ध अधिकार) प्रस्ताव पारित करते हुए ईरान के खिलाफ अमेरिका की सैन्य कार्रवाई को सीमित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह प्रस्ताव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बड़ा झटका है। एक तरह से सीनेट ने ट्रंप की ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की कोशिशों पर आपत्ति जताई है। मंगलवार को हुए मतदान में प्रस्ताव 50-48 मतों से पारित हुआ। हालांकि यह प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है और इसका पूर्ण कानूनी प्रभाव नहीं होगा, फिर भी इसे ट्रंप प्रशासन की सैन्य कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण और प्रतीकात्मक आपत्ति माना जा रहा है।

ट्रंप ने प्रस्ताव की तीखी आलोचना की

सीनेट द्वारा इस तरह का प्रस्ताव पारित किया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पहले नौ बार ऐसे प्रयास विफल हो चुके थे। यह सीनेट में ट्रंप के गिरते समर्थन का भी प्रतीक है। इसी महीने प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे चुका है। प्रस्ताव पारित होने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे गलत समय पर लाया गया और बेकार प्रस्ताव करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मतदान से ईरान को मदद मिलेगी और उनका मनोबल भी बढ़ेगा। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने कहा, 'बार-बार सीनेट में अधिकांश रिपब्लिकन सांसद ट्रंप और उनके युद्ध के साथ खड़े रहे, न कि अमेरिकी जनता के साथ।' उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी जनता को ईरान में ट्रंप की ऐतिहासिक भूल की कीमत चुकानी पड़ रही है और यह अमेरिकी विदेश नीति की सबसे खराब गलतियों में से एक के रूप में इतिहास में दर्ज होगी। मतदान के दौरान रिपब्लिकन पार्टी के चार सीनेटर लिसा मर्कोव्स्की, सुसान कॉलिन्स, रैंड पॉल और बिल कैसिडी ने डेमोक्रेट्स का साथ देते हुए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। वहीं डेमोक्रेटिक सीनेटर जॉन फेटरमैन ने प्रस्ताव का विरोध किया। ट्रंप ने इन चारों रिपब्लिकन सांसदों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने उनका काम और मुश्किल बना दिया है। दो रिपब्लिकन सीनेटरों की अनुपस्थिति ने भी मतदान के नतीजे को प्रभावित किया। इनमें केंटकी से सीनेटर मिच मैककोनेल भी शामिल थे, जिन्हें हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह मतदान ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी रक्षा विभाग ईरान युद्ध के बाद हथियारों और सैन्य भंडार की भरपाई के लिए कांग्रेस से लगभग 80 अरब डॉलर की अतिरिक्त राशि की मांग कर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को कैपिटल हिल पहुंचकर रिपब्लिकन सीनेटरों से मुलाकात करने वाले हैं। ट्रंप प्रशासन ने पिछले सप्ताह ईरान के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत दोनों पक्षों को ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर व्यापक समझौते के लिए 60 दिनों का समय दिया गया है। हालांकि, कई रिपब्लिकन सांसद इस समझौते से भी असहमत हैं। विशेष रूप से ईरान के पुनर्निर्माण के लिए प्रस्तावित 300 अरब डॉलर के फंड को लेकर आपत्तियां जताई जा रही हैं। यह राशि 2015 में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा ईरान को दी गई 1.7 अरब डॉलर की राशि से कहीं अधिक है।

गर्मी से 58 लोगों की मौत

न्यूक्लियर पावर प्लांट बंद करना पड़ा, हीटवेव की चपेट में 26 यूरोपीय देश, इटली-ब्रिटेन में रेड अलर्ट

पेरिस, लंदन, मैड्रिड, 24 जून (एजेंसियां)। फ्रांस में गर्मी के कारण 58 लोगों की मौत हो गई। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक लोग गर्मी से राहत पाने के लिए नदियों, झीलों और नहरों में नहाने जा रहे हैं। इसके चलते पिछले कुछ दिनों में 40 लोगों की डूबकर मौत हो गई है। इनमें ज्यादातर युवा शामिल हैं।

इसके साथ ही, 2 बच्चों समेत 18 लोगों की गर्मी में लू के चलते मौत हो गई। हीटवेव के चलते फ्रांस में गोलफेश न्यूक्लियर पावर प्लांट को सोमवार रात बंद करना पड़ा। इसकी वजह यह है कि प्लांट को ठंडा करने के लिए इस्तेमाल होने वाली गारोन नदी का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका है।

फ्रांस ही नहीं यूरोप के 26 देश हीटवेव की चपेट में हैं। स्पेन, इटली और ब्रिटेन समेत 14 देशों में गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है।

दक्षिण कोरिया में आया 'बेबी बूम': सात साल में सबसे ज्यादा बच्चों का जन्म

घटती आबादी पर मिली बड़ी राहत

सियोल, 24 जून (एजेंसियां)। लंबे समय से अपनी घटती जन्म दर को लेकर परेशान दक्षिण कोरिया के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। सरकार की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक इस साल अप्रैल महीने में 2026 में देश में बच्चों के जन्म की संख्या पिछले सात वर्षों में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में 24,521 बच्चों का जन्म हुआ, जो पिछले साल के इसी महीने की तुलना में करीब 18 प्रतिशत ज्यादा है। यह अप्रैल 2019 के बाद किसी भी अप्रैल महीने में दर्ज की गई सबसे बड़ी संख्या है। सिर्फ अप्रैल ही नहीं, बल्कि जनवरी से अप्रैल के बीच भी कुल 99,534 बच्चों का जन्म हुआ। यह आंकड़ा पिछले सात वर्षों में सबसे ज्यादा है और पिछले साल की तुलना में 15.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव के पीछे शादियों की बढ़ती संख्या और परिवार बढ़ाने को लेकर लोगों की बदलती सोच अहम वजह है। अप्रैल में शादियों की संख्या भी 9 प्रतिशत बढ़कर 20,622 तक पहुंच गई, जो पिछले एक दशक के सबसे अच्छे आंकड़ों में से एक है। देश की कुल प्रजनन दर भी बढ़ी है। अप्रैल में यह बढ़कर 0.93 हो गई, जबकि एक साल पहले यह 0.80 थी। हालांकि यह सुधार सकारात्मक माना जा रहा है, लेकिन आबादी को स्थिर बनाए रखने के लिए जरूरी 2.1 के स्तर से यह अभी भी काफी नीचे है। इस बीच तलाक के मामलों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। अप्रैल में 7,829 तलाक हुए, जो पिछले साल के मुकाबले 7.3 प्रतिशत अधिक हैं। एक और राहत की बात यह रही कि मौतों की संख्या में मामूली गिरावट दर्ज की गई। अप्रैल में 28,405 लोगों की मौत हुई, जो पिछले साल की तुलना में 1.3 प्रतिशत कम है। इसके बावजूद जन्म से ज्यादा मौतें होने के कारण देश की आबादी में 3,884 लोगों की प्राकृतिक कमी दर्ज की गई। फिर भी लगातार कई महीनों से बढ़ रहे जन्म के आंकड़े दक्षिण कोरिया के लिए उम्मीद की नई किरण माने जा रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के दूसरे राज्य में भी एच5एन1 बर्ड फ्लू की पुष्टि

पापुआ न्यू गिनी ने पोल्ट्री आयात पर लगाई रोक

कैनबरा, 24 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में एच5एन1 बर्ड फ्लू का फैलाव बढ़ता दिख रहा है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के बाद अब दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में भी वायरस का मामला सामने आया है। इसके बाद पड़ोसी देश पापुआ न्यू गिनी ने ऑस्ट्रेलिया से पोल्ट्री मांस और अन्य उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के प्रीमियर पीटर मालिनाउसकास ने बताया कि फाउलर्स बे क्षेत्र में दो मृत सब-अंटार्कटिक समुद्री पक्षियों और एक पेलिकन में एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई है। यह इलाका पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के एस्पेरेंस से करीब 1,200 किलोमीटर दूर है, जहां पहले दो मामलों की पुष्टि हुई थी। ऑस्ट्रेलियाई कृषि विभाग के मुताबिक मामलों की पुष्टि के बाद पापुआ न्यू गिनी ने ऑस्ट्रेलिया से पोल्ट्री मांस और अन्य उत्पादों के आयात पर रोक लगा दी है। पापुआ न्यू गिनी ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा पोल्ट्री निर्यात बाजार है। वर्ष 2023 में उसने ऑस्ट्रेलिया से 4.4 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर मूल्य के पोल्ट्री उत्पाद आयात किए थे। ऑस्ट्रेलिया अब तक दुनिया का एकमात्र महाद्वीप था, जहां मुख्यभूमि पर एच5एन1 का कोई पुष्ट मामला नहीं मिला था। हालांकि, 2025 के अंत में इसके उप-अंटार्कटिक क्षेत्र हर्ड द्वीप पर वायरस की मौजूदगी दर्ज की गई थी।

बांग्लादेश चाहकर भी नहीं तोड़ सकता भारत से रिश्ता

भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी से क्या हैं उम्मीदें

ढाका/नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। दिनेश त्रिवेदी कल यानी गुरुवार 25 जून को बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपना क्रेडेंशियल्स यानि परिचय पत्र सौंपेंगे। उन्होंने शनिवार को ही ढाका में बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के प्रोटोकॉल प्रमुख एम जाहिद उल इस्लाम को अपने परिचय पत्र की कॉपियां सौंप दी थीं और विदेश सचिव असद आलम सियाम से शिष्टाचार भेंट भी की थी। भारत के पूर्व डिप्लोमेट और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी ने लिखा है 'ढाका में हमारे उच्चायोग में दिनेश त्रिवेदी से ज्यादा उपयुक्त नियुक्ति नहीं की जा सकती थी। मैं इसकी सराहना करता हूं क्योंकि मैं दिनेश को पिछले 20 वर्षों से जानता हूं उस समय से (2004-2009) जब मैंने कोलकाता के राजभवन में काम किया था।' उन्होंने लिखा है कि गुजराती माता-पिता से जन्मे दिनेश ने अपना ज्यादातर छात्र और व्यावसायिक जीवन कोलकाता में बिताया और इसलिए वह एक बंगाली भाषी गैर-बंगाली हैं। एक ऐसी स्थिति जिसने संसद और केंद्रीय मंत्रिपरिषद में उनकी उपस्थिति को बंगाल की उपस्थिति बना दिया और अब उन्हें ढाका में अपने कार्यालय के लिए भाषाई और सांस्कृतिक रूप से प्रतिभाशाली बना दिया है। उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स में लिखा है कि बांग्लादेश में जिन भी राजनयिकों को भेजा गया है उनके किसी ना किसी तरह से बंगाली भाषा से रिश्ता रहा है और दिनेश त्रिवेदी की नियुक्ति ने उस परंपरा को जारी रखा है।

इसलिए, जब उन्होंने ढाका पहुंचने के बाद कहा कि भारत के 1.4 अरब लोगों और बांग्लादेश के 200 मिलियन लोगों को 'एक साथ महान चीजें हासिल करनी चाहिए' और वे 'एक ही आकाश, एक ही हवा, एक ही दर्द साझा करते हैं' और 'हम जो भी करते हैं हमें एक साथ करना होगा, हम अलग-थलग शक्तिशाली नहीं हो सकते' तो मैंने मन में सोचा 'सही कहा।' गोपाल कृष्ण गांधी ने लिखा है कि दिनेश का मूल अस्तित्व राजनीतिक है साहित्यिक या सौंदर्यवादी नहीं लेकिन आकाश, वायु और दर्द के बारे में उनका संदर्भ सीधे भद्रलोक की टैगोर की कविताओं और संगीत के अकाल-पीड़ित और दर्द से पीड़ित बंगाल की कल्पना, सत्यजीत रे की शानदार फिल्मों और अमर्त्य सेन की गरीबी की जड़ों की खोज से आया है। संयोगवश तीनों की जड़ें बांग्लादेश से जुड़ी हैं।

उन्होंने लिखा कि बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख और संसद में विपक्ष के नेता शफ़ीकुर रहमान की ओर से दिनेश के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया की उम्मीद तो थी लेकिन यह पूरी तरह गलतफहमी पर आधारित है। उन्होंने लिखा है कि ढाका में किसी का भी यह सोचना कि दिनेश के बयान में भारत द्वारा बांग्लादेश को अपने में मिला लेने की कोई छिपी हुई सोच थी वो न सिर्फ राजनीतिक रूप से गलत है बल्कि सभ्यता के नजरिए से भी गलत है।

उत्तर कोरिया को अगले पांच वर्षों तक हर साल 2 युद्धपोत बनाने चाहिए: किम

प्योंगयांग, 24 जून (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा है कि देश को अगले पांच वर्षों तक हर साल दो बड़े युद्धपोत बनाने चाहिए। उन्होंने मंगलवार को नए विध्वंसक युद्धपोत 'चोए ह्योन' के कमीशनिंग समारोह में कहा कि देश की नौसेना का आधुनिकीकरण तेज गति से आगे बढ़ेगा और इसकी परमाणु क्षमता भी मजबूत होगी। राज्य समाचार एजेंसी केसीएनए के मुताबिक किम ने नामपो बंदरगाह पर आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम 5,000 टन क्षमता वाले बहुउद्देशीय विध्वंसक युद्धपोत चोए ह्योन की तैनाती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। किम ने कहा कि अगले पांच वर्षों में हर साल इसी क्षमता के दो युद्धपोत बनाए जाने चाहिए। उन्होंने बताया कि उत्तर कोरिया जल्द ही कांग कोन नामक एक और 5,000 टन क्षमता वाला विध्वंसक युद्धपोत तैनात करेगा। इसके अलावा 10,000 टन क्षमता वाले रणनीतिक युद्धपोतों को भी नौसेना में शामिल करने की योजना है। कांग कोन युद्धपोत पिछले वर्ष लॉन्चिंग समारोह के दौरान आंशिक रूप से पलट गया था, जिसके बाद उसकी मरम्मत की गई। किम जोंग उन ने कहा कि अब तक उत्तर कोरिया की नौसेना उसकी सैन्य शक्ति का सबसे कमजोर हिस्सा थी, लेकिन नए कार्यक्रमों के बाद इसकी क्षमता कल्पना से परे स्तर तक पहुंच जाएगी।

शहबाज शरीफ से छिनने वाली है पीएम की कुर्सी

पूर्व पाकिस्तानी मंत्री ने 2026 को बताया आखिरी साल

इस्लामाबाद, 24 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कुर्सी खतरे में हैं। पाकिस्तान के पूर्व वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने कहा है यह साल प्रधानमंत्री के रूप में शहबाज शरीफ का आखिरी साल होने जा रहा है। उन्होंने यह दावा ऐसे समय में किया है, जब शहबाज शरीफ ईरान को लेकर कूटनीतिक सफलताओं का जश्न मना रहे हैं। एक पॉडकास्ट में पूर्व पाकिस्तानी मंत्री ने कहा कि शहबाज शरीफ देश में कोई फैसले नहीं ले रहे हैं। देश में सभी अहम फैसले जनरल मुनीर ले रहे हैं।

मिफ्ताह इस्माइल ने हाल ही में पाकिस्तान के केंद्रीय गृह मंत्री मोहसिन नकवी की X पर एक पोस्ट का हवाला दिया और कहा कि नकवी ने ईरान समझौते के लिए फील्ड मार्शल को बधाई दी और प्रधानमंत्री का नाम तक नहीं लिया। उन्होंने इसे संकेत बताया कि कैबिनेट में बैठे लोग भी अब मान रहे हैं कि शहबाज शरीफ की विदाई पक्की है।

शहबाज शरीफ ने राज में पाकिस्तान बेहाल

जब उनसे शहबाज शरीफ की छुट्टी किए जाने की वजह के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पिछले चार साल पाकिस्तान के इतिहास सबसे बुरे साल रहे हैं। इन चार सालों में पाकिस्तान 4 फीसदी की विकास दर भी नहीं हासिल कर सका है। गरीबी 10 साल के उच्चतम स्तर पर है। बेरोजगारी 22 साल में सबसे ज्यादा है।

इस्माइल ने आगे बताया कि पाकिस्तान में इस समय सारे अहम फैसले पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व से लिए जा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कुछ घरेलू फैसले शहबाज शरीफ खुद से कर रहे हैं लेकिन कोई भी अहम फैसला लेने का अधिकार उनसे छीन लिया गया है। शहबाज पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व के सामने सरेंडर कर चुके हैं। मिफ्ताह इस्माइल ने शहबाज शरीफ की छुट्टी होने की सबसे बड़ी वजह उनकी लोकप्रियता का न होना बताया।

उन्होंने कहा कि आखिरकार सियासत में लोकप्रियता सबसे अहम है। शहबाज शरीफ, सरकार या सिस्टम के लिए कोई ऐसी पॉपुलैरिटी नहीं लेकर आ रहे हैं कि सिस्टम कहे कि इनकी लोकप्रियता अच्छी है और इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। आखिर में सिस्टम उन्हें ज्यादा समय तक ढो नहीं सकता है।

सिंगापुर की दो कंपनियों पर मजदूरों का वेतन रोकने का आरोप

400 भारतीय-बांग्लादेशी बोले- महीनों से नहीं मिला पैसा

सिंगापुर सिटी, 24 जून (एजेंसियां)। सिंगापुर में काम कर रहे करीब 400 प्रवासी मजदूरों, जिनमें बड़ी संख्या भारतीयों और बांग्लादेशियों की है, ने दो कंपनियों पर वेतन नहीं देने का आरोप लगाया है। शिकायतों के बाद सिंगापुर का श्रम मंत्रालय जांच में जुट गया है, जबकि प्रवासी श्रमिकों की मदद करने वाले संगठन प्रभावित मजदूरों को भोजन और कानूनी सहायता दे रहे हैं।

श्रम मंत्रालय ने सोमवार को केपीए इंजीनियरिंग और एसके इंडस्ट्रीज के खिलाफ जांच शुरू की थी। शुरुआत में करीब 100 मजदूरों ने शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन बाद में प्रभावित कर्मचारियों की संख्या बढ़कर करीब 400 पहुंच गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियों के भुगतान नहीं करने के कारण भोजन सप्लाई करने वालों ने भी कुछ दिन पहले मजदूरों को खाना देना बंद कर दिया था। इसके बाद माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर ने 300 से ज्यादा मजदूरों को भोजन और दूसरी मदद उपलब्ध कराई।

सरकार ने कहा है कि प्रभावित मजदूर नई नौकरी भी तलाश सकते हैं। वहीं श्रमिक संगठनों का कहना है कि कई मजदूर नौकरी और वर्क परमिट खोने के डर से समय पर शिकायत नहीं करते। मामले की जांच जारी है। अधिकारियों के साथ-साथ कई गैर-सरकारी संगठन भी मजदूरों की शिकायतों और कंपनियों की स्थिति की जांच कर रहे हैं।

यूएस राष्ट्रपति ट्रंप के सामने उठा पाकिस्तान की ज्यादती का मामला

महरंग बलोच को उम्रकैद पर नाराजगी

वाशिंगटन, 24 जून (एजेंसियां)। बलोच अमेरिकन कांग्रेस के अध्यक्ष तारा चंद ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखकर बलोच यकजहती कमेटी (बीवाईसी) की नेता महरंग बलोच को सुनाई गई उम्रकैद की सजा पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण राजनीतिक कार्यकर्ताओं के अधिकारों पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधी अदालत ने सोमवार को महरंग बलोच समेत चार कार्यकर्ताओं को फ्रंटियर कॉर्प्स के एक अधिकारी की हत्या से जुड़े मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। अमेरिकी राष्ट्रपति से की ये अपील राष्ट्रपति ट्रंप को संबोधित पत्र में तारा चंद ने लिखा, 'महरंग बलोच ने अपना जीवन बलोचिस्तान में जबरन गायब किए गए लोगों, पुलिस हिरासत में हत्याओं और मानवाधिकार उल्लंघनों के मुद्दों को शांतिपूर्ण ढंग से उठाने के लिए समर्पित किया है। वह एक साल से अधिक समय से जेल में हैं और अब उन्हें पाकिस्तानी अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। हमारा मानना है कि यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण राजनीतिक कार्यकर्ताओं के अधिकारों को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करता है।' उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद बलोचिस्तान के लोग गरीबी, राजनीतिक दमन और मानवाधिकार उल्लंघनों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई परिवार अब भी अपने लापता परिजनों की तलाश कर रहे हैं, जबकि न्याय की मांग करने वाले लोगों को धमकियों और जेल का सामना करना पड़ता है। तारा चंद ने अमेरिकी सरकार से महरंग बलोच के मामले की बारीकी से निगरानी करने, उनकी अपील के अधिकार का समर्थन करने तथा पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों और कानून का पालन करने के लिए दबाव बनाने का आग्रह किया।

तेजस के बाद अब एएमसीए लड़ाकू विमान पर ब्लैकमेलिंग

अमेरिकी कंपनी जीई ने इंजन का मांगा 3 गुना ज्यादा पैसा

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। तेजस लड़ाकू विमान का इंजन सौंपने में बार बार देरी करने वाला अमेरिका अब लगता है कि भारत के पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान कार्यक्रम एएमसीए को भी डिरेल करना चाहता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी कंपनी ने एएमसीए (एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) के इंजन के लिए तीन गुना ज्यादा दाम मांगा है जिसके बाद बातचीत रुक गई है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के लिए जीई एफ414 इंजन की बातचीत अटक गई है। अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी ने पहले के अनुमानों से लगभग तीन गुना ज्यादा कीमत मांगी है जिससे अब एएमसीए प्रोग्राम की लागत और समय-सीमा दोनों पर खतरा मंडरा रहा है।

हालांकि तकनीकी बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है लेकिन इंजन की कीमत, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े मुद्दों पर बातचीत रुक गई है। डिफेंस सेक्टर के सूत्रों ने न्यू इंडियन एक्सप्रेस को बताया है कि शुरुआत में एफ414 इंजन की कीमत लगभग 70-80 करोड़ रुपये प्रति यूनिट होने का अनुमान था।

लेकिन जीई ने अब कीमतें लगभग तीन गुना ज्यादा बताई हैं जिसकी वजह से बातचीत रुक गई है।

नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ बालेन सरकार का बड़ा वार

ओली सरकार में वित्त मंत्री रहे बिष्णु पौडेल अरेस्ट

काठमांडू, 24 जून (एजेंसियां)। नेपाल की स्पेशल कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को सात दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोमवार रात गिरफ्तार किया गया था। मनी लॉन्ड्रिंग जांच विभाग (डीएमएलआई) ने मंगलवार (23 जून) को पौडेल को अदालत में पेश किया था और उनकी गिरफ्तारी के बाद उन्हें हिरासत में रखने के लिए न्यायिक मंजूरी मांगी थी। उन्हें एक विवादित कारोबारी से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। वह कारोबारी भी अभी मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में हिरासत में है।

कोर्ट से सात दिनों की रिमांड मिलने के बाद अब जांचकर्ताओं को जांच जारी रखने की इजाजत मिल गई है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) के उपाध्यक्ष विष्णु पौडेल, पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार में वित्त मंत्री थे। यह सरकार पिछले साल सितंबर में 'जेन-ज़ी' आंदोलन के दौरान गिर गई थी। उन्हें सोमवार (22 जून) को डीएमएलआई ने संपत्ति जमा करने के आरोप में हिरासत में लिया था।

रिपोर्ट के मुताबिक पौडेल को सुरखेत जिले के एक होटल से गिरफ्तार किया गया था जहां वे सोमवार (22 जून) को सीपीएन-यूएमएल के आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे। गिरफ्तारी के एक दिन बाद मंगलवार (23 जून) को उन्हें काठमांडू लाया गया। पौडेल की गिरफ्तारी ओली सरकार के गिरने के कुछ महीनों बाद हुई है। ओली सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ़ हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद गिरी थी जिनमें कम से कम 76 लोग मारे गए थे और 2,500 से ज्यादा घायल हुए थे।

इजराइल ने जानबूझकर फिलिस्तीनी बच्चों को मारा

20 हजार से ज्यादा बच्चों की मौत टारगेटेड किलिंग्स के पुख्ता सबूत मिले

न्यूयॉर्क सिटी, 24 जून (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के जांच आयोग ने इजराइल पर गाजा और वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनी बच्चों को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया है। आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर 2023 से अब तक 20 हजार से ज्यादा बच्चों की मौत हुई है। 44 हजार से अधिक घायल हुए हैं। इस दौरान कुल मौतों में लगभग 30% बच्चे शामिल रहे। आयोग के अध्यक्ष और भारत के पूर्व हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश एस. मुरलीधर ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि जांच में बच्चों को निशाना बनाकर किए गए हमलों के पुख्ता सबूत मिले हैं। इजराइली सेना मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराधों के लिए जिम्मेदार है। रिपोर्ट के अनुसार बच्चों की मौतें हवाई हमलों, ड्रोन हमलों और स्नाइपर फायरिंग में हुईं। कई मामलों में उनके सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से को निशाना बनाया गया। अक्टूबर 2025 में इजराइल और हमास के बीच सीजफायर लागू होने के बाद भी फिलिस्तीनी बच्चों की मौत और घायल होने की घटनाएं जारी रहीं। हालांकि आयोग ने यह नहीं बताया कि युद्धविराम के बाद कितने बच्चे मारे गए। यूएनआईसीईएफ ने पिछले हफ्ते दावा किया था कि सीजफायर लागू होने के बाद भी औसतन हर दिन एक फिलिस्तीनी बच्चे की जान गई। यूएनआईसीईएफ के प्रवक्ता जेम्स एल्डर के मुताबिक बच्चे अपने घरों, स्कूलों, खेल के मैदानों और यहां तक कि समुद्र किनारे भी मारे गए। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में 18 साल से कम उम्र के सभी लोगों को बच्चा माना है। रिपोर्ट के मुताबिक इन बच्चों को 'आतंकवादी या भविष्य का आतंकवादी' मानकर निशाना बनाया गया। आयोग के मुताबिक अक्टूबर 2023 से अक्टूबर 2025 के बीच करीब 58 हजार बच्चों ने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुपोषण के कारण 151 बच्चों की मौत हुई और एक हजार से ज्यादा बच्चों के अंग काटने पड़े। रिपोर्ट सामने आने के बाद इजराइल ने उसे पूरी तरह खारिज कर दिया। जिनेवा में इजराइल के यूएन मिशन ने रिपोर्ट को बदनाम करने की कोशिश बताते हुए कहा कि जांच आयोग शुरू से ही इजराइल के खिलाफ पक्षपाती रहा है।

गायत्री जंयती पर इन खास उपायों को करने से मिलेगा माता का आशीर्वाद !

गायत्री जयंती वेदमाता गायत्री को समर्पित एक पवित्र पर्व है, जो ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी को मनाया जाता है। इस दिन माता की पूजा से ज्ञान, विवेक और आध्यात्मिक शक्ति मिलती है। गायत्री मंत्र का जाप, यज्ञ, दान और व्रत जैसे उपाय मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करते हैं, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

सनातन धर्म में गायत्री जंयती का विशेष महत्व माना गया है। ये दिन वेदमाता गायत्री को समर्पित किया गया है। गायत्री माता की वेदमाता के अलावा देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी पूजा की जाती है। हर साल ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मां गायत्री के प्राकट्य दिवस मनाया जाता है। इस साल ये विशेष पर्व 25 जून को है। इसी दिन भगवान विष्णु को समर्पित निर्जला एकादशी का व्रत भी रखा जाएगा।

वहीं धार्मिक मान्यता है कि गायत्री जयंती के दिन माता गायत्री की विशेष पूजा और अराधना करने से जीवन में ज्ञान, विवेक और आध्यात्मिक शक्ति विकसित होती है। इस दिन पूजा-पाठ के साथ-साथ कुछ खास उपाय भी किए जाते हैं। मान्यता है कि ये उपाय जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग खोलते हैं।

गायत्री जयंती के उपाय

गायत्री जयंती के दिन श्रद्धा और शुद्ध मन से गायत्री मंत्र का जाप करें। मान्यता है कि इस दिन 108 या 1008 बार गायत्री मंत्र का जाप करने से मन को शांति मिलती है। एकाग्रता बढ़ती है और बुद्धि विकसित होती है। यह मंत्र मानसिक शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा को भी बढ़ाता है।

गायत्री जयंती के अवसर पर गायत्री यज्ञ या हवन करें। ऐसा करना बहुत पुण्यदायी माना जाता है। माना जाता है कि यज्ञ की आहुति के साथ गायत्री मंत्र बोलने पर वातावरण शुद्ध होता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

गायत्री माता ज्ञान की देवी मानी जाती हैं। इस दिन दान का भी विशेष महत्व माना गया है। इस दिन जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा सामग्री और ब्राह्मणों को अन्न का दान अवश्य करें। ऐसा करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

इस दिन गायत्री माता की पूजा के बाद गायत्री चालीसा और आरती करें। ऐसा करने मानसिक शांति मिलती है। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम, सद्भाव और सकारात्मकता बनी रहती है।

गायत्री जयंती पर व्रत रखें और फलाहार करें। ऐसा करना बहुत लाभकारी होता है। अगर व्रत न रख पाएं तो इस दिन सिर्फ सात्विक भोजन ही ग्रहण करें। ऐसा करने से शरीर के साथ-साथ मन भी शुद्ध होता है। संयम और भक्ति भावना भी बढ़ती है।

ऋषि दुर्वासा और देवराज इंद्र की कथा की सीख

उपहार की कीमत उसके मूल्य से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से होती है, किसी के उपहार का अपमान न करें

एक पौराणिक कथा है, पुराने समय में ऋषि दुर्वासा हमेशा ज्ञान की खोज और धर्म के संदेश फैलाने के लिए यात्राएं किया करते थे। ऋषि दुर्वासा अपने गुस्से के लिए भी प्रसिद्ध थे। उनका क्रोध इतना तीव्र था कि यदि कोई व्यक्ति गलती करता, तो वे तुरंत उसे दंड दे देते थे।

एक दिन यात्रा करते समय दुर्वासा ऋषि के सामने देवराज इंद्र आ गए। इंद्र देवताओं के राजा थे और वे अपने वाहन ऐरावत हाथी पर सवार थे। दोनों ने एक-दूसरे को देखा। उस समय दुर्वासा ऋषि के पास एक दिव्य माला थी, जो उन्हें भगवान विष्णु ने उपहार में दी थी।

ऋषि ने सोचा, "यह माला मेरे पास रखने से अच्छा है कि मैं इसे देवराज इंद्र को भेंट कर दूं। वे तीनों लोकों के राजा हैं।"

दुर्वासा ऋषि ने प्रेमपूर्वक वह माला इंद्र को दे दी। इंद्र ने माला तो स्वीकार कर ली, लेकिन उनके मन में राजा होने का अहंकार आ गया। उन्होंने सोचा, "इस सामान्य सी माला का मैं क्या करूंगा?" उन्होंने उस दिव्य माला को अपने हाथी ऐरावत के ऊपर डाल दिया।

ऐरावत को माला का महत्व समझ नहीं आया। उसने अपनी सूंड से माला उठाई और फिर उसे अपने पैरों से कुचल दिया।

यह देखकर दुर्वासा ऋषि अत्यंत क्रोधित हो गए। उन्होंने कहा, "इंद्र! तुमने एक संत के उपहार और भगवान की कृपा का अपमान किया है। मैं शाप देता हूं- तुम्हारा अहंकार ही तुम्हारे वैभव को नष्ट करेगा।"

ऋषि के श्राप के कारण देवताओं की शक्ति कमजोर हो गई। असुरों ने आक्रमण किया और देवताओं को पराजय का सामना करना पड़ा। तब सभी देवता ब्रह्मा जी के पास पहुंचे। ब्रह्मा जी ने कहा कि यह संकट दुर्वासा ऋषि के अपमान और अहंकार के कारण आया है।

इस कथा का संदेश यह है कि जीवन में पद, पैसा और शक्ति मिलने के बाद भी हमें विनम्र रहना चाहिए। सम्मान देने की आदत इंसान को महान बनाती है, जबकि अहंकार व्यक्ति के पतन का कारण बनता है।

प्रसंग की सीख

हमेशा विनम्र रहें

चाहे हमें कितनी भी सफलता मिल जाए, हमें यह याद रखना चाहिए कि जीवन में हमारा विकास कई लोगों के सहयोग से होता है। माता-पिता, गुरु, बुजुर्ग और शुभचिंतक हमारे जीवन को दिशा देते हैं। उनका सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है। हर स्थिति में हमें विनम्र रहना चाहिए।

वस्तुओं के पीछे छिपे भाव को समझें

किसी भी उपहार की कीमत उसके मूल्य से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से होती है। यदि कोई व्यक्ति प्रेम और सम्मान से कुछ देता है, तो उसे महत्व देना चाहिए। छोटी चीज भी उपहार देने वाले के लिए बहुत खास हो सकती है।

अहंकार को पहचानें

अहंकार धीरे-धीरे मन में प्रवेश करता है। जब व्यक्ति यह सोचने लगता है कि "मुझे किसी की जरूरत नहीं" या "मैं सबसे बड़ा हूं", तभी पतन की शुरुआत हो जाती है। सफलता के बाद भी सीखने की इच्छा बनाए रखें।

प्रतिक्रिया देने से पहले सोचें

कई बार हम जल्दबाजी में ऐसे निर्णय ले लेते हैं, जिनका असर लंबे समय तक रहता है। किसी भी बात या व्यक्ति का मूल्यांकन करने से पहले उसके महत्व को समझना चाहिए।

रिश्तों का सम्मान करें

जीवन में पद और पैसा बदल सकते हैं, लेकिन अच्छे रिश्ते हमारी सबसे बड़ी संपत्ति होते हैं। जिन लोगों ने हमें आगे बढ़ाया है, उन्हें कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

विनम्रता को अपनी ताकत बनाएं

विनम्र व्यक्ति कमजोर नहीं होता। वास्तव में वह अधिक मजबूत होता है, क्योंकि वह दूसरों की भावनाओं को समझता है और सही निर्णय लेता है।

भोजन करने के बाद क्यों थाली में हाथ धोने से किया जाता है मना?

बड़े बुजुर्ग थाली में हाथ धोने से मना करते हैं क्योंकि यह मां अन्नपूर्णा और लक्ष्मी का अपमान माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इससे देवताओं का भी अनादर होता है और नकारात्मक शक्तियां आकर्षित होती हैं। वैज्ञानिक रूप से, यह स्वच्छता के लिए हानिकारक है और कीटाणुओं को फैलाता है। भोजन के इन नियमों का पालन कर हम अन्न का सम्मान करते हैं और जीवन में खुशहाली लाते हैं।

हम सभी के घरों में बड़े बुजुर्ग अक्सर भोजन करने के बाद थाली में हाथ धोने से मना करते हैं। भोजन को जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। अन्न के बिना जीवन जीने की कल्पना नहीं की जा सकती है, इसलिए धर्म शास्त्रों में भोजन को लेकर कई नियम बनाए गए हैं। नियम के अनुसार, भोजन करने के सेहत बनी रहती है और जीवन खुशहाल रहता है।

माता अन्नपूर्णा अन्न की देवी मानी जाती हैं। मान्यताओं के अनुसार, अगर भोजन के नियमों का पालन नहीं किया जाता है, तो मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं, जिससे घर में अन्न और धन का भंडार खाली होने लगता है। भोजन के बाद थाली में हाथ न धोना भी खाने के नियमों ही में शामिल है। ऐसे में आइए शास्त्रों के अनुसार, जानते हैं कि भोजन करने के बाद थाली में हाथ धोने से क्यों मना किया जाता है?

शास्त्रों के अनुसार...

शास्त्रों के अनुसार, भोजन की थाली में हाथ धोना माता लक्ष्मी और मां अन्नपूर्णा का अपमान माना जाता है। जो लोग भोजन करने के बाद उसी थाली में हाथ धो लेते हैं, उनके घर से माता लक्ष्मी रूठ जाती हैं। ऐसे घरों में धन नहीं टिकता है। वहीं ऐसा भी माना जाता है कि यज्ञ में जो भी सामग्री अर्पित की जाती है, वो देवताओं को भोजन के रूप में मिलती है। ऐसे में भोजन की थाली में हाथ धोने से देवताओं का भी अपमान होता है।

नकारात्मक शक्तियां आकर्षित होती हैं

मान्यता ये भी है कि भोजन की थाली में हाथ धोने से जो उर्जा निकलती है उसकी ओर नकारात्मक शक्तियां आकर्षित होती हैं और व्यक्ति के आसपास एकत्र होने लगती हैं। ये शक्तियां व्यक्ति की सेहत खराब कर सकती हैं। शरीर को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकती हैं। इन सबके अलावा थाली में हाथ न धोने के ज्योतिषीय कारण भी हैं। माना जाता है कि ज्योतिष में सभी ग्रहों के पास किसी न किसी अन्न का प्रतिनिधित्व होता है। इसी वजह से नवग्रह बनाते समय उसमें कोई न कोई अन्न अवश्य रखा जाता है। यही कारण है कि खाने की ही थाली में हाथ धोना अन्न के साथ ग्रहों का भी अपमान माना गया है।

वहीं विज्ञान भी भोजन की थाली में हाथ से मना करता है। विज्ञान कहता है कि थाली में हाथ धोने से शरीर के कई कीटाणु उसमें ही पानी के साथ रह जाते हैं। ये किटाणु अच्छी तरह से साफ नहीं होते। इसलिए जब उसी बर्तन में दोबारा खाना खाया जाता है, तो ये व्यक्ति की सेहत को नुकसान पहुंचता है।

भूलकर भी किसी को गिफ्ट में न दें ये 3 पौधे सुख-समृद्धि पर पड़ सकता है असर

किसी को तोहफा देना और लेना आजकल हमारे जीवन का बहुत खूबसूरत हिस्सा बन गया है। लोग उपहार के तौर पर आजकल इंडोर प्लांट्स गिफ्ट में देने लग गए हैं। पौधे अब सिर्फ घर में सजावट का हिस्सा नहीं रहे, बल्कि यह हमारे घर के वास्तु को भी बदल सकते हैं। लोग पौधे को इको-फ्रेंडली और सकारात्मक गिफ्ट समझते हैं। वास्तु के अनुसार, हर कोई पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा नहीं लेकर आता। कई पौधे ऐसे होते हैं जो घर का वातावरण करने की जगह बिगड़ भी सकता है। ऐसे पौधे किसी को गिफ्ट में देने से आर्थिक, समाजिक, मानसिक और शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो आइए जानते हैं कि वो कौन से 3 पौधे हैं, जिन्हें भूलकर भी किसी को गिफ्ट में नहीं देना चाहिए।

कांटेदार पौधे

वास्तु के अनुसार, भूलकर भी किसी को कांटेदार पौधे गिफ्ट में नहीं देना चाहिए क्योंकि कांटेदार पौधों को नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। कहा जाता है कि कांटेदार पौधे किसी को उपहार में देने से घर-परिवार में कलह-क्लेश होने लगता है और व्यापार से जुड़े कामों में रुकावटें आनी शुरू हो जाती है।

मनी प्लांट

वास्तु शास्त्र की माने तो कभी भी किसी को उपहार के तौर पर मनी प्लांट नहीं देना चाहिए। मनी प्लांट को आमतौर पर धन और समृद्धि का पौधा माना जाता है। कहा जाता है कि मनी प्लांट किसी को गिफ्ट में देने से आपको पैसों से जुड़ी परशानी का सामना करना पड़ता है और आपसी रिश्ते में कड़वाहट पैदा होनी शुरू हो जाती है।

कपास या रेशम का पौधा

कभी भी गलती से भी किसी को कपास या रेशम का पौधा गिफ्ट में नहीं देना चाहिए क्योंकि हिंदू धर्म और वास्तु में इन्हें घर के अंदर रखना या किसी को भेंट करना बेहद अशुभ माना जाता है। यह पौधा घर में दरिद्रता, उदासी और दुर्भाग्य लेकर आता है। इसे गिफ्ट करने से दोनों पक्षों के बीच के रिश्तों में सूखापन आ सकता है।

हिंदू पौराणिक कथा में कौन था भस्मासुर ?

पुराण के अनुसार यह एक दैत्य था। इसे पहले वृकासुर के नाम से जाना जाता था। एक बार इसने भगवान शंकर की घनघोर तपस्या की। इसकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने इससे वर मांगने को कहा। इसने इच्छा व्यक्त की कि मैं जिसके सिर पर हाथ रखूं वह भस्म हो जाए। एक बार यह देवी पार्वती पर ही मोहित हो गया और उनके सिर पर हाथ रखने लगा। पर उसी समय भगवान विष्णु ने अपनी चालाकी दिखाकर इसका हाथ इसी के सिर पर रखवा दिया। वरदान के अनुसार यह तुरंत जल कर भस्म हो गया। देवताओं को उससे छुटकारा मिल गई।

ब्रह्मा कौन थे?

ब्रह्मा को निर्माण करने वाले देवता के रूप में जाना जाता है। इन्हें सृष्टि का जनक माना जाता है। इनके जन्म की कहानी मनुस्मृति में लिखी गई है। इसके अनुसार कहा जाता है कि स्वयंभू भगवान ने जल बनाकर उसमें एक बीज फेंका था। उसी बीज से ब्रह्मा का जन्म हुआ। पर पुराण के अनुसार ब्रह्मा की उत्पत्ति भगवान के नाभि से निकले कमल से हुई थी। इनके चार मुंह बताए गए हैं। देवी सरस्वती इनकी पुत्री मानी जाती हैं।

पुष्कर क्या है और इसका नाम कैसे पड़ा?

यह एक तीर्थस्थल है जो अजमेर के पास है। कहा जाता कि ब्रह्मा ने यहां तप किया था। कुछ पुराण के अनुसार यहीं पर ब्रह्मा के हाथ से कमल गिर गया था। उस फूल के गिरने से एक असुर मर गया था। तब से इसका नाम भी पुष्कर(पुष्प) रख दिया गया। यहां ब्रह्मा के मंदिर के साथ ही देवी सावित्री, वराह और भगवान बदरीनारायण के भी मंदिर हैं।

नागपंचमी क्या है?

इस तिथि को नागों की पूजा होती है। पुराणों के अनुसार इस दिन नागों की पूजा करने से सर्प देवता खुश रहते हैं और लोगों का कल्याण करते हैं। नागपंचमी सावन महीने के शुक्लपक्ष में मनाया जाता है।

नागपुर का पौराणिक महत्व क्या है?

कहा जाता है कि शिव जी की जटा से उतर कर गंगा जब पृथ्वी पर आ रही थी तो एक दानव ने इनका मार्ग रोक लिया। इस पर राजा भगीरथ ने देवता से एक नागवाहन मांगा और उसी से उस दानव का नाश किया। जिस स्थान पर उस दानव की मृत्यु हुई उसे ही बाद में 'नागपुर' के नाम से जाना जाने लगा।

नारद कौन थे?

ये ब्रह्मा के मानसपुत्र कहे जाते हैं। ये देवताओं के संदेशवाहक थे। इन्हें देवता और दानव दोनों समान रूप से देखते थे। पुराण में इन्हें कलह प्रिय स्वभाव का माना जाता है।

कौटिल्य कौन थे?

ये मौर्य काल के सुप्रसिद्ध विद्वान थे। दिलचस्प तथ्य है कि इन्हीं का दूसरा नाम चाणक्य था। इन्होंने नंद वंश का नाश कर सम्राट चंद्रगुप्त को मगध का राजा बनाया था। ये कूटनीति के ज्ञाता थे। इनकी लिखी पुस्तक 'अर्थशास्त्र' विश्वप्रसिद्ध रचना है। इसमें तात्कालीन मौर्य साम्राज्य और शासन-कार्य की विस्तार से चर्चा की गई है।

द्रोणाचार्य कौन थे?

महाभारत के अनुसार इन्होंने कौरव और पांडवों को अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा दी थी। इनका जन्म 'द्रोण' नामक भिक्षापात्र में हुआ था इसलिए इनका नाम द्रोणाचार्य पड़ा। पुराणों के अनुसार ये ऋषि भारद्वाज के पुत्र थे। महाभारत के युद्ध में ये नौ दिनों तक कौरवों की तरफ से लड़े थे। अर्जुन इनके सबसे प्रिय शिष्य थे। इस युद्ध में इन्हें धोखे से मार दिया गया था। इन्हें पुत्र के शोक में मरने का शाप मिला था। अपने पुत्र अश्वत्थामा की मृत्यु का समाचार सुनकर ये सिर झुकाए बैठे थे कि तभी दृष्टद्युम्न ने धोखे से इनका सिर काट दिया।

गंधर्वविवाह क्या है?

यह हिंदुओं के आठ विवाहों में एक है। इसमें प्रेम पर आधारित विवाह होता है। कृष्ण और रुक्मिणी का विवाह इसी के तहत हुआ था।

गंधर्व कौन थे?

ये अर्धदेवता वर्ग के थे। पुराणों के अनुसार इनका काम स्वर्ग में मनोरंजन करना था। इनके प्रमुख चित्ररथ थे।

कामरूप की क्या कहानी है?

असम के कामरूप में देवी कामाख्या का मंदिर है। माना जाता है कि यहां जादू-टोने से लोगों को मूर्तियों या जानवरों में बदल दिया जाता है। पुराणों के अनुसार, यहां प्राचीन काल में मलेच्छों (विदेशी मूल के लोग) की राजधानी हुआ करती थी। महाभारत में भी चीनी मूल के लोगों का जिक्र हुआ है जो इसी जगह के थे। वे कौरवों की तरफ से लड़े थे।

छिन्नमस्ता कौन हैं?

ये हिंदुओं की एक उग्र स्वभाव की देवी हैं, जो अपना कटा सिर अपने हाथ में रखती हैं। यह रक्तपान करती हैं। इनकी पूजा तंत्र विद्या के साधक करते हैं।

प्रसेनजित कौन थे?

इनका जिक्र भागवत ग्रंथ में हुआ है। इनके साथ एक मणि की प्रसिद्ध कथा जुड़ी है। इस कथा के अनुसार कृष्ण पर मणि चोरी का आरोप लगाया गया था।

इंद्रप्रस्थ कहां था?

एक जंगल को जलाकर पांडवों ने इस नगरी को बसाया था। इंद्र ने यहां तपस्या भी की थी। यह नगरी वर्तमान दिल्ली के पास थी।

राहु कौन था?

इसने चोरी से देवताओं की पंक्ति में बैठकर अमृत पी लिया था। इसकी सजा में देवताओं ने इसका गला काट दिया था, तबसे सिर का भाग राहु और धड़ का भाग केतु कहा था।

जब कभी भी हमारा अपमान हो तो उससे विचलित ना हों

अपने भक्त का हित करने का ढंग भी भगवान का निराला है। जैसे किसी बच्चे को फोड़ा हो जाए तो उसकी मां उसका इलाज कराती है। उसमें भी पीड़ा है, लेकिन मां जानती है कि भविष्य में यह फोड़ा और तकलीफ नहीं देगा। ऐसे ही भगवान अपने भक्तों की स्थिति-परिस्थिति में चीर-फाड़ करते रहते हैं। उनमें से एक है- अहंकार। किसी भी सफर पर निकलें तो सामान का वजन कम से कम हो तो सुविधाजनक होता है।

सफर में तीन पड़ाव हैं- पहला है बैठना, दूसरा चलना, तीसरा उतरना। हमारे जीवन में भी गर्भाधान बैठना है, मकान-दुकान चलना है और श्मशान उतरना है। इन तीनों के बीच की यात्रा में हम अभिमान रूपी वजन सिर पर रखते हैं और वजन अधिक हो तो चाल लड़खड़ाएगी ही।

तुलसीदास जी ने लिखा है- तिमि रघुपति निज दास कर हरहिं मान हित लागि। श्रीराम अपने दास का अभिमान उसके हित के लिए हर लेते हैं। जब कभी हमारा अपमान हो तो विचलित ना हों, बल्कि सोचें कि यह हमें अभिमान रहित करने के लिए किया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 25 जून - 2026

ब्रिटिश लोकतंत्र की परीक्षा

ब्रिटेन एक बार फिर राजनीतिक अनिश्चितता और संक्रमण के दौर में दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के नेतृत्व वाली लेबर सरकार को सत्ता में आए अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ है, लेकिन बढ़ते जन असंतोष, आर्थिक चुनौतियों और राजनीतिक दबावों ने उसकी राह कठिन बना दी है। कीर स्टार्मर को इस्तीफा तक देना पड गया। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया है कि केवल चुनाव जीतना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि जनता का विश्वास और समर्थन लगातार बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। 2024 के आम चुनाव में लेबर पार्टी ने 14 वर्षों बाद ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। पार्टी ने उन क्षेत्रों में भी सफलता हासिल की थी, जहां लंबे समय से कंजर्वेटिव पार्टी का दबदबा था। इस जीत को ब्रिटिश राजनीति में बड़े बदलाव के रूप में देखा गया था। जनता को उम्मीद थी कि नई सरकार आर्थिक समस्याओं, महंगाई, सार्वजनिक सेवाओं के संकट और सामाजिक असंतोष का प्रभावी समाधान निकालेगी। लेकिन सत्ता संभालने के बाद सरकार को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उन्होंने उसकी लोकप्रियता को प्रभावित किया है। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था अभी भी महामारी और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के प्रभावों से पूरी तरह उबर नहीं पाई है। जीवन-यापन की बढ़ती लागत, ऊर्जा कीमतों का दबाव, स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता बोझ और रोजगार संबंधी चिंताएं आम नागरिकों के सामने बड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। ऐसे में सरकार द्वारा लिए गए कुछ नीतिगत निर्णय अपेक्षित समर्थन प्राप्त नहीं कर सके। कई मामलों में सरकार को अपने फैसलों पर पीछे हटना पड़ा, जिससे उसकी निर्णायक नेतृत्व क्षमता पर भी सवाल उठे। हालिया स्थानीय चुनावों और उपचुनावों के परिणामों ने भी सरकार के लिए चेतावनी का काम किया है। इन चुनावों में मतदाताओं ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वे केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि ठोस परिणाम देखना चाहते हैं। जनता की अपेक्षाएं बहुत ऊंची हैं और यदि सरकार उन्हें पूरा करने में विफल रहती है तो उसका राजनीतिक नुकसान होना तय है। यही कारण है कि स्टार्मर सरकार पर प्रदर्शन सुधारने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इस राजनीतिक अस्थिरता का असर केवल ब्रिटेन तक सीमित नहीं है। ब्रिटेन विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और उसके राजनीतिक फैसलों का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय संबंधों, व्यापार और निवेश पर भी पड़ता है। भारत जैसे देशों के साथ उसके संबंध विशेष महत्व रखते हैं। हाल ही में भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर सकारात्मक प्रगति हुई है। ऐसे समय में यदि ब्रिटेन की राजनीति में अस्थिरता बढ़ती है, तो आर्थिक और कूटनीतिक प्रक्रियाओं की गति प्रभावित हो सकती है। ब्रिटेन के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती जनता का विश्वास बनाए रखने की है। लोकतंत्र में जनादेश केवल सरकार बनाने का अधिकार देता है, लेकिन उसे बनाए रखने के लिए निरंतर जवाबदेही, प्रभावी शासन और परिणाम देने की क्षमता आवश्यक होती है। कीर स्टार्मर और उनकी सरकार के लिए यह समय आत्ममंथन और सुधार का है। आने वाला नेता तय करेगा कि ब्रिटेन की बदहाली को कैसा रोका जाए। यदि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरते हैं तो राजनीतिक स्थिरता मजबूत होगी, अन्यथा ब्रिटेन एक बार फिर नेतृत्व संकट और राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में फंस सकता है। इसके परिणामों का असर केवल लंदन ही नहीं, बल्कि भारत सहित पूरी दुनिया पर पडेगा।

क्यूबा को लेकर ट्रम्प का इशारा क्या आने वाला है तूफान?

अनिकेत सिंह

क्या दुनिया एक और भूराजनीतिक टकराव की ओर बढ़ रही है? ईरान और वेनेजुएला के बाद अब क्या क्यूबा अमेरिका की रणनीतिक प्राथमिकताओं के केंद्र में आ गया है? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हालिया बयान ने इन सवालों को फिर से चर्चा में ला दिया है। ट्रम्प ने संकेत दिया है कि भविष्य में क्यूबा में अमेरिकी हस्तक्षेप की संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि उनकी पहली पसंद शांतिपूर्ण सत्ता परिवर्तन होगी, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर अन्य विकल्प भी खुले हैं। इसी टिप्पणी ने अंतरराष्ट्रीय हलकों में नई बहस छेड़ दी है।

क्यूबा अमेरिका के फ्लोरिडा तट से केवल 90 मील दूर स्थित है। यही भौगोलिक निकटता उसे अमेरिकी रणनीतिक चिंताओं के केंद्र में रखती है। शीत युद्ध के दौरान क्यूबा मिसाइल संकट ने दुनिया को परमाणु युद्ध के मुहाने तक पहुंचा दिया था। आज परिस्थितियां भले बदल गई हों, लेकिन अमेरिका की सुरक्षा और प्रभाव क्षेत्र को लेकर उसकी सोच में बहुत बदलाव नहीं आया है। वाशिंगटन नहीं चाहता कि उसके पड़ोस में ऐसी राजनीतिक व्यवस्था मजबूत हो, जो उसके प्रभाव को चुनौती दे सके।

ट्रम्प समर्थकों का तर्क है कि क्यूबा की मौजूदा व्यवस्था लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। दूसरी ओर आलोचकों का कहना है कि अमेरिका लोकतंत्र के नाम पर अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार करना चाहता है। इसलिए बहस केवल राजनीतिक व्यवस्था की नहीं, बल्कि प्रभाव और नियंत्रण की भी है।

ट्रम्प स्वयं को हमेशा ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं, जो जटिल समस्याओं का समाधान निकाल सकता है। क्यूबा उनके लिए सिर्फ विदेश नीति का विषय नहीं, बल्कि एक राजनीतिक अवसर भी है। यदि वहां किसी प्रकार का परिवर्तन होता है तो उसे वे अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। इससे यह संदेश भी जाएगा कि जहां पूर्ववर्ती अमेरिकी प्रशासन सफल नहीं हुए, वहां उन्होंने परिणाम हासिल किए।

आर्थिक दबाव का बढ़ता दायरा

अमेरिका लंबे समय से क्यूबा पर विभिन्न आर्थिक प्रतिबंध लागू किए हुए है। हाल के महीनों में दबाव और बढ़ाया गया है। नए प्रतिबंध, वित्तीय गतिविधियों की निगरानी और राजनीतिक दबाव के जरिए वाशिंगटन ऐसी परिस्थितियां बनाने का प्रयास कर रहा है, जिनसे सरकार पर दबाव बढ़े और जन असंतोष उभरे। यही रणनीति पहले वेनेजुएला के मामले में भी देखी गई थी, आर्थिक दबाव, राजनीतिक अलगाव और अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की कोशिश।

क्यूबा को लेकर अमेरिकी चिंता केवल उसकी आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं है। इसके पीछे बड़ा भूराजनीतिक समीकरण भी काम करता है। अमेरिका नहीं चाहता कि रूस या चीन कैरेबियन क्षेत्र में अपनी रणनीतिक उपस्थिति मजबूत करें। वाशिंगटन की नजर में यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है। किसी प्रतिद्वंद्वी शक्ति की अमेरिकी सीमा के निकट बढ़ती सक्रियता भविष्य में चुनौती बन सकती है। इसलिए क्यूबा का मुद्दा अक्सर मास्को और बीजिंग से जुड़ जाता है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या अमेरिका वास्तव में सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहा है? फिलहाल इसका कोई स्पष्ट उत्तर नहीं है। ट्रम्प ने युद्ध की घोषणा नहीं की, लेकिन सैन्य विकल्पों से इनकार भी नहीं किया। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे बयान अक्सर दबाव की रणनीति का हिस्सा होते हैं। उनका उद्देश्य विरोधी पक्ष को यह संदेश देना होता है कि यदि परिस्थितियां नहीं बदलीं तो आगे और कठोर कदम उठाए जा सकते हैं।

आपातकाल : भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय

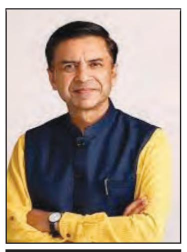

शशांक मणि त्रिपाठी

भारत संसार का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतंत्र वह शासन है जो जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा चलता है। भारत के लोकतंत्र में आपातकाल को "काला अध्याय" कहा जाता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र को "विकृत रूप" में बदल दिया था । उस समय सरकार ने जनता के अधिकारों को कुचला एवं लोकतांत्रिक मानकों का हनन किया था । कई मौलिक अधिकार विशेषकर व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार निलंबित कर दिए गए थे। आपातकाल के दौरान नागरिक अधिकारों पर अतिक्रमण हुआ एवं आलोचना के अधिकार को भी बाधित किया गया । उस अवधि में कई समाचार पत्रों पर प्रतिबंध लगा दिए गए थे।

25 जून, 1975 को तत्कालीन इंदिरा सरकार ने देश में आपातकाल की घोषणा की जो 21 मार्च ,1977 तक चला। सरकार ने "नागरिकों के मौलिक स्वतंत्रताओं पर अंकुश लगाया और समाचार पत्रों एवं टेलीविजन प्रसार पर प्रतिबंध लागू की।" 1971 के आमचुनाव के पश्चात श्रीमती इंदिरा गांधी को संसदीय दल का नेता चुना गया। वे तब कांग्रेस के अन्य नेताओं की अपेक्षा आयु एवं अनुभव दोनों में " कम " थीं,जिससे कांग्रेस दल के नेताओं के बीच "गुटबंदी की भावना " उत्पन्न हुई। उस समय भारत में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी ,इंदिरा गांधी की सरकार में संजय गांधी का हस्तक्षेप एवं बेलगाम नौकरशाही ने आपातकाल की पीठिका को तैयार किया था। जनता लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के साथ लामबंद होने लगी थी।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती इंदिरा गांधी के चुनाव को 'असंवैधानिक' घोषित किया था। 1971 के लोकसभा चुनाव में श्रीमती इंदिरा गांधी रायबरेली सीट से विजई हुई थी ,लेकिन उनके चुनावी प्रतिद्वंदी श्री राजनारायण ने उनके निर्वाचन परिणाम को उच्च न्यायालय में चुनौती दी । उच्च न्यायालय के निर्णय का सारांश इस प्रकार था ,"सरकारी यांत्रिकी का व्यापक दुरुपयोग और सत्ता के दबाव से चुनाव के परिणाम प्रभावित करने का आरोप लगाया गया था।"

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती गांधी के निर्वाचन को रद्द कर दिया और उन्हें 6 वर्षों तक चुनाव लड़ने पर प्रतिबंधित कर दिया । इस निर्वाचन प्रतिबंध को चुनौती देने के लिए श्रीमती इंदिरा गांधी ने उच्चतम न्यायालय में अपील की। उच्चतम न्यायालय का निर्णय 24 जून ,1975 को आया जिसमें निम्नलिखित आदेश दिए गए।

निर्वाचन रद्द करने का आदेश बरकरार रखा गया। 6 वर्ष के चुनाव प्रतिबंध को बरकरार रखा गया, ;तथा प्रधानमंत्री पद पर बने रहने की अनुमति दी गई पर उन्हें संसद की "मतदान प्रक्रिया" में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई।

आपातकाल के समय नागरिकों के कुछ मौलिक अधिकारों पर अस्थाई रूप से प्रतिबंध लगाया जा सकता है। भारत के संविधान में यह व्यवस्थाएं हैं कि आपातकाल संबंधी आदेशों को संसद के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए, परंतु इसके लिए "किसी अधिकतम अवधि का निर्धारण नहीं किया गया है।" इसलिए उम्मीद यह रहती है कि राष्ट्रपति ऐसे आदेश विवेकपूर्ण अवधि के भीतर संसद के समक्ष रखवाएंगे। संविधान के 44 वे संशोधन, 1978 के पश्चात यह स्पष्ट किया गया कि "आपातकाल के दौरान अनुच्छेद 20 एवं अनुच्छेद 21 के अंतर्गत व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े मौलिक अधिकार निलंबित नहीं किए जा सकते।" हालांकि ऐतिहासिक रूप से आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं पर गंभीर प्रतिबंध लगे हैं जिस कारण आपातकाल "भारतीय लोकतंत्र के काले अध्याय' के रूप में देखा जाता है। भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है और बहुदलीय व्यवस्था में जनता तानाशाही को स्वीकार नहीं करती। आपातकाल को लोकतांत्रिक ढांचे में परिभाषित करना जटिल है । कुछ विचारकों के अनुसार आपातकाल वह स्थिति है जब बहुदलीय लोकतंत्र को तानाशाही में बदलने का प्रयास होता है।"

आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का एक " काला अध्याय" था । आपातकाल के दौरान संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार किया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिए गए, समाचार पत्रों की स्वतंत्रता समाप्त कर दी गई और अनेक सामाजिक राजनीतिक एवं नागरिक कार्यकर्ताओं को कैद किया गया। आपातकाल के विरुद्ध संविधान की रक्षा, मौलिक अधिकारों की सुरक्षा, नागरिकों के पथ- संचलन के संरक्षण तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के सफल प्रयासों के लिए नागरिक समाज अभिनंदन करता है। ये सामाजिक व्यक्ति भारत के ताने -बाने तथा उन आदर्शों और मूल्यों की रक्षा करना चाहते हैं जो लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के लिए अति आवश्यक है।

आपातकाल लोकतंत्र के लिए एक अशांत 21 महीने का दौर था। भारतीयों ने लोकतंत्र के इतिहास का "सर्वाधिक काला दौर देखने का दुःखद अनुभव किया ।" आपातकाल के दौरान तिहाड़ कारागृह में लगभग 1900 कैदी थे जिनमें 350- 400 राजनीतिक बंदी थे।

संविधान के सिद्धांतों, मूल्यों और आदर्शों को मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि हम सभी "विकसित भारत @2047" की प्राप्ति में सहायक बने। हर वर्ष आपातकालीन विरोधी दिवस , कार्यशालाएं और सेमिनार का आयोजन कर उनकी दमनात्मक, पक्षपातपूर्ण एवं अनुपयोगी भूमिकाओं को उजागर करके नागरिक समाज में इनकी उपयोगिता बढ़ाई जाए। संविधान ,लोकतांत्रिक एवं संघीय भावना को मजबूत करना राजनीतिक नेतृत्व का उद्देश्य होना चाहिए । भारत लोकतंत्र की जननी है. संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण ,सुरक्षा तथा उन्नयन में नागरिक समाज ,बौद्धिक वर्ग ,लेखक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को चिंतन करना चाहिए।

लेखक देवरिया सदर के सांसद हैं

जम्हूरियत में जंगली इंसाफ

डॉ० मत्स्येन्द्र प्रभाकर

सभी तरह के अपराधों पर नियंत्रण होना चाहिए और प्रत्येक अपराधी को नियमतः कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यह लोकतंत्र की मूल भावना है लेकिन पिछले कुछ वर्षों से देश के विभिन्न भागों, खासकर उत्तर प्रदेश और बिहार आदि में जिस तरह से अपराधियों का 'एनकाउण्टर' हुआ है, उसने समूची प्रणाली और व्यवस्था पर गम्भीर सवाल पैदा कर दिये हैं। इन घटनाओं ने हमें एक कठिन प्रश्न के सामने खड़ा कर दिया है: 'क्या लोकतंत्र में 'जंगली इंसाफ' की स्वीकार्यता हो सकती है?' 'एनकाउण्टर' सुशासन का मॉडल तो नहीं हो सकता।

आजकल 'एनकाउण्टर' शब्द अक्सर सुनने में आता है। आश्चर्य तो तब होता है जब आम आदमी भी एनकाउण्टर करने की माँग उछालते हैं। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में अबतक 183 अपराधियों का एनकाउण्टर हुआ है। इसमें विकास दुबे, गौरी यादव, कमल, शिव शक्ति नायडू, मनीष सिंह जैसे दुर्दान्त अपराधी शामिल हैं। बिहार में भी पिछले चार महीनों में 12 मुठभेड़ हुईं और 4 अपराधी ढेर हुए हैं। 2025 में बिहार के अररिया में तनिष्क लूटकाण्ड का आरोपी चुनमुन झा पुलिस मुठभेड़ में मारा गया, वहीं लखनऊ के मलिहाबाद में महिला हत्या का मुख्य आरोपी अजय कुमार भी एनकाउण्टर में ढेर हो गया।

सबसे चर्चित घटना 10 जुलाई 2020 को कानपुर के पास विकास दुबे का एनकाउण्टर है। आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के मास्टरमाइण्ड विकास दुबे पर 5 लाख का इनाम घोषित था। पुलिस का कहना था कि गाड़ी पलट गयी और विकास दुबे भागने की कोशिश में मारा गया लेकिन इस एनकाउण्टर पर सुप्रीम कोर्ट ने जाँच समिति बनायी और जाँच रिपोर्ट को शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने फर्जी एनकाउण्टर के आरोप पर योगी सरकार से जवाब माँगा था।

2 अप्रैल 2023 को झाँसी के पास अतीक अहमद के बेटे असद अहमद और शूटर गुलाम का एनकाउण्टर हुआ। दोनों पर 5-5 लाख रुपये का इनाम रखा था। उमेश पाल हत्याकाण्ड में फरार चल रहे असद और गुलाम को यूपी एसटीएफ ने एनकाउण्टर में मार गिराया। इस मामले में झाँसी जिला मजिस्ट्रेट ने मजीस्ट्रियल जाँच के आदेश जारी किये। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में मंगेश यादव एनकाउण्टर मामले में मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लिया है और डीएम को जाँच कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा था कि भय का माहौल बनाना जुर्म से निपटने का सही रास्ता नहीं है।

लोकतंत्र (जम्हूरियत) में विधि के सिद्धान्त सर्वोपरि हैं। लोकतन्त्र में ऐसी व्यवस्था रहती है कि जनता अपनी मर्जी से विधायिका चुन सकती है और सभी व्यक्ति को समान अधिकार होता हैं। किसी भी अपराधी को विधि द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के बिना नहीं मारा जा सकता। एनकाउण्टर में 'गोली का जवाब गोली' की नीति के तहत कार्रवाई होती है जो विधि प्रक्रिया को नकार देती है।

जंगली इंसाफ का अर्थ है विधि-प्रक्रिया से बाहर निकलकर स्वयं ही न्याय करना। यह लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत है। यदि अपराधी को सजा देनी है, तो उसकी विधिमान्य जाँच होनी चाहिए, उसे न्यायालय में उपस्थित किया जाना चाहिए और न्यायालय द्वारा सजा निर्धारित की जानी चाहिए। एनकाउण्टर में ये सभी प्रक्रियाएँ अनुपस्थित हैं।

'सुशासन' का अर्थ है विधि-प्रक्रिया, जिम्मेदारी, पारदर्शिता और न्यायिक नियंत्रण। एनकाउण्टर में ये सभी सिद्धान्त अनुपस्थित हैं। पुलिस स्वयं ही जाँच, न्याय और सजा का निर्णय करती है—यह विधि के सिद्धान्त का विरोध है। सुशासन में सभी को समान अधिकार मिलते हैं, चाहे वे अपराधी हों, या नागरिक। एनकाउण्टर में अपराधी को विधि प्रक्रिया का समान लाभ नहीं मिलता।

एनकाउण्टर की घटनाओं से तीन गम्भीर समस्याएँ उत्पन्न होती हैं पहला, विधि प्रक्रिया का अतिक्रमण। एनकाउण्टर में अपराधी को विधि द्वारा निर्धारित प्रक्रिया से नहीं संभाला जाता। यह विधि के सिद्धान्त का विरोध है। दूसरा, मानवाधिकारों का हनन। राष्ट्रीय और राज्य मानवाधिकार आयोग ने कई एनकाउण्टर मामलों में संज्ञान लिया है। भय का माहौल बनाना जुर्म से निपटने का सही रास्ता नहीं है। तीसरा, पुलिस विश्वसनीयता पर प्रश्न। जब एनकाउण्टर की संख्या बढ़ती है, तो पुलिस की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फर्जी एनकाउण्टर के आरोप पर पुलिस पर एफआईआर् की बात कही है। हालाँकि, एनकाउण्टर के समर्थक कहते हैं कि दुर्दान्त अपराधी - जो विधि प्रक्रिया को नकारते हैं, उनके लिए एनकाउण्टर सबसे तेज और प्रभावी उपाय है। उत्तर प्रदेश में 2018 में सबसे अधिक 41 अपराधी मारे गये थे जबकि 2022 में 14 अपराधी एनकाउण्टर में ढेर किये गये। यह संख्या घटती दिख रही है। बिहार में 2001 से लेकर 2005 तक राज्य में हर वर्ष लगभग 32 के औसत से पुलिस द्वारा एनकाउण्टर की घटना को अंजाम दिया गया लेकिन 2015 से 2020 तक मात्र पाँच की औसत से प्रति वर्ष एनकाउण्टर की घटना घटी है। लेकिन लोकतंत्र में तेज सजा का मतलब विधि-प्रक्रिया को नकारना नहीं है। लोकतंत्र की सभ्यता इसी में निहित है कि सभी को समान अधिकार मिलें, चाहे वे अपराधी हों या नागरिक। यदि हम एनकाउण्टर को स्वीकार करेंगे तो हम लोकतंत्र की बुनियाद को खतरे में डाल देंगे।

अतः आवश्यक है कि एनकाउण्टर पर पूर्ण रोक हो और विधि प्रक्रिया के माध्यम से अपराधियों को सजा दी जाए। मानवाधिकार आयोग द्वारा सभी एनकाउण्टर मामलों की जाँच होनी चाहिए। पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए जाएँ कि विधि-प्रक्रिया को नकारा नहीं जा सकता। न्यायालयीन प्रक्रिया को तेज किया जाए ताकि अपराधी को जल्दी सजा मिले। सुशासन का मॉडल विधि-प्रक्रिया, पारदर्शिता और न्यायिक नियंत्रण पर आधारित होना चाहिए, एनकाउण्टर पर नहीं।

लोकतंत्र में 'जंगली इंसाफ' की स्वीकार्यता नहीं हो सकती। हमें विधि के सिद्धान्त को सर्वोपरि रखना चाहिए। अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए लेकिन विधि प्रक्रिया के माध्यम से। यही लोकतंत्र की सभ्यता है। एनकाउण्टर सुशासन का मॉडल कभी नहीं हो सकता।

तेलुगु सिनेमा का सम्मान

सुरेश कश्यप

तेलुगु सिनेमा में अपनी सहज अभिनय शैली और अद्भुत हास्य प्रतिभा से करोड़ों दर्शकों का दिल जीतने वाले प्रसिद्ध अभिनेता 'नटकिरीटी' डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भारत सरकार के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित कर तेलुगु भाषा को भी सम्मान से नवाजा है। कला जगत में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रदान किया गया यह सम्मान समस्त तेलुगु समाज के लिए गर्व करने का क्षण है। डा राजेंद्र प्रसाद 19 जुलाई 1956 को आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के निम्मकुरु में जन्मे थे। गड्डे बाबू राजेंद्र प्रसाद एक साधारण परिवार से निकलकर भारतीय सिनेमा में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। महान अभिनेता एन.टी. रामाराव से प्रेरित होकर उन्होंने 1977 में निर्देशक बापू की फिल्म स्नेहम कोसम से अपने फिल्मी सफर की शुरुआत की थी। करीब 300 फिल्मों की अभिनय यात्रा में राजेंद्र प्रसाद ने अपने स्वाभाविक अभिनय से दर्शकों का अपार स्नेह अर्जित किया। अपने शुरुआती दौर में उन्होंने एन.टी.आर., ए.एन.आर., सुपरस्टार कृष्णा, शोभन बाबू और कृष्णम राजू जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया तथा बाद में चिरंजीवी, नागार्जुन और वेंकटेश की पीढ़ी के साथ भी अनेक सफल फिल्मों में अभिनय का लोहा मनवाया। निर्देशक जांध्याला, रेलांगी नरसिम्हा राव, मुत्याला सुब्बैया, सिंगीतम श्रीनिवास राव, वंशी, ई.वी.वी. सत्यनारायण और एस.वी. कृष्णा रेड्डी जैसे दिग्गजों ने उनकी अभिनय प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आहा ना पेल्लांटा, लेडीज़ टेलर, अप्पुल अप्पाराव, आ ओक्कटी अदक्कु , मायलोडु और बृंदावनम जैसी फिल्मों ने उन्हें तेलुगु सिनेमा के सर्वकालिक महान हास्य अभिनेताओं में स्थापित किया।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद

अंग्रेज़ी फिल्म क्विक गन मुरुगन में उनके काउबॉय किरदार को उत्तर भारत के हिंदी भाषियों में भी अपार सराहना मिली। हास्य अभिनेता होने के साथ-साथ उन्होंने एर्रा मंदारम , आ नलुगुरु और मी श्रेयोभिलाषी जैसी फिल्मों में गंभीर एवं संवेदनशील भूमिकाओं के माध्यम से अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता का परिचय दिया। अपने लंबे फिल्मी सफर में अनेक नंदी पुरस्कार एवं अन्य प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित राजेंद्र प्रसाद के लिए वर्ष 2026 का पद्मश्री सम्मान उनके लगभग पांच दशक लंबे सिनेमा योगदान का राष्ट्रीय सम्मान है।

इसी प्रकार तेलुगु फिल्म जगत के प्रतिष्ठित अभिनेता, निर्माता एवं समाजसेवी मुरली मोहन को भी पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया गया है। 24 जून 1940 को आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले के चाटापर्रु में जन्मे मुरली मोहन का वास्तविक नाम मागंति राजा राम मोहन राय है।

उन्होंने 1973 में फिल्म जगमे माया से अभिनय की शुरुआत की और बाद में निर्देशक दासरी नारायण राव की फिल्म तिरुपति से व्यापक पहचान हासिल की। उन्होंने लगभग 350 फिल्मों में विविध भूमिकाएं निभाईं और अपनी सादगीपूर्ण तथा गरिमामयी अभिनय शैली से दर्शकों के बीच विशेष स्थान बनाया। एक अभिनेता के रूप में उन्हें तीन नंदी पुरस्कार प्राप्त हुए।

मुरली मोहन

निर्माता के रूप में उन्होंने अपने भाई किशोर के साथ जयभेरी आर्ट्स की स्थापना कर अनेक सफल पारिवारिक फिल्मों का निर्माण किया तथा बाद में जयभेरी ग्रुप के माध्यम से एक सफल उद्योगपति के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हुए उन्होंने तेलुगु देशम पार्टी के उम्मीदवार के रूप में राजमहेंद्रवरम लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और सांसद के रूप में विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान कीं। आज राष्ट्रपति के करकमलों से पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर मुरली मोहन ने तेलुगु सिनेमा और समाज का गौरव बढ़ाया है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद और मुरली मोहन को पद्मश्री सम्मान मिलने पर समस्त तेलुगु समाज, फिल्म जगत और उनके असंख्य प्रशंसकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए हार्दिक बधाई दी है। सभी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं नई पीढ़ी को निरंतर प्रेरणा देने की कामना की है।

वाह री किस्मत !

सुरेश कुमार मिश्रा

चाय की प्याली से उठते उस बेरहम धुएं में जिंदगी बिलकुल वैसे ही उलझी हुई दिखती थी, जैसे दराज के किसी कोने में पड़ी पुरानी इयरफोन की केबल, जिसे सुलझाने की कोशिश करो, तो गांठें और कस जाती हैं। मेज के उस पार वो बैठी थी, अपनी चमचमाती स्क्रीन के पीछे एक सुरक्षित दूरी बनाए हुए, और इस पार मैं था, अपने ढहते हुए वजूद के मलबे पर मुफ़्त की उस सलाह की तरह बिखरा हुआ जिसकी किसी को जरूरत नहीं होती। हम दोनों के बीच एक ऐसा भयानक सन्नाटा पसरा था, जो सिर्फ उस घर में होता है जहाँ वेंटिलेटर पर पड़े आखिरी बुज़ुर्ग की सांसें गिनते हुए लोग वसीयत के पन्नों पर दस्तखत होने का इंतजार कर रहे हों।

वह मुझसे बात कर रही थी, या शायद अपनी स्क्रीन पर रेंडर हो रहे किसी और अक्स को अपनी हंसी दान कर रही थी। उसकी उंगलियां की-बोर्ड पर इस बेरहमी और तेज़ी से नाच रही थीं जैसे कोई तजुर्बेकार कसाई बकरे की खाल उतार रहा हो या कोई बेहद सगा संबंधी आपकी सबसे दुखती रग को कुरेद रहा हो। अचानक मेरी आंखों में डिजिटल टॉर्च जैसी रोशनी मारते हुए उसने कहा, तुम बदल गए हो। मुझे एक तीखी हंसी आ गई। जब खुद आईने के सामने खड़े होकर अपनी ही शक्ल ढूंढने के लिए आधार कार्ड की तस्वीरों का सहारा लेना पड़े, तो सामने वाले का यह इल्जाम किसी मीठे जहर की तरह हसीन लगता है। हम सब चलते फिरते आईना हैं। वह मुझे देख रही थी, मैं उसमें अपना खोया हुआ ज़मीर ढूंढ रहा था और वह खुद को किसी तीसरे अनजान शख्स के लाइक्स और हार्ट वाले कमेंट्स के चश्मे से री-इमेजिन कर रही थी। क्या ख़बर कौन कहाँ किस की तरफ़ देखता है! पूरी कायनात ही जैसे किसी सस्ते सीसीटीवी कैमरे की फुटेज हो गई थी जिसमें कोई किसी का सगा नहीं था।

उसने नजरें उठाईं। उसकी आंखों में एक अजीब सा रहस्य था, ठंडा, गहरा और उतना ही खोखला, जैसे उस लावारिस सूटकेस का खालीपन जो रेलवे स्टेशन पर पड़ा रह जाता है। जैसे किसी बंद पड़े तहखाने का जंग लगा दरवाजा, जिसके भीतर अनाज सड़ चुका हो पर बाहर खुशखबरी का बोर्ड टंगा हो। उसने मुस्कुराने की ज़हमत उठाई, पर वो मुस्कान होठों के कॉर्नर पर आकर ऐसे दम तोड़ गई जैसे बिना पेट्रोल के भरे चौराहे पर किसी का सेकेंड हैंड स्कूटर खटखटाकर बंद हो जाता है।

तुम बहुत ओवरथिंक करते हो, उसने टका सा जवाब दिया और अपने फोन को बैग में ऐसे ठूंस लिया जैसे कोई चोर चुराया हुआ सामान छुपाता है। यही तो इस इक्कीसवीं सदी का सबसे मखमली व्यंग्य है। जब इंसान का दम घुट रहा हो, तो दुनिया कहती है कि मौसम की खराबी है। जब आत्मा अंदर से लहूलुहान होकर आईसीयू में भर्ती हो, तो लोग कंधे पर हाथ रखकर ज्ञान बघारते हैं कि 'चिल ब्रो, तुम डीप थिंकिंग के शिकार हो।' हम कैफ़े के उस ठंडे पाखंड से बाहर निकले। सड़क पर आसमान से बूंदें टपक रही थीं, पर दिल्ली की उस घुटन भरी शाम में वो बारिश राहत की फुहार नहीं, बल्कि जलती हुई चिता पर डाले जाने वाले घी की तरह रिस रही थी। वह दो कदम आगे-आगे चल रही थी, उसकी परछाई सड़क पर बिछे गंदे पानी में तैर रही थी। मैं उस परछाई को कुचलता हुआ, उसके पीछे-पीछे घिसट रहा था। एक अजीब सा रोमांच मेरे भीतर कुलबुला रहा था, एक ऐसा रहस्य जो दिल की धड़कनों को किसी मर्डर मिस्ट्री के क्लाइमेक्स जैसी रफ्तार दे रहा था। मुझे साफ़ अहसास हो रहा था कि आज कुछ बहुत बड़ा टूटने वाला है. कोई पुराना भ्रम, कोई मुगालता, या शायद खुद मेरी रीढ़ की हड्डी। वह अचानक एक बड़े से शोरूम के विशालकाय शीशे के सामने ठिठक गई। वो शीशा इतना साफ़, इतना पारदर्शी था कि उसमें खड़े होकर आप अपने चेहरे के दाग-धब्बे और अपनी आत्मा की सारी कमियां बिलकुल साफ-साफ़ देख सकते थे।

जिम में की गई यह एक गलती बन रही है सिर और गर्दन दर्द की वजह, इससे कैसे बचें

फिट और स्वस्थ रहने के लिए आजकल बड़ी संख्या में लोग जिम का रुख कर रहे हैं। हालांकि बेहतर शरीर और फिटनेस पाने की चाह में कई लोग अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका असर उनकी सेहत पर पड़ सकता है।

अक्सर कुछ लोगों को वर्कआउट के अगले दिन गर्दन में अकड़न, सिर दर्द या ऊपरी पीठ में दर्द की शिकायत होती है। कई बार लोग इसे सामान्य मांसपेशियों की थकान समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन इसके पीछे जिम में की गई एक आम गलती जिम्मेदार हो सकती है।

फिटनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार, ये दर्द आपके द्वारा की गई एक गलती की वजह से हो सकता है। आपके द्वारा की गई इस गलती की वजह से ही मांसपेशियों में तनाव बढ़ता है और अगले दिन दर्द महसूस हो सकता है। आइए जानते हैं कि यह गलती क्या है और इससे कैसे बचा जा सकता है।

ये है आम गलती

जिम में वर्कआउट करते समय कई लोग अनजाने में अपने दांतों को कसकर भींच लेते हैं या पीसने लगते हैं। यह आदत खासकर भारी वजन उठाने, पुश-अप्स, प्लैंक, डेडलिफ्ट या अन्य कठिन एक्सरसाइज के दौरान देखने को मिलती है।

क्यों होता है सिर दर्द?

फिटनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब व्यक्ति वर्कआउट के दौरान दांत भींचता है, तो जबड़े की मांसपेशियां लगातार तनाव में रहती हैं। यह तनाव धीरे-धीरे सिर के दोनों तरफ मौजूद टेम्पोरल मसल्स और गर्दन की मांसपेशियों तक पहुंच जाता है। परिणामस्वरूप वर्कआउट के बाद सिर में भारीपन, तनाव वाला सिर दर्द और गर्दन में अकड़न महसूस हो सकती है।

गर्दन दर्द से क्या है कनेक्शन?

जबड़े और गर्दन की मांसपेशियां आपस में जुड़ी होती हैं। दांतों को जोर से दबाने पर गर्दन की मांसपेशियां भी अनावश्यक रूप से सख्त हो जाती हैं। इससे अगले दिन गर्दन में जकड़न, दर्द और मूवमेंट में परेशानी महसूस हो सकती है।

किन लोगों में ज्यादा होती है यह समस्या?

जो लोग भारी वजन उठाते हैं
नए जिम जाने वाले लोग
तनाव या चिंता से ग्रस्त लोग
जो एक्सरसाइज के दौरान शरीर को जरूरत से ज्यादा टाइट रखते हैं

इस गलती से कैसे बचें?

वर्कआउट के दौरान अपने जबड़े को रिलैक्स रखें।
दांतों को आपस में दबाकर न रखें।
एक्सरसाइज करते समय सांस लेने और छोड़ने की सही तकनीक अपनाएं।
अगर आदत ज्यादा है तो फिटनेस ट्रेनर की मदद लें।
जरूरत पड़ने पर डेंटिस्ट से सलाह लेकर माउथगार्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है।

ध्यान रखें

अगर वर्कआउट के बाद बार-बार सिर दर्द, जबड़े में दर्द, कान के आसपास दबाव या गर्दन में अकड़न महसूस होती है, तो इसकी वजह केवल थकान नहीं बल्कि एक्सरसाइज के दौरान दांत पीसने की आदत भी हो सकती है। इस छोटी-सी गलती को सुधारकर आप अपने वर्कआउट को ज्यादा सुरक्षित और प्रभावी बना सकते हैं।

दिमाग का शॉर्ट-सर्किट? समझिए डोरवे इफेक्ट जो कर देता है चीजें भूलने पर मजबूर

क्या आपके साथ भी कभी ऐसा हुआ है कि आप किसी कमरे में किसी काम से गए हों, लेकिन अंदर पहुंचते ही अचानक भूल जाएं कि आप वहां क्यों आए थे? ऐसे ही चाहे फ्रिज खोलना हो और फिर याद न रहे कि क्या निकालना था, या कमरे में जाकर कोई जरूरी चीज भूल जाना यह अनुभव बेहद आम है। इसे ही मनोवैज्ञानिक भाषा में "डोरवे इफेक्ट" कहा जाता है।

आज की तेज रफ्तार जिंदगी और मल्टीटास्किंग के कारण यह समस्या और भी ज्यादा देखने को मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह कोई गंभीर बीमारी नहीं है, बल्कि दिमाग की मेमोरी प्रोसेसिंग का सामान्य हिस्सा है। इससे बचने के आसान तरीके क्या हैं।

सबसे पहले जान लें कि डोरवे इफेक्ट क्या है?

डोरवे इफेक्ट एक मनोवैज्ञानिक घटना है, जिसमें व्यक्ति किसी एक जगह पर किया गया विचार या काम दूसरी जगह पहुंचते ही भूल जाता है। दिमाग स्थान बदलते ही परिस्थिति भी बदल देता है, जिससे अस्थायी मेमोरी कमजोर हो जाती है।

ये क्यों होता है?

परिस्थिति बदलना

जब हम एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं, जैसे एक कमरे से दूसरे कमरे में प्रवेश करते हैं, तो हमारा दिमाग उस नए वातावरण को एक अलग संदर्भ के रूप में देखता है। इस बदलाव के दौरान दिमाग पुरानी जगह से जुड़ी यादों को अस्थायी रूप से पीछे कर देता है। इसी वजह से जो काम हम याद रखकर जाते हैं, वह नए कमरे में पहुंचते ही कुछ पल के लिए भूल जाता है।

वर्किंग मेमोरी पर दबाव

हमारी वर्किंग मेमोरी दिमाग का वह हिस्सा है जो थोड़े समय के लिए जानकारी को संभालता है। जब हम पहले से ही कई बातें सोच रहे होते हैं या मानसिक रूप से व्यस्त होते हैं, तो दिमाग पर दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में नई या अस्थायी जानकारी को बनाए रखना मुश्किल हो जाता है और हम अपना काम भूल सकते हैं।

ध्यान का भटकना

दरवाज़ा पार करते समय हमारा ध्यान अक्सर बदल जाता है—कभी आसपास की चीजों पर, कभी किसी आवाज़ पर या किसी और विचार पर। इस अचानक ध्यान बदलाव के कारण हमारा दिमाग पहले वाले विचार को पकड़कर नहीं रख पाता। नतीजा यह होता है कि हम भूल जाते हैं कि हम किस काम से आए थे।

एक साथ कई काम करने की आदत

आज के समय में लोग एक साथ कई काम करने के आदी हो गए हैं, जैसे मोबाइल चलाना, बात करना और काम याद रखना। यह मल्टीटास्किंग दिमाग की एकाग्रता को कमजोर करती है। जब दिमाग कई दिशाओं में बंटा होता है, तो छोटी-छोटी बातें आसानी से भूलने लगती हैं। इसी वजह से डोरवे इफेक्ट ज्यादा देखने को मिलता है।

क्या यह कोई बीमारी है?

नहीं, डोरवे इफेक्ट कोई बीमारी नहीं है। यह दिमाग की एक सामान्य प्रक्रिया है, जो लगभग हर व्यक्ति के साथ कभी न कभी होती है। यह हमारी मेमोरी और ध्यान प्रणाली का प्राकृतिक हिस्सा है। हालांकि अगर भूलने की समस्या बहुत ज्यादा बढ़ जाए और रोजमर्रा के कामों में परेशानी आने लगे, तो डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर होता है।

इससे बचने के उपाय

किसी काम को करते समय मन में दोहराएं कि आप क्या करने जा रहे हैं
मोबाइल या अन्य डिस्ट्रेक्शन कम करें
एक समय में एक ही काम करें
जरूरी बातें लिखने की आदत डालें
धीरे-धीरे और ध्यान से मूव करें

दोपहर में सोने के बाद क्यों होता है सिर दर्द? क्या है झपकी लेने का सही समय

दोपहर का खाना खाने के बाद थोड़ी देर आराम करने या झपकी लेने की आदत कई लोगों में होती है। कुछ लोगों को इससे ताजगी और ऊर्जा महसूस होती है, लेकिन कई बार दोपहर में सोने के बाद सिर दर्द, भारीपन या सुस्ती जैसी समस्याएं भी होने लगती हैं। अक्सर लोग इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि इसके पीछे कई स्वास्थ्य संबंधी कारण हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जरूरत से ज्यादा देर तक सोना, गलत समय पर झपकी लेना या शरीर के प्राकृतिक स्लीप साइकल में बाधा आना सिर दर्द की वजह बन सकता है। इसके अलावा डिहाइड्रेशन, ब्लड शुगर में उतार-चढ़ाव और नींद की गुणवत्ता भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

ऐसे में यह जानना जरूरी है कि दोपहर में सोने का सही समय क्या है और किन बातों का ध्यान रखकर आप सिर दर्द जैसी समस्या से बच सकते हैं।

दोपहर में सोने के बाद सिर दर्द क्यों होता है?

1. ज्यादा देर तक सोना

अगर आप 30 मिनट से ज्यादा समय तक सो जाते हैं, तो शरीर गहरी नींद में चला जाता है। अचानक जागने पर स्लीप इनर्शिया की स्थिति बन सकती है, जिससे सिर भारी लगना, चक्कर आना और सिर दर्द हो सकता है।

2. डिहाइड्रेशन

कई बार शरीर में पानी की कमी होने पर भी झपकी के बाद सिर दर्द शुरू हो सकता है। खासकर गर्मी और उमस वाले मौसम में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है।

3. ब्लड शुगर में बदलाव

भोजन के बाद तुरंत सोने से ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव हो सकता है। यह स्थिति कुछ लोगों में सिर दर्द और थकान की वजह बन सकती है।

4. नींद का गलत समय

शाम के करीब या देर दोपहर में सोने से शरीर की जैविक घड़ी प्रभावित हो सकती है। इससे रात की नींद खराब होती है और सिर दर्द की समस्या बढ़ सकती है।

5. गलत सोने की पोजिशन

गर्दन या सिर को गलत स्थिति में रखकर सोने से मांसपेशियों में तनाव पैदा हो सकता है। इसकी वजह से जागने के बाद सिर दर्द का कारण बन सकता है।

गैस सिलिंडर के नाम पर होने वाल फ्रॉड से सावधान

मिडिल ईस्ट में चले तनाव के बीच एलपीजी गैस सिलिंडर की किल्लतों ने जोर पकड़ा। हालांकि, भारत सरकार ने लोगों तक सिलिंडर पहुंचाने के लिए कई तरीके अपनाए और कई नए नियम भी बनाए गए।

मौजूदा समय में लोगों को गैस सिलिंडर मिल रहा है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसी एलपीजी गैस सिलिंडर के नाम पर ग्राहकों को ठगने का काम जालसाज कर रहे हैं। इसको लेकर इंडियन ऑयल कंपनी ने अलर्ट जारी किया है। चलिए जानते हैं ये फ्रॉड क्या है और इस फ्रॉड से कैसे बचें...

क्या फ्रॉड हो रहा है ग्राहकों के साथ?

गैस कंपनी के नाम पर लोगों के पास एलपीजी गैस कनेक्शन और सर्विसेज के नाम पर मैसेज भेजे जा रहे हैं
ये मैसेज कंपनी नहीं बल्कि, जालसाज लोगों को भेज रहे हैं
इसकी शिकायत मिलने के बाद इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने अलर्ट जारी किया है

कंपनी ने एक्स पर क्या किया पोस्ट?

इंडियन ऑयल कंपनी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'आपका भरोसा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसे धोखेबाजों के हाथों में न जाने दें। हमें जानकारी मिली है कि कुछ फर्जी लोग नए एलपीजी कनेक्शन और उससे जुड़ी सेवाओं के नाम पर ग्राहकों से पैसे मांग रहे हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहें। किसी भी जानकारी की पुष्टि केवल आधिकारिक माध्यमों से करें और भुगतान सिर्फ अधिकृत प्लेटफॉर्म के जरिए ही करें। सतर्क रहें, सही जानकारी रखें और सुरक्षित रहें।'

कैसे बचें इस फ्रॉड से?

किसी भी अनजाने नंबर से आए मैसेज, कॉल आदि पर विश्वास न करें
किसी भी अनजाने नंबर से आए लिंक, मैसेज के जरिए पेमेंट न करें
अगर कोई ईमेल-मैसेज आता है जिसमें गैस कि किसी सर्विस के लिए पेमेंट करने के लिए कहा गया हो या कनेक्शन काटने जैसी धमकी देकर पेमेंट के लिए कहा गया हो आदि। तो ऐसे किसी लिंक के जरिए पेमेंट न करें

हमेशा अपनी गैस एजेंसी से सीधा संपर्क करें

आप गैस कंपनी के कस्टमर केयर नंबर पर संपर्क कर सकते हैं

ब्रेन ट्यूमर के लक्षणों को माइग्रेन समझकर इग्नोर तो नहीं कर रहे आप? ऐसे करें पहचान

ब्रेन ट्यूमर के कई लक्षण माइग्रेन से मिलते-जुलते होते हैं, इसमें अक्सर लोग कंफ्यूज हो जाते हैं। अब सवाल ये है कि कैसे पहचाना जाए कि आपको हो रहा सिरदर्द ब्रेन ट्यूमर की वजह से है या फिर माइग्रेन की वजह से?

क्या आपको भी बार-बार होता है सिरदर्द?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सिरदर्द को अक्सर हम सभी थकान, तनाव, नींद की कमी या मौसम बदलने से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। कई बार दर्द की गोली लेने के बाद आराम मिलते ही इसके कारणों को भूल जाते हैं। पर अगर यही सिरदर्द बार-बार हो रहा हो, हर बार काफी तीव्रता के साथ होता हो या फिर इसके साथ उल्टी, धुंधला दिखने या शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी जैसा लगे तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। कई बार ये ब्रेन ट्यूमर की तरफ संकेत हो सकता है।

ब्रेन ट्यूमर तब होता है जब मस्तिष्क या उसके आसपास की कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं। वैसे तो सभी ब्रेन ट्यूमर कैंसर नहीं होते, लेकिन कुछ मामलों में कैंसर का भी खतरा हो सकता है।

ब्रेन ट्यूमर की स्थिति बच्चों से लेकर किशोरों और बुजुर्ग किसी में भी हो सकता है।

यदि लगातार सिरदर्द, दौरे पड़ने, व्यवहार में बदलाव, याददाश्त की समस्यe के साथ बोलने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई दें, तो इसपर गंभीरता से ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है।

ब्रेन ट्यूमर के लक्षण माइग्रेन जैसे क्यों लगते हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ब्रेन ट्यूमर के लक्षण कई बार माइग्रेन से मिलते-जुलते हो सकते हैं। दोनों में सिरदर्द एक प्रमुख लक्षण देखा जाता है।

ट्यूमर बढ़ने पर मस्तिष्क के भीतर दबाव बढ़ सकता है या आसपास के ऊतकों पर असर पड़ सकता है, जिससे सिरदर्द, मतली और कभी-कभी रोशनी या आवाज से परेशानी जैसी शिकायतें हो सकती हैं। ये भी लक्षण माइग्रेन वाले लोगों में भी देखे जाते रहे हैं।

ब्रेन ट्यूमर और माइग्रेन में अंतर कैसे करें?

ब्रेन ट्यूमर और माइग्रेन दोनों स्थितियां बिल्कुल अलग हैं। इसके लक्षणों में अंतर करना जरूरी है।

माइग्रेन का दर्द कुछ घंटों से लेकर एक-दो दिन तक रह सकता है और दवाओं या आराम से कम हो जाता है। कई लोगों में तनाव, हार्मोनल बदलाव, नींद की कमी या कुछ खाद्य पदार्थ माइग्रेन को ट्रिगर कर सकते हैं।

इसके विपरीत, यदि आपको ऐसा लगे कि आपको गंभीर सिरदर्द महसूस हो रहा है और दर्द लगातार बढ़ रहा है, सुबह उठते ही दर्द ज्यादा होता है तो ये ब्रेन ट्यूमर की ओर इशारा हो सकता है।

इसके अलावा ब्रेन ट्यूमर के कई मामलों में बार-बार दौरे पड़ने, बोलने या देखने में समस्या हो, व्यक्तित्व में बदलाव दिख रहा हो या फिर शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें। ऐसे लक्षण मस्तिष्क से जुड़ी गंभीर समस्याओं या ब्रेन ट्यूमर की ओर इशारा हो सकते हैं।

शरीर में दिखें ये संकेत तो हो सकती है विटामिन डी की कमी

विटामिन D शरीर के लिए एक बेहद जरूरी पोषक तत्व है, जो हड्डियों, मांसपेशियों और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि आज की व्यस्त जीवनशैली, लंबे समय तक घर या ऑफिस में रहना और धूप की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग विटामिन D की कमी का शिकार हो रहे हैं।

समस्या यह है कि इसके शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य थकान या कमजोरी समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं। जबकि समय रहते इन संकेतों को पहचानना जरूरी है। अगर आपको इसके संकेतों के बारे में जानकारी नहीं है तो आइए जानते हैं इसके शुरुआती लक्षण और बचाव के तरीके।

विटामिन D की कमी के शुरुआती लक्षण

हर समय थकान और कमजोरी महसूस होना

यदि आप पर्याप्त नींद और आराम लेने के बावजूद दिनभर थकान, सुस्ती या कमजोरी महसूस करते हैं, तो यह विटामिन D की कमी का संकेत हो सकता है। विटामिन D शरीर में ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने और मांसपेशियों के बेहतर कार्य में मदद करता है। इसकी कमी होने पर व्यक्ति जल्दी थक जाता है और दैनिक काम करने में भी परेशानी महसूस कर सकता है। कई लोग इस लक्षण को सामान्य तनाव या व्यस्त जीवनशैली का असर मानकर नजरअंदाज कर देते हैं।

हड्डियों और जोड़ों में दर्द

विटामिन D शरीर में कैल्शियम और फॉस्फोरस के अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। जब शरीर में इसकी कमी होती है, तो हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और पीठ, घुटनों, कमर या अन्य जोड़ों में दर्द महसूस हो सकता है। लंबे समय तक कमी रहने पर हड्डियों के टूटने और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं का खतरा भी बढ़ सकता है।

मांसपेशियों में कमजोरी

मांसपेशियों में लगातार दर्द, ऐंठन या कमजोरी महसूस होना भी विटामिन D की कमी का एक प्रमुख लक्षण है। यह पोषक तत्व मांसपेशियों की ताकत और कार्यक्षमता को बनाए रखने में मदद करता है। इसकी कमी होने पर सीढ़ियां चढ़ने, वजन उठाने या सामान्य शारीरिक गतिविधियों में भी परेशानी हो सकती है। बुजुर्गों में यह समस्या गिरने और चोट लगने के जोखिम को भी बढ़ा सकती है।

बार-बार बीमार पड़ना

अगर आपको अक्सर सर्दी, खांसी, फ्लू या अन्य संक्रमण हो जाते हैं, तो इसके पीछे कमजोर इम्यून सिस्टम जिम्मेदार हो सकता है। विटामिन D रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी होने पर शरीर वायरस और बैक्टीरिया से प्रभावी ढंग से लड़ नहीं पाता, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

बालों का झड़ना

बालों का अत्यधिक झड़ना कई कारणों से हो सकता है, जिनमें पोषण की कमी भी शामिल है। विटामिन D बालों के रोम को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। जब शरीर में इसकी कमी हो जाती है, तो बाल कमजोर होकर टूटने और झड़ने लगते हैं। हालांकि हेयर फॉल के पीछे कई अन्य कारण भी हो सकते हैं, लेकिन लगातार बाल झड़ना विटामिन D की कमी का एक संभावित संकेत माना जाता है।

सावधान! इस एक गलती के कारण एसी में लग सकती है आग, चेक करें आप तो नहीं कर रहे

गर्मियों में एसी हमें ठंडी हवा देने का काम करता है। भले ही एसी चलाने पर कूलर-पंखे की तुलना में अधिक बिल आता है, लेकिन लोग गर्मियों में एसी का इस्तेमाल काफी करते हैं।

पर क्या आप जानते हैं कि एसी में आग क्यों लग सकती है? दरअसल, इसके पीछे हमारी एक छोटी सी गलती हो सकती है जिसके कारण एसी में आग लग सकती है। चलिए जानते हैं ये गलती क्या है...

किस गलती के कारण एसी में लग सकती है आग?

दरअसल, एसी की सर्विस करवाना तय समय पर जरूरी होता है

अधिकतर लोग एसी की सर्विस तब करवाते हैं, जब कूलिंग एकदम बंद हो जाती है या बिल्कुल कम हो जाती है। पर हमेशा एसी की सर्विस तय समय पर या गर्मी का सीजन शुरू होते ही एसी चलाने से पहले करवानी चाहिए । जब समय पर सर्विस नहीं करवाई जाती है तो इससे फिल्टर में गंदगी-धूल भर जाती है

इससे कूलिंग होने में सामान्य से अधिक समय लगता है जिसकी वजह से एसी को अधिक समय तक चलना पड़ता है। इन सब चीजों का दबाव एसी के कंप्रेसर पर पड़ता है ।वहीं, जब लगातार ऐसा होता रहता है तो एसी के कंप्रेसर पर दबाव बढ़ जाती है

इसी बढ़ते दबाव के कारण और गर्मी का तापमान अधिक होने के कारण कई बार एसी का कंप्रेसर फट सकता है। इससे कंप्रेसर में आग लग जाती है, इसलिए तय समय पर ही एसी की सर्विस करवानी चाहिए

एसी की सर्विस कब करवाएं?

एसी की सर्विस एसी चलाने से पहले करवानी होती है

जैसे- हर गर्मी के सीजन में आप जब भी एसी चलाने वाले हैं उससे पहले एसी की सर्विस करवा लें

एसी की सर्विस करवाते समय एसी के फिल्टर को अच्छे से साफ करवाएं और आउटडोर की धुलाई अच्छे से करवाएं ताकि, धूल-गंदगी निकल सके

तापसी पन्नू का फिटनेस चैलेंज

60 मिनट में किए 275 बर्पीज, 200 सिट-अप्स और 150 पुश-अप्स

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू ने सोशल मीडिया पर अपने हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट की झलक शेयर की और बताया कि एक घंटे के कठिन एक्सरसाइज सेशन के बाद उनकी क्या हालत हुई। तापसी पन्नू ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर वर्कआउट के बाद की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनके चेहरे पर थकान के साथ मेहनत की चमक भी दिखाई दे रही थी। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 60 मिनट में 275 बर्पीज, 200 सिट-अप्स, 150 पुश-अप्स और 150 एयर स्क्वॉट्स करने के बाद मेरी फीलिंग्स कुछ ऐसी हैं।₹ तापसी इससे पहले भी अपने वर्कआउट अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती रही हैं।

3 जून को उन्होंने अपनी एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें उनकी पीठ पर चोट के निशान दिखाई दे रहे थे। इसके साथ उन्होंने लिखा था, इस कहानी की सीख यह है कि खुरदुरी जमीन पर बैक और कोर की एक्सरसाइज एक साथ मत कीजिए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो 38 वर्षीय तापसी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2010 में तेलुगु फिल्म झुम्मांडी नादम से की थी। हिंदी सिनेमा में उन्होंने 2013 में निर्देशक डेविड धवन की फिल्म चश्मे बद्दूर से डेब्यू किया था।

तापसी हाल ही में निर्देशक अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी' में नजर आई थीं। यह एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा है, जो यौन उत्पीड़न के मामलों पर आधारित है। फिल्म में एक जांचकर्ता और बचाव पक्ष की टीम आंकड़ों के पीछे छिपे चौंकाने वाले सच और मानवीय दर्द को सामने लाने की कोशिश करती है।

अब तापसी जल्द ही नेटफ्लिक्स की फिल्म 'गांधारी' में दिखाई देंगी। फिल्म की कहानी एक ऐसी मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने मिशन को पूरा करने के लिए हर चुनौती का सामना करती है। रहस्य और दमदार एक्शन से भरपूर इस फिल्म में तापसी एक मजबूत और जुझारू मां के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ अभिनेता इश्वाक सिंह भी अहम भूमिका निभाएंगे।

तापसी बेबी, पिंक, मुल्क, द गाजी अटैक, मनमर्जियां, बदला, मिशन मंगल, सांड की आंख, थप्पड़, हसीन दिलरुबा, फिर आई हसीन दिलरुबा, रश्मि रॉकेट, डंकी और लूप लपेटा जैसी कई चर्चित फिल्मों में अपनी अभिनय प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं।

निजी जीवन की बात करें तो तापसी पन्नू ने पूर्व डेनिश बैडमिंटन खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता मैथियास बोए से शादी की थी।

भूमि पेडनेकर दो हफ्ते के लिए बनीं 'फॉर्म गर्ल'

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर हाल ही में अपने छोटे से अवकाश का भरपूर आनंद लेती नजर आईं, जहां उन्होंने प्रकृति की गोद में समय बिताया। इस दौरान वे नन्हे बकरियों के बच्चों और पूरी तरह जैविक (ऑर्गेनिक) माहौल के बीच सुकूनभरे पल बिताती दिखीं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपने व्यस्त कार्यक्रम से कुछ समय निकालकर प्रकृति के बीच सुकूनभरे पल बिताए। उन्होंने दो सप्ताह एक फार्म पर गुजारे, जिसे उन्होंने अपना घर से दूर दूसरा घर₹ बताया। भूमि ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस ग्रामीण प्रवास की कई झलकियां साझा कीं और प्रशंसकों को प्रकृति, घर में उगाए गए ताजा भोजन और फार्म के जानवरों से घिरे अपने जीवन की एक झलक दिखाई।

अपने प्रवास का एक वीडियो मोंटाज साझा करते हुए भूमि ने कैप्शन में लिखाः

मैं और मेईईईईन...दो हफ्ते तक एक फार्म गर्ल बनकर रही और यह अनुभव बेहद खास रहा।

यह मेरा घर से दूर दूसरा घर है, जहां मैं प्रकृति और अपनी पसंदीदा चीजों से घिरी रही।

पोस्ट की शुरुआत एक तस्वीर से होती है, जिसमें भूमि एक प्यारे सफेद बकरी के बच्चे को गोद में लिए हुए नजर आ रही हैं। काले रंग के एथलीजर परिधान में सजी अभिनेत्री मुस्कुराते हुए उसके साथ पोज देती दिखीं।

एक अन्य वीडियो में भूमि हरे-भरे जंगल के रास्तों पर ट्रेकिंग करती दिखाई देती हैं। उन्होंने फार्म की रोज़मर्रा की गतिविधियों की भी झलक साझा की, जिनमें बगीचे से ताज़ी सब्जियां तोड़ना शामिल था। एक वीडियो में वह घर के बगीचे से पत्तेदार सब्जी तोड़कर खाना बनाने के लिए लेती हुई नजर आती हैं।

अभिनेत्री ने फार्म-टू-टेबल जीवनशैली की भी झलक दिखाई। तस्वीरों में ताजी सामग्री से तैयार पौष्टिक भोजन दिखाई दिए, जिनमें रंग-बिरंगी सब्जियों के व्यंजन, सूप, पैनकेक आदि शामिल थे।

कार्य क्षेत्र की बात करें तो, बड़े पर्दे पर भूमि आखिरी बार फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में नजर आई थीं, जिसमें अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में थे।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वह वेब सीरीज़ 'दलदल' में दिखाई दी थीं। भूमि की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट्स से यह भी स्पष्ट होता है कि वह इन दिनों आध्यात्मिकता और प्रकृति को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी आत्मिक यात्रा के बारे में भी बात की थी, जब उन्होंने तिब्बत के आध्यात्मिक और सांसारिक नेता, 14वें दलाई लामा से मुलाकात की।

कुछ सप्ताह पहले भूमि ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर धर्मशाला यात्रा की तस्वीरें साझा की थीं, जहाँ उन्होंने दलाई लामा से मुलाकात की।

उन्होंने एक भावुक नोट भी लिखाः परम पूज्य दलाई लामा की उपस्थिति में सब कुछ हल्का, शांत और अवास्तविक-सा महसूस हो रहा था। वहां से निकलते ही मुझे एहसास हुआ कि मेरी आंखों से आँसू बह रहे थे।

उन्होंने आगे लिखाः यह एक ऐसा एहसास है जिसे मैं पूरी तरह शब्दों में नहीं बयां कर सकती, केवल गहराई से महसूस कर सकती हूँ।

मैं एक आंतरिक यात्रा पर हूं और ऐसे जादुई पल मेरे दिल को उस जीवन के लिए कृतज्ञता से भर देते हैं जो हमें मिला है। इतनी शांति, गरिमा और करुणा के क्षण का अनुभव करना मेरे लिए सचमुच एक आशीर्वाद है। यह याद हमेशा मेरे साथ रहेगी।

बचपन में जिन सितारों को देखती थी आज उनके साथ काम कर रही हूं : मोना सिंह

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में अभिनेत्री मोना सिंह ने मेहनत और समर्पण के दम पर खास मुकाम बनाया है। इस कड़ी में मोना सिंह ने अपने सफल करियर का राज खोला है। उन्होंने बताया कि सफलता का सबसे बड़ा राज अपने काम से प्यार करना और कभी हार न मानना है। मोना सिंह ने अपने करियर के सफर को याद किया और बताया, "मैंने हमेशा एक बात पर भरोसा किया है कि अगर इंसान की नीयत सही हो और वह अपने काम को पूरी ईमानदारी से करे, अपने हुनर को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश करे, तो उसे काम जरूर मिलता है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए सिर्फ प्रतिभा ही काफी नहीं होती, बल्कि अनुशासन और मेहनत भी उतना ही जरूरी होता है। यही बातें मुझे लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रही हैं।" मोना ने कहा, "मैं बचपन में जिन कलाकारों और फिल्मों को बड़े ध्यान से

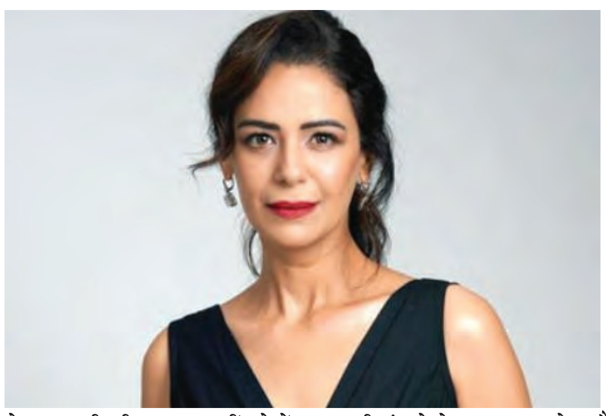

देखा करती थी, आज उन्हीं लोगों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। यह मेरे लिए बेहद गर्व और खुशी की बात है। जब मैं उन कलाकारों से मिलती हूं, उनके साथ शूटिंग करती हूं और उनकी आवाज में अपना नाम सुनती हूं, तो ऐसा महसूस होता है कि जैसे मेरी मेहनत सफल हो गई है। मैंने अपने करियर में जो भी हासिल किया है, वह लगातार मेहनत और धैर्य का नतीजा है।"

इन दिनों मोना सिंह कई बड़े और चर्चित प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं। हाल के समय में वह 'हैप्पी पटेल', 'बॉर्डर 2', 'कोहरा सीजन 2', 'सूबेदार' और 'मां का सम' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आई थीं। अब जल्द ही वह राजकुमार हिरानी की डेब्यू सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में भी दिखेंगी।

इस सीरीज का निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है। वहीं, अरशद वारसी, वीर हिरानी, विक्रांत मैसी, बोमन ईरानी और मोना सिंह अहम भूमिकाओं में हैं। कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर सीरीज 3 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

'मैं भूल नहीं पाती', सूरज नांबियार से सेपरेशन के बाद बोलीं मौनी राय; कहा- मैं आसानी से माफ कर देती हूं

अपने पति सूरज नांबियार से अलग होने की घोषणा के कुछ दिनों बाद एक्ट्रेस मौनी रॉय ने माफी, भावनात्मक घावों और मुश्किल अनुभवों से उबरने में आध्यात्मिकता की भूमिका के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि समय के साथ माफी को लेकर उनकी समझ कैसे बदली है। इस बीच वो एक्टिंग में भी लगातार सक्रिय हैं।

मैं आसानी से माफ कर देती हूं

मौनी रॉय ने कहा कि कम उम्र में भी लोगों को माफ करना कभी मुश्किल काम नहीं था। असली चुनौती तो उसके बाद भी रह जाने वाले दर्द को भूलना थी। जब मैं बहुत छोटी थी, तब मैं बहुत आसानी से माफ कर देती थी और आज भी करती हूं, लेकिन मैं भूल नहीं पाती थी। अब अपनी पर्सनल और आध्यात्मिक यात्रा के साथ मुझे लगता है कि बस माफ कर देना चाहिए। भगवान ही आपको भुलाने में मदद करते हैं।

ज्यादा तकलीफ उसे होती है, जो छोड़ नहीं पाता

मौनी ने माफी को एक ऐसी प्रक्रिया बताया जो तब आसान हो जाती है, जब आप दुख को हमेशा ढोते रहने वाली चीज मानना छोड़ देते हैं। उनके अनुसार, नाराजगी को मन में बनाए रखने से अक्सर उसी व्यक्ति को ज्यादा तकलीफ होती है जो उसे छोड़ नहीं पाता। अगर आप इसे जाने नहीं देंगे, तो सबसे ज्यादा तकलीफ आपको ही होगी।

उन्होंने उस असंतुलन के बारे में भी बात की जो अक्सर किसी के दुख पहुंचाने के बाद पैदा होता है। उन्होंने कहा कि जिसे दुख पहुंचा है, वह उस अनुभव को लंबे समय तक बार-बार याद करता रह सकता है, जबकि दूसरा व्यक्ति उससे आगे बढ़ चुका होता है। कभी-कभी जिस व्यक्ति ने आपको दुख पहुंचाया होता है, वह इसके बारे में सोच भी नहीं रहा होता, चाहे उन्होंने आपको कितना भी गहरा दुख क्यों न दिया हो।

मेडिटेशन ने बदला नजरिया

एक्ट्रेस ने हाल के साल में ज्यादा शांति और स्पष्टता पाने का श्रेय मेडिटेशन, मंत्र-जाप और आध्यात्मिकता जैसी चीजों को दिया। उन्होंने बताया कि इन अनुभवों ने रिश्तों, निराशा और इमोशनल रिकवरी के प्रति उनके नजरिए को बदल दिया है।

साथ ही मौनी ने यह भी साफ किया कि माफ करने का मतलब नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को नजरअंदाज करना या उसके अस्तित्व को नकारना नहीं है। उन्होंने किसी व्यक्ति को जज करने और नुकसानदेह कामों या आदतों को पहचानने के बीच फर्क बताया।

उन्होंने समझाया कि कुछ बुरे लोग होते हैं जो आपको दुख पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। मैं उस व्यक्ति को बुरा नहीं कह रही हूं, बल्कि उनकी आदतों को बुरा कह रही हूं।

'अब होगा हिसाब' में नजर आईं मौनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी रॉय आखिरी बार 'अब होगा हिसाब' में नजर आई हैं। इसमें उनके साथ शाहिर शेख, संजय कपूर और अविनाश मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। इससे पहले मौनी वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में भी नजर आई थीं।

खुशाली कुमार की 'दुल्हनिया ले आएगी' फैमिली एंटरटेनर होगी

अभिनेत्री खुशाली कुमार की आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर आज जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर में खुशाली कुमारी सजी-धजी दुल्हन के जोड़े में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है।

ऐसा है फर्स्ट लुक

मेकर्स की ओर से जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में खुशाली कुमार दिखाई दे रही हैं। इस फर्स्ट लुक में खुशाली कुमार लाल रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं। दुल्हन की तरह सजी-धजी खुशाली सिर पर मांग टीका और हाथों में चूड़ा पहने हुए हैं।

इसके साथ ही वो आंखों पर काला चश्मा भी लगाए हुए हैं। इस पोस्टर में खुशाली पगड़ियों के ढेर के ऊपर लेटी हुई हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। 'दुल्हनिया ले आएगी' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर भी निभाएंगे अहम भूमिकाएं

इस फिल्म में खुशाली कुमार के अलावा पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर जैसे मंझे हुए कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन आकाशदित्य लामा ने किया है, जो दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन के असिस्टेंट भी रह चुके हैं। यही कारण है कि कुछ दिन पहले प्रियदर्शन ने भी इस फिल्म को प्रमोट किया था। जबकि फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ बनर्जी, आकाशदित्य लामा और विकास अग्रवाल ने किया है।

मेकर्स ने अभी तक फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा खुलासे नहीं किए हैं। हालांकि, फिल्म के टाइटल और शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि यह एक पारिवारिक ड्रामा होगी। इसमें रिश्तों, त्योहारों, शादी के जश्न और अचानक पैदा होने वाली मजेदार परिस्थितियों को दिखाया जाएगा। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है, जिसमें हल्के-फुल्के मनोरंजन के साथ-साथ इमोशनल पल भी होंगे।

कोलकाता में निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 5 की मौत

50-55 लोगों के दबे होने की आशंका, 14 का रेस्क्यू, सेना भी बचाव में जुटी

कोलकाता, 24 जून (एजेंसियां)। दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 1.30 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड अचानक गिर गया। घटना में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। 50 से 55 लोगों के दबे होने की आशंका है।

मलबे में दबे 14 लोगों का रेस्क्यू कर बाहर निकाला जा चुका है। सभी घायलों को इलाज के लिए एसएसकेएम अस्पताल के ट्रॉमा केयर सेंटर में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कंक्रीट ढलाई का काम चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, रेस्क्यू में कोलकाता पुलिस, डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप, सिविल डिफेंस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज और सेना भी जुटी है।

मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। गैस कटर से लोहे की छड़ों को काटा जा रहा है। मलबे में दबे मजदूरों-कर्मचारियों की चीखें भी सुनाई दे रही हैं, उनके जल्द से जल्द रेस्क्यू के प्रयास जारी हैं।

हादसे के बाद बचाव कार्य के दौरान एक युवक अंकित सिंह ने मलबे में फंसे एक मजदूर को ढूंढने में अहम भूमिका निभाई। उसने घायल मजदूर का पैर पकड़कर बचाव दल को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकालने का प्रयास तेज कर दिया।

मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार-बार कह रहा था- 'मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो।

सरकार ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री अग्निमित्रा पॉल और कौशिक चौधरी समेत कई मंत्री भी मौजूद रहे। राज्य सरकार ने लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर 1070, 8697981070 और 033-22143526/22535185 जारी किए हैं। जानकारी के मुताबिक गोदाम की जमीन ओडिशा के व्यवसायी की थी जिन्होंने किसी प्रायवेट फर्म को इसे लीज पर दिया था।

सीआरपीएफ ने डीआईजी को सस्पेंड किया

सीएपीएफ बिल का विरोध करने वाले मैसेज शेयर किए थे

त्रिपुरा, 24 जून (एजेंसियां)। सीआरपीएफ ने एक सीनियर डीआईजी-रैंक के अधिकारी को सस्पेंड कर दिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने हाल ही में सीएपीएफ बिल पास होने के दौरान सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट शेयर किया था। इन फोर्सेज के कैडर अधिकारियों ने इस बिल को भेदभावपूर्ण बताया था। देश की 10 लाख जवानों वाली सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज में लीडरशिप की भूमिका निभाने वाले लगभग 15,000 कैडर अधिकारियों में से यह अपनी तरह का पहला मामला है। अधिकारियों ने बताया कि जिस अधिकारी पर कार्रवाई हुई है, वे अगरतला में फोर्स के त्रिपुरा सेक्टर हेडक्वार्टर में तैनात डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल बीसी पात्रा हैं। 1994-बैच के सीआरपीएफ कैडर अधिकारी पात्रा, फेडरल काउंटर-टेररिस्ट कमांडो फोर्स एनएसजी के साथ डेप्युटेशन पर काम करने के बाद अप्रैल में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स में लौटे थे।

युवक की पीटकर हत्या

प्रेमिका के परिजनों पर हत्या का आरोप, पिटाई के बाद अधमरी हालत में घर पर छोड़ गए थे आरोपी

चतरा, 24 जून (एजेंसियां)। चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र में एक युवक की प्रेम प्रसंग में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। युवक का शव बघमारी गांव स्थित उसके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों का आरोप है कि गांव की एक महिला के साथ प्रेम प्रसंग था। इसी बात पर महिला के परिजनों ने युवक की बेरहमी से पिटाई की थी। इस पिटाई के बाद युवक की मौत हो गई।

शादी से मना किया तो हनीमून की डीपफेक तस्वीरें बनाईं

एक दिन में 500 टैक्सी घर भेजीं, गोद भराई के फर्जी कार्ड बंटवा दिए

भोपाल, 24 जून (एजेंसियां)। एमपी की युवती का राजस्थान के युवक से शादी का इनकार पूरे परिवार के लिए मुसीबत बन गया। युवक ने उसके नाम-पते पर एक दिन में 500 टैक्सियां बुक कर दीं। युवती के उत्पीड़न का ये सिलसिला यहीं नहीं थमा। युवक ने AI से अपने साथ हनीमून, निजी पलों और गोदभराई के फोटो बनाकर फर्जी आईडी से पोस्ट कर दिए। इनका स्टेटस लगाया। युवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। फिर राज्य महिला आयोग से न्याय की गुहार लगाई।

मामले की शुरुआत मेट्रिमोनियल साइट जीवनसाथी डॉट कॉम से होती है, जहां भोपाल की युवती की बहन ने प्रोफाइल बनाई। युवती के मुताबिक, इस दौरान उसकी बातचीत राजस्थान के उदयपुर निवासी युवक से हुई। परिवार की मौजूदगी में दोनों की एक मुलाकात भी हुई, लेकिन युवक का व्यवहार संदिग्ध लगा। परिवार ने रिश्ता आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया। यही इनकार परेशानी का कारण बन गया।

आरोप है कि इसके बाद युवक लगातार कॉल और मैसेज करने लगा। इससे परेशान युवती ने जुलाई 2025 में उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। इसके बावजूद वह अलग-अलग नंबरों से संपर्क करता रहा और परिवार के अन्य सदस्यों को भी परेशान करने लगा। युवती ने बताया कि आरोपी ने अपने सारे कॉल उसके नंबर पर फॉरवर्ड कर दिए थे। पुलिस भी जब आरोपी को कॉल कर रही थी तो कॉल युवती के फोन पर आ रहा था। युवती ने आयोग को बताया कि जनवरी 2026 में आरोपी ने उसका मोबाइल नंबर इस्तेमाल कर ओला, उबर और रैपिडो जैसी सेवाओं पर लगातार बुकिंग कराईं। एक दिन में करीब 500 टैक्सी और बाइक उसके घर पहुंच गईं। वो मेरे लोकेशन से उज्जैन के लिए टैक्सी बुक करता था, जिससे ज्यादा कमाई के लिए टैक्सी ड्राइवर दूर दूर से राइड एक्सेप्ट कर लेते थे।

इससे न सिर्फ परिवार परेशान हुआ बल्कि कई ड्राइवर भी बिना सवारी के घर तक पहुंचकर परेशान होते रहे। बाद में टैक्सी चालकों ने भी युवती के लिए गवाही देने को कहा।

टेंडर घोटाला केस में 7 के खिलाफ 4 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल

पटना, 24 जून (एजेंसियां)। बिहार में हुए टेंडर घोटाला केस की जांच कर रही एसवीयू ने 7 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। 4 हजार पन्नों की चार्जशीट में मामले से जुड़े कई अहम सबूत और जांच की डिटेल शामिल किए गए हैं।

एडीजी पंकज दराद ने बताया कि रिशु श्री, संजीव हंस, संतोष कुमार, पवन कुमार और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ केस में मुमुक्षु चौधरी, तारिणी दास और उमेश सिंह के खिलाफ भी सबूत मिले हैं, जिसके आधार पर चार्जशीट तैयार की गई है।

टेंडर में दलाली करना, सरकारी अधिकारियों को कमीशन के जरिए मैनेज किया जाता था। सहरसा में रिशुश्री ने काफी टेंडर मैनेज किया था। इसके सबूत मिले हैं। एडीजी के अनुसार, तारिणी दास ने 10 टेंडर दिलवाया था।

एडीजी ने बताया, "हमारी जांच में गवाहों के बयान दर्ज किए गए। सहरसा और सीतामढ़ी समेत कई जगहों पर हमारी टीम गई। कुल 7 लोगों को अभियुक्त मानते हुए आज कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है।" उन्होंने कहा कि कोसी बराज का टेंडर रिशु श्री ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर पहले अहमदाबाद की एक कंपनी को दिलवाया था। बाद में पवन कुमार की डायरेक्टरशिप वाली अपनी कंपनी को यह काम दिलाया गया। आगे पंकज दराद ने कहा, "संजीव हंस ने सुनील कुमार सिन्हा के माध्यम से गायत्री देवी को 90 लाख रुपये दिए थे। रिशु श्री का तरीका यह था कि वह अपनी पसंदीदा कंपनियों को आगे बढ़ाकर उन्हें टेंडर दिलाने का प्रयास करता था।

प्रशांत किशोर बोले- बिहार संविधान से चलेगा सम्राट से नहीं

भरत तिवारी एनकाउंटर के विरोध में महापंचायत 5000 लोगों की भीड़, बोले- पुलिस पर एक्शन हो

भोजपुर, 24 जून (एजेंसियां)। भोजपुर के भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर के विरोध में बिलौटी गांव में महापंचायत चल रही है। इसमें जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर भी मौजूद हैं। इससे पहले प्रशांत किशोर ने भरत के परिवार से मुलाकात की और न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

महापंचायत में पीके ने कहा कि जांच में गृह मंत्री की भूमिका की जांच होगी। एसटीएफ के अधिकारी की जांच होगी, जिसने पटना से मारने का आदेश दिया है। क्या मजिस्ट्रेट पर जांच होगी जिसने गोली चलाने के आदेश पर साइन किया है। ये बिहार के लोगों का राज है। बिलौटी गांव से लेकर हाई-वे तक भरत तिवारी के पोस्टर लगाए गए हैं। इसमें उसे शहीद बताते हुए इंसाफ की मांग की गई है।

कुछ लोग भरत तिवारी के घर तिरंगा लेकर पहुंचे। यहां सम्राट चौधरी के खिलाफ नारेबाजी की गई। भरत तिवारी अमर रहे के नारे लगे। बिलौटी गांव में करीब 1000 गाड़ियां पहुंच चुकी हैं। 5000 से ज्यादा लोग मौजूद हैं।

17 जून को भरत तिवारी का पुलिस ने एनकाउंटर किया था। बेटे की मौत के बाद परिवार ने मुठभेड़ पर सवाल खड़े किए थे। मां ने पुलिस वालों के खिलाफ थाने में एफआईआर भी दर्ज करवाई है।

मामले में एसडीपीओ, एसएचओ और अन्य पुलिसकर्मियों पर हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। बुधवार की सुबह सरकार ने जगदीशपुर एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा को लाइन हाजिर कर दिया है।

जमीन के अंदर दबा मिला बेशकीमती खजाना

मिले करोड़ों की कीमत के 5 हीरे, यहां बड़े भंडार का संकेत

महासमुंद, 24 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले का नाम महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गया है। जिले के सरायपाली क्षेत्र स्थित बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में पांच हीरे मिले हैं।

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड द्वारा 200 टन बल्क सैंपल के परीक्षण एवं प्रसंस्करण के बाद कुल 5 हीरे मिले हैं। जिनका कुल वजन 1.22 कैरेट है। यह उपलब्धि क्षेत्र में हीरा खनिजीकरण की संभावनाओं की पुष्टि करती है।

हीरे मिलने के बाद यहां भविष्य में बड़े पैमाने पर निवेश, राजस्व सृजन और रोजगार के नए अवसरों का आधार बन सकती है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड द्वारा राज्य शासन को उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, बलौदा-बेलमुंडी क्षेत्र में किए गए वैज्ञानिक सर्वेक्षण, स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, भू-भौतिकीय अध्ययन तथा अन्वेषण ड्रिलिंग के आधार पर चिन्हित क्षेत्र से लगभग 200 टन खनिज सामग्री का बल्क सैंपल एकत्रित कर परीक्षण किया गया। जहां से पांच हीरे मिले हैं। जिसमें दो जेम क्वालिटी तथा तीन अन्य श्रेणी के हीरे शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत उत्साहजनक बताते हुए कहा कि प्रदेश की आर्थिक क्षमता और प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक दोहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक अन्वेषण, पारदर्शी प्रबंधन और मूल्य संवर्धन आधारित औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पहले से ही देश के प्रमुख खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल है और लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट तथा चूना पत्थर के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

अब हीरा संभावनाओं की पुष्टि से प्रदेश की खनिज विविधता और अधिक समृद्ध होगी तथा खनिज अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए राज्य सरकार खनिज, कृषि, उद्योग, अधोसंरचना और मानव संसाधन विकास के सभी क्षेत्रों में समान रूप से कार्य कर रही है।

आकाश इंस्टीट्यूट में शॉर्ट सर्किट, धुआं उठा

आगरा, 24 जून (एजेंसियां)। आगरा में मंगलवार सुबह 11.15 बजे आकाश इंस्टीट्यूट में शॉर्ट सर्किट के बाद धुआं उठा। बेसमेंट से उठे धुएं को देखकर छात्र और टीचर घबरा गए। सभी तुरंत भागकर सड़क पर आ गए। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस दौरान 100 से ज्यादा स्टूडेंट्स कोचिंग में पढ़ाई कर रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बेसमेंट से अचानक धुआं निकलता दिखाई दिया। लोग चिल्लाने लगे। टीचर्स ने तत्काल सभी कक्षाएं खाली कराईं। इसके बाद किसी ने बिजली की मेन लाइन काट दी। पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर विभाग के अफसर कोचिंग सेंटर पहुंचे। जांच की।

दरअसल, सोमवार को लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में भीषण आग लग गई थी।

शिवसेना उद्धव गुट को संसद में ऑफिस खाली करना होगा

टूट के बाद सांसदों की संख्या 5 से कम 2 सांसद लोकसभा स्पीकर से मिलेंगे

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) को संसद भवन में अपना मौजूदा ऑफिस खाली करना पड़ सकता है। संसद भवन के नियमों के मुताबिक, सिर्फ 5 या उससे ज्यादा सांसदों वाली पार्टी को संसद भवन में ऑफिस मिल सकता है।

लोकसभा अध्यक्ष जैसे ही छह सांसदों के शिंदे गुट में विलय को औपचारिक मान्यता दे देते हैं। यूबीटी के पास सिर्फ 4 सांसद (3 लोकसभा और 1 राज्यसभा) रह जाएंगे। ऐसे में संसद भवन में उन्हें अपना मौजूदा ऑफिस (128ए) खाली करना पड़ सकता है।

पार्टी के दो लोकसभा सांसद अनिल देसाई और अरविंद सावंत बुधवार शाम लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के चैंबर में उनसे मुलाकात करेंगे। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में 22 जून को बगावत हो गई थी। लोकसभा के कुल 9 में से 6 सांसद पार्टी से अलग होकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए थे।

शिवसेना में 4 साल में दूसरी टूट

शिंदे के साथ सभी 6 सांसदों ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर टूट का ऐलान किया। शिंदे ने कहा, 'जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब हमने छक्का लगाया है।'

उन्होंने कहा, ' हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों को बचाने के लिए है, इसीलिए आज ये 6 सांसद बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल हुए।' उद्धव के शिवसेना का मुखिया रहते पार्टी में 4 साल में यह दूसरी बड़ी बगावत है।

मानसून एमपी पहुंचा, 9 दिन लेट एंट्री

4 दिन में पूरा राज्य कवर करेगा, मुंबई में बारिश से पेड़ उखड़े, कई गाड़ियां दबीं

भोपाल/जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश-गुजरात में बुधवार को 9 दिन की देरी से मानसून की एंट्री हुई। दोनों राज्यों में मानसून आने की सामान्य तारीख 15 जून रहती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून अगले 4 दिन में पूरे मध्य प्रदेश को कवर कर सकता है। इसी के साथ मानसून ने अब देश के 22 राज्यों को कवर कर दिया है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है।

वहीं, मंगलवार को मुंबई में 13 दिन की देरी से मानसून की एंट्री हुई थी। इसके बाद से मुंबई में तेज बारिश जारी है। मंगलवार सुबह 8 बजे से बुधवार सुबह 7 बजे तक मलवणी फायर स्टेशन में 334एमएम और एफ/साउथ वार्ड में 328एमएम बारिश हुई। 27 इलाकों में 200एमएम से 300एमएम के बीच बारिश हुई।

मुंबई में अंधेरी सब-वे में पानी भर गया। इसे अस्थाई रूप से बंद किया गया है। विक्रोली वेस्ट में रिहायशी इमारत के पास बनी रिटेनिंग वॉल गिर गई। कई इलाकों में पेड़ उखड़े, जिसकी चपेट में आने से कई वाहनों को नुकसान पहुंचा। इधर, अरुणाचल प्रदेश में पिछले एक हफ्ते से तेज बारिश जारी है। आज सुबह कीयी पन्योर जिले में याजाली सर्किल के नीपको प्रोजेक्ट कॉलोनी में बाढ़ आ गई।

घटना में 3 लोग लापता हुए हैं। 18 से ज्याद घरों को नुकसान पहुंचा है। कई निचले इलाकों में पानी भर गया है।

आईएएस पंकज अग्रवाल की गिरफ्तारी से मचा हड़कंप

धनबाद, 24 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के बहुचर्चित 661 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले मामले में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल की गिरफ्तारी ने प्रशासनिक गलियारों से लेकर उनके पैतृक शहर धनबाद तक सनसनी फैला दी है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक से जुड़े इस वित्तीय घोटाले में केंद्रीय जांच एजेंसी की कार्रवाई ने देशभर में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। वहीं, धनबाद में उनके परिवार ने गिरफ्तारी पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया है। धनबाद के महुदा बाजार स्थित मारवाड़ी कॉलोनी में रहने वाले पंकज अग्रवाल के बड़े भाई नंदकिशोर अग्रवाल ने गिरफ्तारी की खबर पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि उनका छोटा भाई पूरे प्रशासनिक जीवन में अपनी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाना जाता रहा है, ऐसे में इन आरोपों का कोई आधार नहीं है। नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा, हम पांच भाई हैं और पंकज सबसे छोटा है। उसने हमेशा पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। परिवार को पूरा भरोसा है कि किसी निजी रंजिश या सुनियोजित साजिश के तहत उसे इस मामले में फंसाया जा रहा है।

हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। नंदकिशोर ने आगे बताया कि पंकज अग्रवाल की प्रशासनिक व्यस्तताओं के कारण उनका धनबाद आना-जाना भले ही सीमित हो गया था, लेकिन परिवार के साथ उनका भावनात्मक जुड़ाव सदैव बना रहा।

चोरी के सवा करोड़ के गारमेंट्स बरामद

देवघर, 24 जून (एजेंसियां)। देवघर के पाथरोल थाना क्षेत्र में पुलिस ने अंतरराज्यीय ट्रांसपोर्ट चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पाथरोल और पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर थाना की संयुक्त पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए करीब सवा करोड़ रुपये मूल्य के गारमेंट्स और अन्य सामान बरामद किए हैं। हालांकि, इस मामले में शामिल ट्रक चालक और अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं।

यह मामला लगभग 20 दिन पहले का है, जब गुरुग्राम स्थित बराल लॉजिस्टिक से पश्चिम बंगाल के लिए गारमेंट्स और अन्य सामग्री से भरा एक ट्रक रवाना हुआ था। रास्ते में ही पूरा माल गायब हो गया था, जिसके बाद पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर मंगलवार को पाथरोल थाना क्षेत्र के कोल्होड़ गांव स्थित हमीद अंसारी के मकान में संयुक्त छापेमारी की गई। इस छापेमारी में पुलिस ने चोरी की पूरी खेप बरामद कर ली। बरामद सामान की अनुमानित कीमत करीब सवा करोड़ रुपये बताई जा रही है।

बराल लॉजिस्टिक के संचालक खिमराज बराल ने बताया कि 30 मई को झारखंड के बरही निवासी चालक पवन यादव ट्रक लेकर गुरुग्राम से निकला था। आरोप है कि उसने बरकट्ठा निवासी जावेद अंसारी के साथ मिलकर रास्ते में माल को दूसरे ट्रक में स्थानांतरित कर दिया और फरार हो गया। जावेद अंसारी ने चोरी का सामान पाथरोल के कोल्होड़ गांव स्थित एक मकान में उतारा और खाली ट्रक को दुर्गापुर में सड़क किनारे छोड़कर भाग गया।

पुलिस ने चोरी की पूरी खेप बरामद कर ली है। फिलहाल, दोनों फरार चालकों और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है। पुलिस को आशंका है कि यह गिरोह मालवाहक ट्रकों से सामान की हेराफेरी करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना है।

हाथी के हमले से व्यक्ति की मौत

सरायकेला-चाईबासा में आतंक, ईचागढ़ में महिला घायल, वन विभाग पर लापरवाही का आरोप

जमशेदपुर, 24 जून (एजेंसियां)। कोल्हान क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक बढ़ गया है। सरायकेला-खरसावां और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में हुई दो अलग-अलग घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इन घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड के पात्थरबासा गांव के कोकलोटाला निवासी दिलेश्वर जातराम (48) की दंतैल हाथी के हमले से मौत हो गई। मंगलवार रात करीब दो बजे वे लघुशंका के लिए घर से बाहर निकले थे, तभी अंधेरे में घर के पास खड़े हाथी ने उन पर हमला कर दिया।

हाथी ने उन्हें सूंड से उठाकर पटक दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सरायकेला-खरसावां जिले के ईचागढ़ प्रखंड के मौसाढ़ा गांव में हाथियों के झुंड ने एक मकान की दीवार तोड़ दी।

26 ईसाई परिवारों को गांव से बाहर निकाला

नारायणपुर, 24 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में धर्मांतरण को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। ईसाई धर्म को मानने वाले 26 परिवारों का आरोप है कि मंगलवार को गांव के कुछ ग्रामीणों ने उन्हें गांव छोड़ने का फरमान सुनाया और घरों से बाहर निकाल दिया। इसके बाद सभी परिवार गांव के बाहर पेड़ों की छांव में रहने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि वे गांव छोड़कर नहीं जाना चाहते। वहीं, मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने गांव में बड़ी संख्या में जवानों की तैनाती कर दी है। मामला भरेंडा थाना क्षेत्र के भरेंडा गांव का है।

इस विवाद के बाद गांव वालों ने ईसाई धर्म को मानने वालों को अल्टीमेटम दिया है कि, वे एक महीने के अंदर मूल धर्म में लौट आएं। नहीं तो गांव से बाहर किया जाएगा। इस बात पर दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ है। गांव से बाहर निकाले गए ग्रामीण अपने घर लौट गए हैं। हालांकि, इस विवाद को देखते हुए पुलिस फोर्स तैनात किया गया है।

बताया जा रहा है कि, दिसंबर 2025 से गांव का माहौल तनावपूर्ण बना हुआ था। बीच-बीच में विवाद की घटनाएं सामने आती रहीं, लेकिन 9 जून 2026 के बाद से स्थिति और ज्यादा बिगड़ गई। उस दिन दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई थी।

इस घटना में कुछ महिलाओं के घायल होने की भी सूचना मिली थी। हालांकि, पुलिस और प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद मामला कुछ समय के लिए शांत हो गया था, लेकिन पिछले दो दिनों से धर्मांतरण को लेकर मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में बड़ी संख्या में लोगों ने ईसाई धर्म अपना लिया है, जिससे उनकी पारंपरिक आदिवासी संस्कृति, रीति-रिवाजों और सामाजिक व्यवस्था पर असर पड़ रहा है। इसी को लेकर ग्रामीणों का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है।

ईसाई धर्म मानने वाले परिवारों का कहना है कि गांव के गयता, पटेल समेत कुछ ग्रामीण आज सुबह उनके घर पहुंचे और एक-एक कर 26 परिवारों को गांव छोड़ने के लिए कहा। परिवारों का आरोप है कि उन्हें जबरन घरों से बाहर निकाल दिया गया, जिसके बाद वे गांव के बाहर खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए हैं। ईसाई धर्म मानने वाले संत राम दुग्गा, चैतू कुमेटी, मनायकु वट्टी समेत अन्य लोगों का कहना है कि वे सालों से गांव में रह रहे हैं, लेकिन अब उन्हें अपने धार्मिक विश्वास के कारण निशाना बनाया जा रहा है। उनका आरोप है कि उनका सामाजिक बहिष्कार किया जा रहा है और उन्हें गांव में रहने नहीं दिया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नारायणपुर पुलिस ने पूरे गांव में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। किसी भी तरह की अप्रिय घटना और दोनों पक्षों के बीच संभावित टकराव को रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

कच्चे तेल की कीमत चार महीनों के निचले स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर बुधवार को कच्चे तेल पर दबाव देखने को मिला और इससे दाम करीब चार महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। इसकी वजह अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता से आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होना है। सत्र में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ब्रेंट क्रूड का दाम 0.70 प्रतिशत कम होकर 76 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72.76 डॉलर प्रति बैरल पर था। होर्मुज स्ट्रेट से तेल की आपूर्ति में लंबे समय तक रुकावट की चिंता कम होने के बाद पिछले महीने कच्चे तेल में 20 प्रतिशत से ज्यादा की भारी गिरावट देखी गई है। बाजार के सेंटीमेंट में बदलाव ऐसे समय पर हुआ है, जब ईरान के साथ टकराव शुरू होने के बाद से खाड़ी में फंसे तेल टैंकर, रणनीतिक रूप से अहम जलमार्ग से फिर से गुजरने की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा, अमेरिका, ईरान और इलाके के दूसरे अहम देशों के बीच कूटनीतिक कोशिशों से भी तेल की आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं।

व्यापार समझौता अंतिम चरण में पहुंचा

अमेरिकी अधिकारी ने कहा-हम समझौते के बेहद करीब

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता को लेकर दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए अमेरिकी की उप सहायक सचिव बेथनी पॉलोस मॉरिसन ने बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने कहा दोनों देश इस समझौते को पूरा करने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने एक कार्यक्रम में बताया कि फरवरी 2026 में इस समझौते को अंतिम रूप देने का इरादा जताया गया था और अब हम समझौते के बहुत, बहुत करीब हैं।

उन्होंने आगे कहा, इस प्रस्तावित समझौते से अमेरिका के कई सामान के लिए भारत का 1.4 अरब लोगों का विशाल बाजार खुल जाएगा। यह समझौता दोनों देशों के लिए बराबरी के आधार पर फायदेमंद होगा। अमेरिकी प्रशासन मिशन 500 के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रहा है। इसका उद्देश्य साल 2030 तक दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दोनों पक्ष काफी गंभीरता दिखा रहे हैं। व्यापार के आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2025 भारत और अमेरिका के लिए एक ऐतिहासिक साल रहा है। इस दौरान दोनों देशों के बीच सामान का द्विपक्षीय व्यापार 149 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह साल 2024 के मुकाबले 20 मिलियन डॉलर से भी ज्यादा की बढ़ोतरी है। केवल भारत को होने वाले अमेरिकी निर्यात में ही 9.8 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। निवेश के मामले में भी भारतीय कंपनियां अमेरिका में काफी दिलचस्पी दिखा रही हैं। 'सिलेक्ट यूएसए' कार्यक्रम के दौरान भारत की ओर से अमेरिका में 20 अरब डॉलर के नए निवेश की संभावना दिखी। इसमें से 1.1 अरब डॉलर का निवेश तुरंत किया गया है। दोनों देश अपने आर्थिक रिश्तों को विस्तार देने के लिए बहुत तेजी से कदम उठा रहे हैं।

अदाणी ग्रुप का 1.53 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश

गौतम अदाणी बोले-2035 तक 10 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। ऊर्जा क्षेत्र में अपना दबदबा और मजबूत करते हुए अदाणी समूह ने न्यूक्लियर एनर्जी (परमाणु ऊर्जा) सेक्टर में कदम रखने का बड़ा ऐलान किया है। बुधवार को कंपनी की एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) में चेयरमैन गौतम अदाणी ने बताया कि समूह 2035 तक 10 गीगावाट (जीडब्ल्यू) न्यूक्लियर पावर क्षमता विकसित करेगा। इस कदम से समूह अब थर्मल, रिन्यूएबल, हाइड्रो और गैस के बाद परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगा।

अदाणी ने शेयरधारकों को संबोधित करते हुए बताया कि परमाणु ऊर्जा उद्यम, अदाणी एटॉमिक एनर्जी के लिए भूमि की पहचान कर ली गई है। यह बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता और बिजली की बढ़ती मांग के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। समूह का लक्ष्य स्वच्छ और चौबीसों घंटे बिजली की बढ़ती राष्ट्रीय मांग को पूरा करना है। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब समूह ऊर्जा मूल्य श्रृंखला में निवेश बढ़ा रहा है।

ऊर्जा सुरक्षा अब राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में उभरी है। अरबपति उद्योगपति ने कहा कि समूह का एकीकृत बुनियादी ढांचा मॉडल विश्वसनीय और सस्ती बिजली प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यह बाहरी निर्भरता को कम करके भारत की ऊर्जा लचीलापन को मजबूत करेगा। समूह खनन और ईंधन आपूर्ति से लेकर बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण तक निवेश बढ़ा रहा है।

समूह ऊर्जा क्षेत्र में कैसे विस्तार कर रहा है?

अदाणी पावर भारत का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का पूंजीगत व्यय कार्यक्रम चला रही है। इसमें दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश शामिल है। इसका लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 45 गीगावाट उत्पादन क्षमता तक पहुंचना है। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का पारेषण आदेश पुस्तिका 72,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसमें खावड़ा-दक्षिण ओलपाड उच्च-वोल्टेज प्रत्यक्ष धारा पारेषण लाइन जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। कंपनी भारत की एकमात्र निजी क्षेत्र की खिलाड़ी है जिसके पास सिद्ध उच्च-वोल्टेज प्रत्यक्ष धारा क्षमताएं हैं। समूह कम कार्बन ऊर्जा में भी अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। भूटान के ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के साथ 5,000 मेगावाट जलविद्युत परियोजनाओं के विकास का समझौता हुआ है।

अदाणी टोटल गैस ने वर्ष के दौरान 11 लाख पाइप प्राकृतिक गैस घरेलू कनेक्शन का आंकड़ा पार किया है। अदाणी पोर्ट्स ने वित्त वर्ष 2026 में 50 करोड़ टन से अधिक माल संभाला। इसका लक्ष्य 2030 तक 1 अरब टन तक पहुंचना है। विझिंजम बंदरगाह ने अपने पहले वर्ष के संचालन में 10 लाख कंटेनर पार किए। समूह ने नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और गुवाहाटी हवाई अड्डे पर एक नए टर्मिनल का भी उद्घाटन किया।

सोना 1,105 रुपये गिरकर 1.44 लाख रुपये पर आया

चांदी 794 रुपये सस्ती होकर 2.27 लाख रुपये हुई

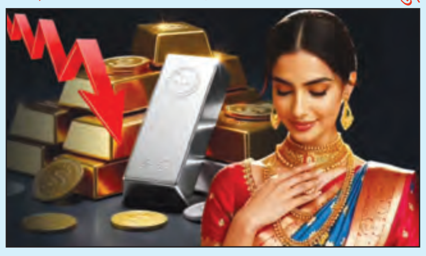

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में 24 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,105 रुपए गिरकर 1.44 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.45 लाख पर था। एक किलो चांदी 794 रुपए घटकर 2.27 लाख रुपए पर आ गई है। सोना के दाम इस महीने 12,573 रुपए और चांदी के 3,66,61 रुपए गिरे हैं। 1 जून को सोना 1.56 लाख रुपये 10 ग्राम और चांदी 2.63 लाख रुपये किलो थी।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 31,126 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी। यह चांदी के अब तक की सबसे ज्यादा दाम थे। तब से अब तक 146 दिन में चांदी 1.58 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

सेंसेक्स 791 अंक चढ़कर 76,991 पर बंद, निफ्टी में भी 198 अंक की तेजी रही

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 24 जून को बढ़त रही। सेंसेक्स 791 अंक चढ़कर 76,991 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 198 अंक की तेजी रही, ये 24,022 पर बंद हुआ। आज्आईटी, बैंकिंग और रियल्टी शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही।

सस्ता तेलः ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 1% गिरकर 76.29 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई। ईरान युद्ध के बाद होर्मुज में फंसे तेल टैंकरों के बाहर निकलने की खबरों से कीमतें घटी, जिससे बाजार को राहत मिली है। विदेशी निवेशकों की वापसीः पिछले कुछ समय से लगातार बिकवाली कर रहे विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 17.86 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे थे। इस खरीदारी से बाजार का सेंटिमेंट सुधरा है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील की उम्मीदः एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, भारत और अमेरिका एक बड़े द्विपक्षीय व्यापार समझौते के बेहद करीब हैं। इस खबर से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

एआई आईटी कंपनियों को मजबूत करेगा : इंफोसिस चेयरमैन

बेंगलुरु, 24 जून (एजेंसियां)। इंफोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आईटी सॉफ्टवेयर कंपनियों का स्थान नहीं लेगी, बल्कि नई तकनीक को तेजी से अपनाने वाली कंपनियों के विस्तार में मदद करेगी।

कंपनी की 45वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में अपने संबोधन में नीलेकणी ने कहा कि बड़े उद्यम ग्राहकों में एआई के उपयोग में एक वास्तविक अंतर है, और इस अंतर को पाटना ही हमारा लक्ष्य है। एआई हमारी जैसी कंपनियों का स्थान नहीं लेगा। यह उन कंपनियों को मजबूत करेगा, जो उद्देश्यपूर्ण तरीके से आगे बढ़ती हैं और तेजी से परिस्थिति के हिसाब से खुद को ढालती है। उन्होंने कहा कि इंफोसिस 2030 तक 400 अरब डॉलर के एआई-आधारित सेवाओं के विशाल अवसर का लाभ उठाने के लिए उत्सुक है। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ लोगों का यह भी सवाल है कि क्या इंफोसिस जैसी कंपनियां तब भी प्रासंगिक बनी रहेंगी, जब कोडिंग का अधिकांश हिस्सा स्वचालित हो जाएगा। नीलेकणी ने कहा कि सॉफ्टवेयर विकास केवल कोड लिखने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें गहन उद्यम संदर्भ, मौजूदा प्रौद्योगिकी निवेशों के साथ एकीकरण, साइबर सुरक्षा उपाय, परीक्षण, शासन और आर्किटेक्चर विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लॉन्च के तीन साल से अधिक समय बाद, इंफोसिस पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है और आने वाले दशक के लिए अच्छी स्थिति में है। हम सर्वश्रेष्ठ कोडिंग टूल्स को अपना रहे हैं और अपनी उत्पादकता में सुधार कर रहे हैं, सॉफ्टवेयर विकास जीवनचक्र में अभी बहुत कुछ करना बाकी है।

मस्क की नेटवर्थ एक-हफ्ते में रिकॉर्ड 33.13 लाख करोड़ रुपये घटी

> यह दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति की कुल संपत्ति से ज्यादा

न्यूयॉर्क, 24 जून (एजेंसियां)। दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बनने के कुछ दिनों बाद ही इलॉन मस्क की नेटवर्थ में अब तक की रिकॉर्ड गिरावट आई है। उनकी रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में आई 16% की गिरावट की वजह से मस्क की नेटवर्थ सिर्फ एक हफ्ते में करीब 350 बिलियन डॉलर यानी 33.13 लाख करोड़ रुपए कम हो गई है। फोर्ब्स की रियल टाइम बिलेनियर लिस्ट के मुताबिक, स्पेसएक्स के शेयरों में आई गिरावट के बाद इलॉन मस्क की संपत्ति 1.45 ट्रिलियन डॉलर से घटकर अब 1.1 ट्रिलियन डॉलर यानी 104.15 लाख करोड़ पर आ गई है। यह गिरावट इतनी बड़ी है कि इसका कुल साइज दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति लैरी पेज की टोटल नेटवर्थ लगभग 285 बिलियन डॉलर यानी 26.98 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। इलॉन मस्क 12 दिन पहले अपनी रॉकेट, सैटेलाइट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी स्पेसएक्स की अमेरिकी बाजार में लिस्टिंग के बाद दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बने थे। आईपीओ के शुरुआती तीन कारोबारी दिनों में निवेशकों के लगातार निवेश के चलते स्पेसएक्स के शेयर 67% तक उछल गए थे, जिससे कंपनी की वैल्यूएशन 1.8 ट्रिलियन डॉलर (170 लाख करोड़ रुपए) के पार पहुंच गई थी।

'दलहन और तिलहन का एक-एक दाना खरीदें'

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता लाने के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक बड़ा निर्देश जारी किया है। उन्होंने देश की प्रमुख सहकारी संस्थाओं नाफेड (नेफ्ड) और एनसीसीएफ को आदेश दिया है कि वे बिचौलियों के पूरे नेटवर्क को खत्म कर सीधे किसानों से दलहन (दालों) और तिलहन के एक-एक दाने की खरीद करें।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि फसल खरीद के 48 घंटे के भीतर किसानों का पैसा सीधे उनके बैंक खातों में पहुंच जाना चाहिए। अमित शाह ने नई दिल्ली में नाफेड की चार बड़ी डिजिटल और कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत करते हुए यह बातें कहीं। सहकारिता मंत्री ने दो साल की समय-सीमा तय की है। इसके तहत अगले दो वर्षों में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि देश का हर किसान सीधे इन दोनों संगठनों को अपनी दालें बेच सके और बिना किसी तीसरे पक्ष के अपना भुगतान सीधे बैंक खाते में पा सके।

नीरव मोदी को लंदन कोर्ट से बड़ा झटका

बैंक ऑफ इंडिया को 100 करोड़ रुपये से ज्यादा चुकाने का आदेश

लंदन, 24 जून (एजेंसियां)। नीरव मोदी को एक बड़ा कानूनी झटका लगा है। लंदन सर्किट कमर्शियल कोर्ट ने उसे बैंक ऑफ इंडिया को 10.7 मिलियन डॉलर से ज्यादा रकम चुकाने का आदेश दिया है। लंदन की एक अदालत ने फरार हीरा कारोबारी नीरव मोदी को बड़ा कानूनी झटका देते हुए बैंक ऑफ इंडिया के बकाया कर्ज की रकम चुकाने का आदेश दिया है।

2019 से ब्रिटेन की जेल में बंद नीरव मोदी को 10.7 मिलियन डॉलर (100 करोड़ रुपये से अधिक) का भुगतान करना होगा। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि दुबई की फायरस्टार ग्रुप कंपनी को मिले लोन के लिए दी गई पर्सनल गारंटी के चलते नीरव मोदी व्यक्तिगत रूप से इस कर्ज के लिए जवाबदेह हैं।

कोर्ट ने फैसले में क्या कहा?

समाचार एजेंसी के अनुसार, सुनाए गए फैसले में कोर्ट ने बैंक ऑफ इंडिया के पक्ष में फैसला सुनाया और कहा कि मोदी गारंटी के तहत बकाया रकम चुकाने के लिए कानूनी रूप से जिम्मेदार हैं। कोर्ट ने कहा कि मोदी की देनदारी में मूल बकाया रकम के तौर पर लगभग 4.1 मिलियन डॉलर (करीब 38.9 करोड़ रुपये) और बैंक के दावे के अनुसार कैलकुलेट किया गया ब्याज शामिल है, जिससे कुल देनदारी 10.7 मिलियन डॉलर से ज्यादा हो जाती है।

क्या है विवाद?

यह विवाद बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 2012 में फायरस्टार डायमंड एफजेडई दी गई लोन सुविधा से जुड़ा है, जो पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले के सामने आने से कई साल पहले की बात है। 3 अगस्त 2012 को मोदी ने बैंक ऑफ इंडिया के पक्ष में एक व्यक्तिगत गारंटी दी थी। गारंटी की शर्तों के तहत, उन्होंने कर्ज लेने वाली कंपनी द्वारा डिफॉल्ट (भुगतान न कर पाने) की स्थिति में लोन चुकाने की व्यक्तिगत जिम्मेदारी ली थी। कोर्ट के रिकॉर्ड के अनुसार, 2018 की शुरुआत में कथित बैंकिंग धोखाधड़ी की जांच सामने आने के बाद फायरस्टार ग्रुप की वित्तीय स्थिति काफी खराब हो गई थी। फरवरी 2018 में, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने पीएनबी धोखाधड़ी मामले में अपनी पहली एफआईआर दर्ज की थी। बाद में जांच एजेंसियों ने आरोप लगाया कि इस धोखाधड़ी में लगभग 2 बिलियन डॉलर के लेनदेन शामिल थे। फायरस्टार डायमंड एफजेडई द्वारा डिफॉल्ट किए जाने के बाद, बैंक ऑफ इंडिया ने व्यक्तिगत गारंटी के तहत मोदी के खिलाफ स्वतंत्र रिकवरी कार्यवाही शुरू की। बैंक ने बकाया रकम की वसूली के लिए डिमांड नोटिस जारी किए। बैंक के मुताबिक, बार-बार मांग करने के बावजूद कोई पेमेंट नहीं किया गया। मोदी ने लंदन की अदालत में वसूली की कार्रवाई को चुनौती दी। उनके वकीलों ने तर्क दिया कि पर्सनल गारंटी लागू करने लायक नहीं थी और कहा कि बैंक पेमेंट के लिए सही तरीके से मांग करने में नाकाम रहा। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि बैंक के पास लोन की समय-सीमा से पहले वसूली करने और तुरंत पेमेंट मांगने के लिए पर्याप्त आधार नहीं थे। मोदी ने आगे दावा किया कि उन्हें अप्रैल 2018 और अक्टूबर 2025 में बैंक द्वारा जारी किए गए नोटिस कभी नहीं मिले क्योंकि उस समय वह भारत में मौजूद नहीं थे।

हालांकि, अदालत ने इन तर्कों को खारिज कर दिया और माना कि नोटिस सही तरीके से पहुंचाए गए थे। अदालत ने गौर किया कि अक्टूबर 2025 का डिमांड नोटिस यूनाइटेड किंगडम की उस जेल में भी भेजा गया था जहां मोदी अभी बंद हैं। अदालत ने यह भी देखा कि मोदी के कानूनी प्रतिनिधियों को 2019 में अप्रैल 2018 के नोटिस की एक कॉपी दी गई थी, जिससे पता चलता है कि उन्हें बैंक की मांग के बारे में जानकारी थी। अपने निष्कर्षों में, अदालत ने कहा कि फरवरी 2018 तक यह साफ हो गया था कि नीरव मोदी और फायरस्टार ग्रुप की कंपनियों की आर्थिक स्थिति बुरी तरह प्रभावित हुई है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य	मिथुन	मे
चंद्र	तुला	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कर्क	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारम्भ समय

मिथुन	05-07	बजे
कर्क	07-20	बजे
सिंह	09-32	बजे
कन्या	11-38	बजे
तुला	13-44	बजे
वृश्चिक	15-54	बजे
धनु	18-07	बजे
मकर	20-13	बजे
कुंभ	22-04	बजे
मीन	23-42	बजे
मेष	01-18	बजे
वृष	03-03	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
सूर्योदय 05-47
सूर्यास्त. 18-49
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - द्वितीय ज्येष्ठ गुरुवार 25 June 2026
तिथि - शुक्ल पक्ष एकादशी 20-09 तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - स्वाति 16-29 तक उप विशाखा
योग. - शिव 10-53 तक उप सिद्ध
करण - वणिज 07-08 तक उप विष्टी(भद्रा)
विशेष: निर्जला एकादशी व्रत
भद्रा काल 07-08 से

विशेष- राशिफल ग्रहो के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
13-57 से
15-36 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ.	05-47 - 07-24	शुभ		अमृत	18-49 - 20-14	शुभ	
रोग	07-24 - 09-02	अशुभ		चंचल	20-14 - 21-36	शुभ	
उत्पात	09-02 - 10-40	अशुभ		रोग	20-36 - 22-57	अशुभ	
चंचल	10-40 - 12-19	शुभ		काल	22-57 - 00-19	अशुभ	
लाभ	12-19 - 13-57	शुभ		लाभ	00-19 - 01-41	शुभ	
अमृत	13-57 - 15-36	शुभ		उत्पात	01-41 - 03-02	अशुभ	
काल.	15-36 - 17-14	अशुभ		शुभ.	03-02 - 04-24	शुभ	
शुभ.	17-14 - 18-49	शुभ		अमृत	04-24 - 05-47	शुभ	

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप जो भी कार्य करेंगे , सफलता आपके कदम चूमेगी । अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा में बैठे थे तो आज आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज का दिन पदोन्नति या अधिक जिम्मेदारी लेने के बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विमर्श आरंभ करने के लिए उपयुक्त है।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप कुछ मिलनसार नए लोगों या विदेशी प्रतिनिधियों से आज के दिन मिल सकते हैं ! स्वतंत्र रूप से उन लोगों के साथ संवाद करें और जितनी उपयोगी जानकारी इकट्ठा कर सके करें क्योंकि यह आपकी परियोजना के पूरा होने में आपके लिए बहुत मददगार साबित होगा । किसी भी विचलित करने वाले परिदृश्य से परेशान न हो जो की आपके वरिष्ठ सहकर्मी ने आपके लिए बनाया हो ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
जैसे जैसे दिन आगे की ओर बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते हैं ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आप में अति आत्मविश्वास पैदा होगा क्योंकि आपके सारे कार्य बड़ी खूबसूरती के साथ क्रियान्वयन हो रहे हैं। आज समय है की आप अपना कदम पीछे ले और सोचे की वास्तव में आप के लिए क्या आवश्यक है , उसका मूल्यांकन करें और ध्यान दें की आप अपनी क्षमताओं से क्या हासिल कर सकते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे । इन आवाजों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करें । अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे । इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपको अपने काम से प्यार है और आप अच्छा कार्य कर रहे हैं। हालांकि, विपरीत ग्रह आपके कार्यस्थल में अस्थायी गड़बड़ी का कारण बन सकते हैं। इन क्षणिक भावनाओं के बहाव में आप किसी भी आवेगी निर्णय लेने से बचे । आप अपने कार्यस्थल पर अपने गुस्से को काबू रखें और विचलित करने वाली स्थितियों को दरकिनार करें अन्यथा आप एक ऐसी नौकरी को त्याग सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू, रे ,रो, ता, ती, तू ,ते,)
आप किसी भी कार्य को अच्छी तरह से करने में बहुत गर्व महसूस करते है। यह अब आपके वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में आएगा । कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आपको दी जा सकती है जो की आपके करियर की प्रगति के लिए नए दरवाजे और आयाम खोलेगी । आय में भी वृद्धि की संभावना है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप जो चाहते हैं , वो सब कुछ हासिल करने की आप में शक्ति है ! दूसरे आप के बारे में क्या सोचते है , इस तरफ ध्यान न दे । वे लोग इस तरह का दिखावा कर सकते है , की जिससे से आप को नीचा देखना पड़े पर अंदर से वे जानते है की आप में अपार प्रतिभा है । अपने आत्म विश्वास का आनंद लें क्यों की आपका खेल खेलने से पहले ही जितना तय है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप इस समय परिस्थितियों के गहन अर्थ को समझने की कोशिश में रहेंगे ! आप हाल ही में अपने पुरे किये गए कार्यो की समीक्षा करेंगे और अपने काम को और बेहतर बनाने के तरीके पर गौर करेंगे । हालांकि वित्तीय प्रबंधन आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता है । आपके लिए धन संचित करना मुश्किल होगा !

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
जब आप एक नई परियोजना में तल्लीन हो जाओगे तो शायद ही अन्य बातों के लिए आपको समय मिलेगा । आपको सावधान रहने की जरुरत है की रास्ते में आ रही किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी आप से छूट न जाये ! यह एक उच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी हो सकता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चो पर लगाम लगाएंगे ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

सीएम भजनलाल ने सांगानेर को दी 631 करोड़ के विकास कार्यों की सौगातें

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने गृह विधानसभा क्षेत्र सांगानेर को एक 'वैश्विक मॉडल' के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है। इसी कड़ी में बुधवार को जयपुर के सांगानेर स्टेडियम में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में मुख्यमंत्री ने 631 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का बटन दबाकर डिजिटल लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस ऐतिहासिक पैकेज के जरिए क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, ड्रेनेज सिस्टम और फ्लाईओवर जैसी दीर्घकालिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को अभूतपूर्व गति मिलने जा रही है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने मंच से स्थानीय नागरिकों को उनकी जमीनों और मकानों के मालिकाना हक के पट्टे भी अपने हाथों से सौंपे। इसके साथ ही शहर को साफ-सुथरा रखने वाले स्वच्छता सिपाहियों को आर्थिक सहायता और सम्मान राशि के चेक देकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में सांगानेर के प्राचीन ऐतिहासिक महत्व पर गहरा प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय नागरिकों को याद दिलाया कि सांगानेर का इतिहास मुख्य जयपुर शहर से भी कहीं अधिक पुराना और समृद्ध है। इतिहास के विधिक तथ्यों के अनुसार, राजा सवाई जयसिंह द्वारा जयपुर की चारदीवारी का निर्माण करवाने से लगभग 200 साल पहले ही सांगानेर एक संपन्न व्यापारिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित हो चुका था।

मुख्यमंत्री ने मंच से घोषणा करते हुए कहा, अगले साल यानी वर्ष 2027 में सांगानेर अपनी स्थापना के ऐतिहासिक 500 वर्ष पूरे करने जा रहा है। यह संपूर्ण राजस्थान के लिए एक गौरवशाली क्षण होगा। जिस प्रकार जयपुर के परकोटे में अलग-अलग ऐतिहासिक प्रवेश द्वार बने हुए हैं, ठीक उसी स्थापत्य कला के तर्ज पर सांगानेर में भी प्राचीन काल से अलग-अलग विशिष्ट गेट बने हुए हैं। राज्य सरकार इस 500वें स्थापना दिवस को भव्य और यादगार तरीके से आयोजित करेगी, ताकि सांगानेर की पारंपरिक हस्तशिल्प और सांगानेरी प्रिंट की विरासत को वैश्विक पटल पर नई पहचान मिल सके। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि उन्हें प्रदेश की सेवा का अवसर जनता के आशीर्वाद से मिला है। उन्होंने कहा कि सांगानेर के विकास में जनता की ताकत और सहयोग सबसे बड़ी पूंजी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते ढाई साल के दौरान सांगानेर क्षेत्र में विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने सांगानेर को 'भव्यता की ओर बढ़ता क्षेत्र' बताया। इस उत्सव के दौरान सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के उन सैकड़ों परिवारों के जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा आई, जो लंबे समय से अपने भूखंडों और मकानों के सरकारी पट्टों का इंतजार कर रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस प्रशासनिक प्रक्रिया को गति देते हुए मंच से स्वयं पट्टों का वितरण शुरू किया। मानसरोवर क्षेत्र के निवासी रंजीत सिंह को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से कार्यक्रम का सबसे पहला पट्टा सौंपकर बधाई दी। जेडीए प्रशासन की ओर से कुल 400 आवासीय और व्यावसायिक पट्टे तैयार करके पात्र लाभार्थियों को बांटे गए।

गोविंद सिंह डोटासरा ने ओबीसी प्रमाण पत्र विवाद पर दी खुली चुनौती

कहा-मंत्री ईमानदार निकले तो मैं खुद धन्यवाद देने जाऊंगा

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा द्वारा लगाए गए आरोपों पर तीखा पलटवार किया है। डोटासरा ने उल्टा चोर कोतवाल को डांटे कहावत का हवाला देते हुए कृषि विभाग में हुए कथित खाद-बीज घोटाले को लेकर सरकार और मंत्री को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि दूसरों पर उंगली उठाने से पहले मंत्री को अपने विभाग के भीतर फैले भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। डोटासरा ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बॉर्डर सुरक्षा और यमुना जल समझौते सहित कई मुद्दों पर राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया।

किरोड़ी लाल मीणा द्वारा ओबीसी प्रमाण पत्र और नियुक्तियों को लेकर की गई

शिकायतों पर डोटासरा ने स्पष्ट किया कि 1999 से भारत सरकार और राजस्थान सरकार के जो नियम तय हैं, उसी आधार पर काम हुआ है। 2019 के जिस परिपत्र का हवाला दिया जा रहा है, वह महज एक त्रुटिपूर्ण चिट्ठी थी, जिसे 2021 में ही संशोधित कर आरपीएससी को स्पष्टीकरण दिया जा चुका है। डोटासरा ने कहा कि यह मामला कोर्ट और पूर्ववर्ती सरकारों के स्तर पर पहले ही साफ हो चुका है। सरकार को यदि कोई संदेह है, तो वह किसी भी स्तर की जांच करा सकती है, वे इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। मंत्री केवल अपने विभाग के भ्रष्टाचार से ध्यान भटकाने के लिए 5 साल पुराना राग अलाप रहे हैं।

डोटासरा ने कृषि विभाग के तहत हुए छापों और उसमें सामने आई 2 करोड़ 43 लाख रुपए की कथित रिश्वत राशि का मुद्दा उठाते हुए कहा कि खुद मंत्री ने माना था कि उनके पीछे से लोग चोरी कर रहे थे। डोटासरा ने कहा कि जब विभाग के डायरेक्टर स्तर के अधिकारी और डिकॉय टीम के सदस्य इस तरह की अवैध उगाही में रंगे हाथों पकड़े जाते हैं, तो इसकी 100 प्रतिशत नैतिक जिम्मेदारी विभागीय मंत्री और राज्य सरकार की बनती है। मंत्री खुद को कट्टर ईमानदार कहते हैं, तो उन्हें तुरंत मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की एसओजी जांच की मांग करनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में करीब 300 से 500 करोड़ रुपए का बड़ा खेल हुआ है। जब इतनी बड़ी राशि पकड़ी गई है, तो इस मामले में अब तक प्रवर्तन निदेशालय ने कदम क्यों नहीं उठाए? उन्होंने कहा कि मंत्री अपने विभाग में डाले गए सभी 1200 छापों की जांच करवाएं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को लक्ष्मण रेखा न लांघने की धमकी देने के बजाय मंत्री अपने विभाग में डाले गए सभी 1200 छापों की जांच करवाएं। अगर वे जांच में पाक-साफ निकलते हैं, तो मैं खुद उन्हें धन्यवाद देने जाऊंगा। लेकिन अपनी बारी आने पर दूसरों की तरफ चोर-चोर का इशारा करके असली दोषियों को बचाना गंदी राजनीति है।

भाजपा सरकार पर अशोक गहलोत का तंज : 'देश में भैंस-बकरी की तरह बिक रहे सांसद-विधायक, खत्म हो रहा लोकतंत्र'

जोधपुर, 24 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पश्चिम बंगाल के मामले में कहा कि भाजपा सरकार देश की लोकतंत्र को खत्म कर रही है। घोड़े, गधे, भैंस-बकरी की तरह सांसद-विधायक बिकने लगे हैं। सरकार लोकतंत्र को बर्बाद कर देगी। युवा अगर नहीं जागे तो देश का पता नहीं क्या होगा? जोधपुर प्रवास पर आए पूर्व सीएम गहलोत ने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने के कारणों को काफी गंभीर व चिंतनीय बताते हुए राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया।

उन्होंने कहा कि कोटा में पांच प्रसूताओं की मौत हो चुकी हैं। अस्पताल में रोज हजारों डिलीवरी होती हैं। वहां किडनी फेल या संक्रमण हो जाए, तो उम्रभर डायलिसिस या किडनी ट्रांसप्लांट करवाना पड़ सकता है। इससे महिलाओं में भय का माहौल है। राज्य सरकार को संक्रमण व तबीयत बिगड़ने के कारणों का खुलासा करना चाहिए। बीकानेर में भी यही हालात हैं और अब जोधपुर में भी प्रसूताओं की हालत बिगड़ चुकी है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं और जल परियोजनाओं को लेकर भी भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। गहलोत ने कहा कि राजस्थान में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और आम लोगों को न्याय मिलने में परेशानी हो रही है। जोधपुर फायरिंग की घटना पर उन्होंने कहा कि दौड़ा-दौड़ा कर मारा जा रहा है। ऐसी घटनाएं राजस्थान में हर जगह हो रही है। अब तो नई बात यह है कि थाने के अंदर पैसे खाए जा रहे हैं। प्रदेश में भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा पर पहुंच चुका है। भ्रष्टाचार हर सरकार के वक्त होता है, लेकिन इस बार तो सभी रिकॉर्ड टूट चुके हैं। प्रदेश इस वक्त

नाजुक स्थिति से गुजर रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में हत्या और दुष्कर्म जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। गहलोत ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मामले में हालात चिंताजनक हैं और लोगों की शिकायतों पर समय पर कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार के समय जिन अस्पतालों और सैटेलाइट केंद्रों की घोषणा की गई थी, उनमें कई जगह भवन तो तैयार हो गए हैं, लेकिन अभी तक पर्याप्त चिकित्सक, उपकरण और अन्य संसाधन उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि केवल भवन खड़ा कर देने से लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल सकता।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के जल परियोजनाओं से जुड़े आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए गहलोत ने कहा कि किसी भी आरोप को तथ्यों और आंकड़ों के साथ रखा जाना चाहिए। बिना प्रमाण के लगाए गए आरोपों का कोई आधार नहीं होता। उन्होंने कहा कि यदि किसी परियोजना में अनियमितता हुई है तो उसके स्पष्ट आंकड़े सामने आने चाहिए। ईआरसीपी को लेकर भी गहलोत ने केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक मंचों से परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की बात कही थी। गहलोत ने कहा कि इस मुद्दे पर पहले किए गए वादों और वर्तमान स्थिति को लेकर सरकार को जनता के सामने स्पष्ट जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हित से जुड़े मामलों में राजनीति से ऊपर उठकर काम होना चाहिए।

उदयपुर व जालोर से सोमवार को जोधपुर आया तब रास्ते में लोगों से मिला। आंखों में आंसू देखे। एक-एक किस्सा बता रहे थे। तीन-चार महीने से पेंश नहीं मिल रही है। थैले पर फोटो हटाकर मुख्यमंत्री खुद की लगा लेते। योजना बंद क्यों की। सीमावर्ती क्षेत्रों में कार्रवाई पर पूर्व सीएम ने कहा कि सरकार चुन-चुनकर अल्पसंख्यक समाज के धार्मिक स्थल हटा रही है। इस संबंध में गृहमंत्री को जवाब देना चाहिए। बाड़मेर के लोग इस संबंध में उनसे मिले थे। सोशल मीडिया पर टैग कर जवाब मांगा है।

'कुछ समाजों को टारगेट कर रही सरकार': पूर्व विधायक गुंजल का आरोप, केडीए के खिलाफ सड़कों पर उतरेगा सर्व समाज

कोटा, 24 जून (एजेंसियां)। कोटा में गुर्जर, भील समेत विभिन्न समाजों ने कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए), वन विभाग और प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कथित उत्पीड़न और अतिक्रमण कार्रवाई के विरोध में 25 जून को सर्व समाज की ओर से बड़े प्रदर्शन की घोषणा की गई है। इस आंदोलन को लेकर कोटा उत्तर के पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल ने बुधवार को प्रेस वार्ता कर सरकार और प्रशासन पर तीखे आरोप लगाए। प्रहलाद गुंजल ने कहा कि गुर्जर सहित कई समाजों के लोगों के साथ अन्याय किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ विशेष समुदायों को निशाना बनाकर परेशान किया जा रहा है और उन्हें उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में वर्षों से

सैकड़ों परिवार निवास कर रहे हैं, वहां रहने वाले लोगों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। ग्रामीण जिन जंगलों में अपने पशुओं को चराने और चारा-पत्ती लाने जाते थे, वहां अब उनसे भारी जुर्माना वसूला जा रहा है। इससे ग्रामीणों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर लोगों को बेघर किया जा रहा है, जबकि उनकी समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि सर्व समाज के लोग अब एकजुट होकर सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने के लिए आंदोलन का रास्ता अपना रहे हैं।

प्रहलाद गुंजल ने कोटा विकास प्राधिकरण पर भी निशाना साधते हुए कहा कि गरीब और मजदूर वर्ग के लोग भय के माहौल में जीवन यापन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि एक साधारण बूट पॉलिश करने वाला मजदूर भी अपनी बात खुलकर नहीं कह पा रहा है, क्योंकि उसे अपनी रोजी-रोटी छिन जाने का डर है। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार का दायित्व गरीबों और मजदूरों को सम्मानपूर्वक जीवन और रोजगार उपलब्ध कराना होता है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियां इसके विपरीत दिखाई दे रही हैं।

रिश्वत की रकम गिनते कैमरे में कैद हुए धौलपुर के कार्यवाहक आयुक्त गुमान सिंह, वीडियो वायरल होने के बाद गिरी गाज

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। रिश्वत की रकम गिनते कैमरे में कैद हुए धौलपुर नगर परिषद के कार्यवाहक आयुक्त एवं अधिशाषी अभियंता गुमान सिंह सैनी पर गाज गिरी है। राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग ने धौलपुर के कार्यवाहक आयुक्त गुमान सिंह को निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय जयपुर रहेगा। बता दें कि सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक कथित वीडियो में नगर परिषद के कार्यवाहक आयुक्त गुमान सिंह सैनी एक व्यक्ति कमीशन की बात करते हुए और फिर नकदी लेकर गिनते दिखाई दिया।

वायरल वीडियो में कमीशन बतौर के करीब 32 हजार रुपए लेने के आरोप हैं। प्रकरण सामने आने पर जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने कार्रवाई करते हुए नगर परिषद का अतिरिक्त चार्ज मनियां अधिशासी अधिकारी विष्णु परमार को दिया है और उक्त प्रकरण के जांच के आदेश दिए हैं। वीडियो वायरल होने के बाद राजस्थान स्वायत्त शासन विभाग ने आदेश जारी कर नगर परिषद धौलपुर के कार्यवाहक आयुक्त अधिशासी अभियंता गुमान सिंह सैनी को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विभाग ने राजस्थान सिविल सेवा नियम 1958 के नियम 13(1) के तहत अनुशासनिक कार्रवाई के चलते यह निलंबन किया। निलंबन काल में उनका मुख्यालय निदेशालय स्थानीय निकाय विभाग जयपुर रहेगा।

हालांकि, इस मामले में गुमान सिंह सैनी का कहना है कि वायरल वीडियो फर्जी है और गलत आरोप हैं। उक्त मामले में एफआइआर कराने के लिए पुलिस अधीक्षक को पत्र दिया है। फर्म दबाव बनाकर भुगतान करवाने चाह रही थी, जिस पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी थी। इधर, धौलपुर जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी का कहना है कि कथित तौर पर वीडियो वायरल होने के बाद कार्यवाहक आयुक्त गुमान सिंह सैनी से चार्ज लेकर मनियां ईओ को आयुक्त का चार्ज दिया है। पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं। नगर परिषद कार्मिकों ने भी एक फर्म प्रतिनिधि की कार्यशैली को लेकर कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है। जिसकी जांच जारी है। एसीबी टीम ने गत 11 सितम्बर 2025 को नगर परिषद के पांच कार्मिकों को 3.10 लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा था। इसमें एक महिला इंजीनियर भी शामिल थी। एसीबी ने उक्त प्रकरण में पूछताछ के बाद तत्कालीन आयुक्त अशोक शर्मा को छोड़ दिया था। एसीबी की कार्रवाई के बाद से परिषद में स्थाई आयुक्त की नियुक्ति नहीं हो पाई। पद रिक्त होने पर बाद में चार्ज पूर्व धौलपुर एसडीएम कर्मवीर सिंह पर था।

65 लाख के नकली नोट खपाने की थी तैयारी

500-500 के नोटों की गड्डियों में छिपा खेल उजागर

बीकानेर, 24 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर जिले में पुलिस ने करीब 65 लाख के नकली नोट पकड़े हैं। साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि इन नकली नोटों बाजार में खपाने की तैयारी थी। श्रीडूंगरगढ़ पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 64.87 लाख रुपए के कूटरचित नकली नोट, 13 हजार रुपए की असली भारतीय मुद्रा के साथ बिना नंबर की एसयूवी को जब्त किया।

पुलिस को आशंका है कि बरामदगी का संबंध हवाला या किसी संगठित अवैध लेन-देन नेटवर्क से हो सकता है। मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है। सीओ निकेत पारीक और थानाधिकारी कश्यप सिंह के निर्देशन में शनिवार तड़के करीब चार बजे घुम चक्कर सर्किल पर रात्रि गश्त के दौरान बीकानेर की ओर से आ रही बिना नंबर की एसयूवी को रोककर तलाशी ली गई। वाहन में संदिग्ध नोट मिलने पर दोनों युवकों को थाने लाकर पूछताछ की गई, जहां बड़ी मात्रा में कूटरचित नोट बरामद हुए।

पुलिस जांच में सामने आया कि 500-500 रुपए के नोटों की गड्डियों में ऊपर और नीचे असली नोट लगाए गए थे, जबकि बीच में सफेद कागज रखे गए थे। प्रथम दृष्टया माना जा रहा है कि इस तरीके से लोगों को असली नोटों का झांसा देकर अवैध लेन-देन या ठगी की योजना बनाई गई थी। पुलिस ने इस मामले में जैतासर निवासी ओमप्रकाश पुत्र विजयपाल नैण तथा धोलिया निवासी महेंद्र उर्फ मनोज पुत्र सीताराम गोदारा को गिरफ्तार किया है। वारदात में प्रयुक्त वाहन भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान कालू रोड पर नाकाबंदी के दौरान एक कार को रोककर छानबीन की तो उसमें 65 लाख रुपए मिले। नोट देखने पर नकली लगे तो जांच करवाई गई, जिसमें वे नकली ही पाए गए। इसके बाद दोनों युवकों को पकड़ लिया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी बड़ी संख्या में नकली नोट बाजार में खपाने की तैयारी में थे।

साइबर फ्रॉड गैंग का पर्दाफाश, 20 लाख की ठगी की रकम पर झगड़े ने खोली करोड़ों के नेटवर्क की पोल

बीकानेर, 24 जून (एजेंसियां)। साइबर ठगी के आरोप में पकड़े गए गैंगस्टर रोहित गोदारा गिरोह के दो गुर्गों ने पुलिस के समक्ष कई राज खोले हैं। बीकानेर पुलिस उन राज की तस्दीक कर रही है। 12 दिन पहले दोनों आरोपियों के बीच हुए विवाद ने दोनों को हवालात में पहुंचा दिया। साइबर थाना प्रभारी शालिनी बजाज ने बताया कि आरोपी संदीप स्वामी और मुकेश बिश्नोई को सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया, जहां से दोनों को 3 दिन के रिमांड पर भेजा गया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से ठगी के रकम और हथियार खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जाएगी। पुलिस के अनुसार संदीप और मुकेश के बीच सप्ताहभर पहले बीकानेर की रामपुरा बस्ती में रुपयों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ। झगड़े में मुकेश पर फायरिंग की गई, जिसमें वह घायल हुआ। इस पर मुक्ताप्रसाद नगर थाना पुलिस में मामला दर्ज हुआ। पुलिस ने दोनों को गिफ्तार किया। जांच में पता चला कि दोनों के बीच 8 जून को 20 लाख रुपयों को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस निरीक्षक रमेश सर्वटा ने बताया कि रामपुरा बस्ती में फायरिंग की घटना होने के बाद दोनों आरोपियों की पड़ताल शुरू की। पड़ताल में पता चला कि दोनों आरोपी साइबर ठगी के धंधे में पिछले सालभर से लिप्त है। आरोपी संदीप ने पिछले साल दिसंबर में चित्तौड़गढ़ से 60 हजार रुपए में पिस्टल खरीदी, जिसका भुगतान ऑनलाइन फोन-पे से किया। ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के मार्फत पुलिस 10 दिन से खोजबीन में जुटी थी। पुलिस कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए दोनों आरोपियों तक पहुंची। संदीप और मुकेश के दोनों के आपस में रुपयों का ऑनलाइन लेन-देन हो रखा है।

एसआई भर्ती पेपर लीक में बड़ी कार्रवाई

10 हजार का इनामी अभ्यर्थी मनीष गिरफ्तार; बाबूलाल कटारा से जुड़े हैं तार

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में चर्चित उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने मनीष दाधीच नामक अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने परीक्षा से पहले लीक हुए प्रश्नों और उत्तरों का अध्ययन कर भर्ती परीक्षा में अनुचित लाभ प्राप्त किया था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि एसओजी थाना में दर्ज प्रकरण संख्या 10/2024 की जांच के दौरान मनीष दाधीच की भूमिका सामने आई। जांच में पता चला कि उसे उसके भाई पुरुषोत्तम दाधीच के माध्यम से लीक प्रश्नोत्तर उपलब्ध कराए गए थे। बताया जा रहा है कि पुरुषोत्तम को यह सामग्री संदीप कुमार लाटा से मिली थी, जबकि प्रश्नोत्तर कथित रूप से तत्कालीन आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा द्वारा लीक किए गए थे।

जांच के अनुसार, मनीष दाधीच ने परीक्षा से पहले लीक सामग्री का अध्ययन किया और उसी के आधार पर एसआई भर्ती परीक्षा-2021 की लिखित परीक्षा में शामिल हुआ।

ओएमआर शीट में फर्जीवाड़ा कर हासिल की नौकरी

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा-2018 में ओएमआर शीट स्कैनिंग के दौरान फर्जीवाड़ा कर चयनित हुए दो अभ्यर्थियों को एसओजी ने गिरफ्तार किया है। दोनों अभ्यर्थियों पर आरोप है कि उन्होंने स्कैनिंग एजेंसी के कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर अपने वास्तविक अंकों में हेराफेरी करवाई और अनियमित तरीके से अंतिम चयन सूची में स्थान प्राप्त किया। गिरफ्तार एक आरोपी के वास्तविक 4 अंक आए और दिखा दिए 165 व दूसरे के 2 अंक की जगह 191 अंक दर्शाए दिए।

एसओजी ने दो अभ्यर्थियों को पकड़ा

एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर अनुसंधान किया गया तो सामने आया कि ओएमआर शीट स्कैनिंग का कार्य करने वाली एजेंसी राहव लिमिटेड के कर्मचारियों ने अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट में हेरफेर कर उन्हें अनुचित लाभ पहुंचाया था।

यह भी सामने आया कि एजेंसी के कर्मचारी विनोद कुमार गौड़ और शादान खान ने परीक्षा में शामिल 27 अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट स्कैनिंग के दौरान फर्जीवाड़ा कर उनके अंक बढ़ा दिए, जिससे वे अंतिम रूप से चयनित हो गए। इस मामले में पूर्व में एजेंसी के दोनों कर्मचारियों तथा कंपनी के कार्यकारी निदेशक रामप्रवेश सिंह को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि एसओजी की जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी महेंद्र कुमार मीणा के वास्तविक अंक मात्र 4 थे, लेकिन ओएमआर स्कैनिंग के दौरान उसके 165 अंक दर्शा दिए गए। बाद में कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से दोबारा ओएमआर शीट स्कैन कराए जाने पर वास्तविक अंक सामने आए।

इसी प्रकार आरोपी देवेंद्र सिंह गुर्जर के ओएमआर स्कैनिंग में 191 अंक दर्शाए गए थे, जबकि

रची गई थी 'सॉल्वर गैंग' की स्क्रिप्ट, खुद डॉक्टर नहीं बन पाए तो दूसरों का सौदा करने लगे

कोटा, 24 जून (एजेंसियां)। देश का सबसे बड़ा एजुकेशन हब और 'कोचिंग सिटी' कहा जाने वाला राजस्थान का कोटा एक बार फिर सुर्खियों में है। लेकिन इस बार वजह किसी छात्र की कामयाबी नहीं, बल्कि री-नीट परीक्षा के दौरान हुआ एक ऐसा सनसनीखेज खुलासा है जिसने पूरे सिस्टम को हिलाकर रख दिया है।

नीट परीक्षा में बायोमेट्रिक सिस्टम का धुआं उड़ाने वाले मुजफ्फरपुर के एक बड़े 'सॉल्वर गैंग' का भंडाफोड़ हुआ है। इस महा-फर्जीवाड़े की पूरी स्क्रिप्ट कहीं और नहीं, बल्कि कोटा की ही तंग गलियों और कोचिंग सेंटरों के बंद कमरों में लिखी गई थी।

इस गिरोह की कहानी किसी फिल्मी थ्रिलर से कम नहीं है। गिरोह का मास्टरमाइंड मुजफ्फरपुर का रहने वाला अर्पित सिंह है। अर्पित और उसके साथी कुछ साल पहले डॉक्टर बनने का बड़ा ख्वाब आंखों में सजाकर कोटा आए थे। वे सालों तक कोटा के नामी कोचिंग संस्थानों में नीट की तैयारी करते रहे। लेकिन जब डॉक्टर बनने की रेस में वे खुद पिछड़ने लगे, तो उन्होंने हार मानने के बजाय शॉर्टकट से करोड़पति बनने का एक खतरनाक रास्ता चुन लिया। कोटा में पढ़ाई के दौरान ही इन चारों का संपर्क वहां के अलग-अलग कोचिंग सेंटरों में पढ़ने वाले बेहद मेधावी छात्रों से हुआ। अर्पित को समझ आ गया था कि कोटा में देश के सबसे तेज दिमाग वाले छात्र आते हैं, जिन्हें पैसों का लालच देकर मोहरा बनाया जा सकता है। बस यहीं से शुरू हुआ मेधावी छात्रों को 'सॉल्वर' (दूसरों की जगह परीक्षा देने वाले) बनाने का घिनौना खेल। पुरानी जान-पहचान के दम पर उन्हें आसानी से सॉल्वर मिलते चले गए।

हर क्षेत्र में असाधारण सफलता हासिल करने में महिलाएं सक्षम : विवेक

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार और खान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है जो महिलाएं हासिल नहीं कर सकतीं और अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर वे हर क्षेत्र में असाधारण सफलता की कहानियां रचने में सक्षम हैं।

बुधवार को हैदराबाद के जुबली हिल्स कन्वेंशन सेंटर में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। यह सम्मेलन महिला सशक्तिकरण, तेलुगु महिला सशक्तिकरण से भारतीय अध्याय के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित किया गया था। सम्मेलन में महिला सशक्तिकरण, रोजगार के अवसर और ग्रामीण महिलाओं के वैश्विक प्रभाव जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा पेशेवर और छात्र शामिल हुए।

संस्था के संस्थापक हनुमंदला झांसी रेड्डी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्री सीताक्का, पोन्नम प्रभाकर और अड्लुरी लक्ष्मण तथा कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में संगठनों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से ऐसे मंचों का और विस्तार होगा। मंत्री ने की संस्थापक हनुमंदला झांसी रेड्डी की यात्रा को वास्तव में प्रेरणादायक बताया। एक गृहिणी के रूप में शुरुआत करके एक सफल उद्यमी बनने तक, उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका में वेटा की स्थापना की और अब भारत में भी इसका विस्तार किया है। उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा यह दर्शाती है कि सही अवसर और समर्थन मिलने पर महिलाएं कितनी ऊंचाइयों तक पहुंच सकती हैं। मंत्री ने यशस्विनी रेड्डी जैसी महिला नेताओं की भी सराहना की, जिन्होंने गृहिणी होने से लेकर सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भागीदारी निभाने तक का सफर तय किया है, लोगों का विश्वास जीता है और प्रभावी नेतृत्व का उदाहरण पेश किया है। उन्होंने राजनीति और निर्णय लेने वाले पदों में महिलाओं की अधिक भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। विवेक वेंकटस्वामी ने इस बात पर जोर दिया कि पारिवारिक सहयोग, विशेषकर पुरुषों द्वारा दिया जाने वाला प्रोत्साहन, महिलाओं की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने परिवारों से महिलाओं के समय और प्रयासों का सम्मान करने और उनकी आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने का आह्वान किया।

बच्चों को प्रताड़ित करने के आरोप में महिला और उसका साथी अरेस्ट

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले के नंदीगामा में बच्चों के साथ कथित दुर्व्यवहार का एक मामला सामने आया है। पड़ोसियों की शिकायत पर एक महिला और उसके कथित लिव-इन पार्टनर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बिहार निवासी पिंकी देवी और उनके पति सुजीत तीन वर्ष पहले रोजगार की तलाश में नंदीगामा आए थे। दोनों एक स्थानीय उद्योग में काम करते थे और उनके तीन बच्चे हैं। बताया जाता है कि पिंकी देवी का बिहार निवासी चंदू कुमार से संबंध हो गया था। पारिवारिक विवाद के बाद सुजीत करीब तीन महीने पहले घर छोड़कर चला गया, जिसके बाद पिंकी देवी और चंदू कुमार साथ रहने लगे।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि दोनों छह वर्षीय बेटी और चार वर्षीय बेटे के साथ अक्सर मारपीट करते थे। बच्चों के शरीर पर जलने के निशान भी पाए गए। पिछले कुछ दिनों से बच्चों के लगातार रोने की आवाज सुनकर पड़ोसियों को शक हुआ। मंगलवार को जब वे घर पहुंचे तो बच्चों के शरीर पर चोट और जलने के निशान दिखाई दिए। घटना से नाराज लोगों ने दोनों का विरोध किया और उन्हें पकड़कर शादनगर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुदूरतम आदिवासी क्षेत्रों के लिए समान चिकित्सा पहुंच अनिवार्य : राजनरसिम्हा

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की हर नागरिक के लिए समान स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बिना किसी बाधा के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जंगल, पहाड़ी इलाके, दूरस्थ बस्तियों और परिवहन संबंधी चुनौतियां समय पर चिकित्सा देखभाल प्रदान करने में कभी बाधा नहीं बननी चाहिए। मंत्री ने बुधवार को हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित राजीव आरोग्यश्री स्वास्थ्य ट्रस्ट कार्यालय में एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) के परियोजना अधिकारियों और स्वास्थ्य एवं जनजातीय कल्याण विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की। उन्होंने आईटीडीए अधिकारियों के साथ पिछली समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की। मानसून के मौसम के प्रारंभ के साथ, मंत्री ने जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों की समीक्षा की, जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, अस्पताल के बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन, आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया और दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में आने वाली चुनौतियों का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने मंत्री को एजेंसी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने में हुई प्रगति के बारे में भी जानकारी दी।

दामोदर राजनरसिम्हा ने अधिकारियों को मानसून के दौरान उच्च सतर्कता बरतने का निर्देश देते हुए उन्हें मलेरिया, डेंगू, वायरल बुखार और दस्त जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए निवारक उपाय करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं, निदान किटों, आईवी फ्लूइड्स और अन्य आवश्यक चिकित्सा सामग्री का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा जाए। मंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जहां भी आवश्यक हो, संवेदनशील आदिवासी बस्तियों में विशेष चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाए और 108 और 102 एम्बुलेंस सेवाओं का निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जाए। गुंडाला पीएचसी में हाल ही में हुई मातृ मृत्यु का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि प्रत्येक अधिकारी को इस घटना से सबक लेना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान पहले से ही कर लें, गर्भवती महिलाओं की बारीकी से निगरानी करें और जहां आवश्यक हो, उन्हें प्रसव की अनुमानित तिथि से पहले प्रसव प्रतीक्षा गृहों में स्थानांतरित कर दें। उन्होंने जोर देकर कहा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जैसी जिलों में डायलिसिस सेवाओं की समीक्षा करते हुए दामोदर राजनरसिम्हा को बताया गया कि वर्तमान में 25 डायलिसिस केंद्रों में 1,373 सक्रिय रोगियों का इलाज चल रहा है। उन्होंने एजेंसी क्षेत्रों में 170 अतिरिक्त डायलिसिस बेड के साथ 34 अतिरिक्त डायलिसिस केंद्र स्थापित करके डायलिसिस सेवाओं को और मजबूत करने की सरकार की योजना की समीक्षा की।

किंग कोठी में बुजुर्ग पर लोहे की रॉड से हमला

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के किंग कोठी इलाके में बुधवार को दो लोगों ने कथित तौर पर एक बुजुर्ग पर हमला कर दिया। घटना में घायल व्यक्ति को चोटें आई हैं।

पुलिस के अनुसार, किंग कोठी निवासी 62 वर्षीय सईद हुसैन अली जाकिर एक अपार्टमेंट में रहते हैं। वह पार्किंग क्षेत्र में बैठे थे, तभी सालेह और अली सोमाली नामक दो लोगों ने उन पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध निजी सुरक्षा एजेंसियों पर कार्रवाई

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। निजी सुरक्षा एजेंसियां (विनियमन) अधिनियम (पीएसएआरए)-2005 के प्रावधानों का उल्लंघन कर बिना वैध लाइसेंस के संचालन कर रही निजी सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ करीमनगर पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए सात एजेंसियों पर मामले दर्ज किए हैं।

पुलिस के अनुसार प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी रेगुलेटरी अथॉरिटी के नियंत्रण अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (इंटेलिजेंस) विजय कुमार के निर्देश तथा इंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी विंग (आईएसडब्ल्यू) के ओएसडी वी.बी. कमलासन रेड्डी के आदेश पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच में सात एजेंसियां बिना वैध पीएसएआरए लाइसेंस के संचालन करती पाई गईं। अधिकारियों ने बताया कि संबंधित एजेंसियों को पहले कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर करीमनगर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के विभिन्न थानों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) तथा पीएसएआरए-2005 की धारा 20 और 22 के तहत एफआईआर दर्ज की गई। ओएसडी वी.बी. कमलासन रेड्डी ने कहा कि राज्यभर में निजी सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि पीएसएआरए लाइसेंस के बिना सुरक्षा एजेंसी संचालित करना कानूनन अपराध है। नियमों का उल्लंघन करने वालों को एक वर्ष तक की जेल या 25 हजार रुपये तक के जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है।

उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया कि सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति से पहले अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराया जाए और कम से कम 21 दिनों का बुनियादी सुरक्षा प्रशिक्षण देने के बाद ही उन्हें ड्यूटी पर लगाया जाए। साथ ही उद्योगों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और संस्थानों के संचालकों से अपील की गई कि वे केवल सरकार से मान्यता प्राप्त और वैध पीएसएआरए लाइसेंसधारी एजेंसियों से ही सुरक्षा सेवाएं प्राप्त करें।

अनुसूचित जाति विकास, जनजातीय कल्याण मंत्री अड्लुरी लक्ष्मण कुमार ने लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की।

व्यापारिक बैठक का आयोजन

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू से हिंदू व्यापार नेटवर्किंग (एच2एच) 9 नवरत्न (सिकंदराबाद चैप्टर) द्वारा सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक व्यापारिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य भाग्यनगर (हैदराबाद) के हिंदू व्यापारियों को सहयोग देना और उन्हें प्रोत्साहित करना था।

यह कार्यक्रम बेगमपेट स्थित होटल पिनकोड में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उद्योगपति एवं समाजसेवी गोपाल बलदवा उपस्थित रहे। संगठन के अध्यक्ष रतन कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में तथा अन्य सदस्यों मनीष मेहता, एम. वी. राव, चंदन श्रीधर और विनीत गेरा के सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। बैठक अध्यक्ष रतन कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में आयोजित की गई। एच2एच के संस्थापक गीतेश काटे तथा क्षेत्रीय प्रमुख रीमा देब भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

मेट्रो अधिग्रहण पर नागरिक संगठनों ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार द्वारा हैदराबाद मेट्रो रेल (एचएमआर) के अधिग्रहण के फैसले को लेकर नागरिक समाज संगठनों ने सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि यह कदम अधिग्रहण से अधिक सार्वजनिक धन के जरिए एक निजी कंपनी को वित्तीय राहत देने जैसा है। संगठनों ने पूरे समझौते को सार्वजनिक करने की मांग की है।

सिटीजन्स फॉर बेटर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के डी. नरसिम्हा रेड्डी ने कहा कि सरकार को अधिग्रहण समझौते और इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन (आईआरएफसी) से प्रस्तावित 13,527 करोड़ रुपये के पुनर्वित्त ऋण की शर्तों को सार्वजनिक करना चाहिए। उनका आरोप है कि इस फैसले से निजी निवेश की सुरक्षा तो हो रही है, लेकिन यात्रियों के हितों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शहरी विकास मंच के सदस्य एम. श्रीनिवास ने कहा कि एल एंड टी द्वारा परियोजना को कोविड-19 महामारी के कारण घाटे में बताना विवादास्पद है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने वाणिज्यिक विकास के माध्यम से आय बढ़ाने की योजना बनाई थी, लेकिन अपेक्षित स्तर पर विकास नहीं हो सका। उन्होंने पूछा कि इस व्यावसायिक मॉडल की विफलता के लिए कौन जिम्मेदार है।

वनस्थलीपुरम एन.जी.ओ.एस. कॉलनी स्थित राजपुरोहित परिवार द्वारा आयोजित एक शाम श्री खेतारामजी महाराज के नाम जागरण मे भजन प्रस्तुत करते हुए राजेश शर्मा, पवन कुमार शर्मा । अवसर पर कार्यक्रम व भजनोफ्रु का लाभ लेते हुए आयोजक विजयसिंह, दलपतसिंह, फतेहसिंह, विक्रमसिंह झितड़ा, समाज के गणमान्य तेजसिंह, शंकरसिंह सेवड़, हरिसिंह ठाकुरवास, गजेन्द्रसिंह निम्बोल, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह निमाज, सोहनसिंह बीरावास, विजयसिंह जाणुन्दा, भूरसिंह सुरायता, रुपसिंह राजपुरोहित, पृथ्वीसिंह धांगड़वास, पत्रकार परबत सोलंकी व समाज बन्धु ।

दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, बेगमपेट हवाईअड्डा में 24 जून को परिचालन विभागों से संबद्ध अधिकारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विमान यातायात नियंत्रण (एटीसी) तथा संचार प्रणाली (सीएनएस) के अधिकारियों के लिए आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य परिचालन कार्यों से जुड़े अधिकारियों को राजभाषा के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर उपस्थित हवाईअड्डे के महाप्रबंधक (समन्वय प्रभारी) अचिंत कुमार दत्त ने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में हिंदी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राजभाषा नियमों का अनुपालन हर कार्मिक का दायित्व बताते हुए कहा कि इस दिशा में समय-समय पर हिंदी कार्यशालाओं के माध्यम से सभी को जागरूक किया जा रहा है।

प्रथम सत्र में, हिंदी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक (सेवानिवृत्त) मोहम्मद कमालुद्दीन द्वारा हिंदी टिप्पण एवं आलेखन विषय पर अभ्यास-आधारित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। द्वितीय सत्र में, हिंदी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक संतोष कुमार ने सी-डैक के सहयोग से विकसित स्मृति-आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर भारती - बहुभाषी अनुवाद सारथी की जानकारी दी। भारती केवल एक सॉफ्टवेयर नहीं, बल्कि एक पूरा प्लेटफॉर्म है जो राजभाषा विभाग के विभिन्न अनुवाद उपकरणों जैसे कंठस्थ, ई-महाशब्दकोश आदि को एक सूत्र में पिरोता है। तृतीय सत्र में कमालुद्दीन ने संघ की राजभाषा नीति की जानकारी दी तथा इससे संबंधित विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों से अवगत कराया। चतुर्थ एवं अंतिम सत्र में संतोष कुमार द्वारा प्रशासनिक व तकनीकी पारिभाषिक शब्दावली पर प्रकाश डाला गया तथा कार्यशाला में सिखाए गए विभिन्न विषयों पर एक ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर संयुक्त महाप्रबंधक एटीसी अपूर्व जैन ने मुख्य अतिथि का स्वागत कर उनका परिचय दिया, जबकि संयुक्त महाप्रबंधक एटीसी राजमणि वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला संपन्न हुई।

भारत का भविष्य साम्यवाद के हाथों में : सीपीआई

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राज्य सचिव और विधायक कुनामनेनी संभाशिवराव ने बुधवार को जोर देकर कहा कि भारत में साम्यवाद ही एकमात्र विचारधारा है जिसका भविष्य है, उन्होंने वर्तमान व्यवस्था के तहत बढ़ती असमानता, बेरोजगारी और आर्थिक संकट का हवाला दिया। हैदराबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित राजनीतिक प्रशिक्षण कक्षाओं को संबोधित करते हुए, संभाशिवराव ने तर्क दिया कि पूंजीवाद वैश्विक स्तर पर चुनौतियों का सामना कर रहा है, जबकि कई देशों में वामपंथी आंदोलन मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने बढ़ती कीमतों, बेरोजगारी, भुखमरी और बढ़ती धन असमानता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हाशिए पर रहने वाले समुदाय, मजदूर, किसान, महिलाएं और युवा तेजी से साम्यवादी आदर्शों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। पीआई नेता ने श्रीलंका, नेपाल और चीन जैसे देशों में हो रहे घटनाक्रमों का हवाला देते हुए वामपंथी प्रभाव में वृद्धि का संकेत दिया। उन्होंने भारत में कम्युनिस्ट दलों के बीच अधिक एकता का आह्वान किया और सीपीआई की अपनी शताब्दी पुरानी वैचारिक नींव के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया। संभाशिवराव ने आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि भारत के भावी राजनीतिक परिदृश्य में वामपंथी ताकतों की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होगी।

अपार्टमेंट में एसी यूनिट में लगी आग

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली के बाग अमीर इलाके में मंगलवार आधी रात एक अपार्टमेंट परिसर में आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लेने से बड़ा हादसा टल गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस के अनुसार, आग लक्ष्मी रागमयी अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में लगी। फ्लैट में लगे एयर कंडीशनर की बाहरी यूनिट से अचानक आग की लपटें निकलने लगीं। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग को इमारत के अन्य हिस्सों में फैलने से पहले ही बुझा दिया। इस दौरान अपार्टमेंट के निवासियों को सतर्क कर आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए। प्रारंभिक जांच में एसी यूनिट में तकनीकी खराबी के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

शेरलिंगमपल्ली में एसआईआर जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने की शिरकत

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शेरलिंगमपल्ली विधानसभा क्षेत्र में विधायक अरिकापुडी गांधी के नेतृत्व में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। क्षेत्र के लोगों, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को एसआईआर प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भुवनगिरि लोकसभा सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी शामिल हुए। उन्होंने एसआईआर से जुड़े विभिन्न पहलुओं और इसके माध्यम से जनता को मिलने वाले लाभों पर विस्तार से चर्चा की। सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने अपने संबोधन में कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारी कार्यक्रमों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने में इस प्रकार की जागरूकता संगोष्ठियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और शेरलिंगमपल्ली विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सांसद ने इंसेफेलाइटिस मरीज की आर्थिक सहायता सुनिश्चित की

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने हैदराबाद के एनआईएमएस अस्पताल में वायरल एन्सेफलाइटिस का इलाज करा रही पेद्दापल्ली जिले की एक महिला को समय पर सहायता प्रदान की। तंदूर मंडल के कोथापल्ली गांव की निवासी अदे सतम्मा का इलाज चल रहा था, तभी उनके परिवार ने पेद्दापल्ली के सांसद से मदद मांगी। वामसी कृष्णा ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उनका मामला तेलंगाना सरकार के समक्ष उठाया और मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के माध्यम से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई। उनके हस्तक्षेप के बाद, उनके चिकित्सा खर्चों को कवर करने के लिए 2.50 लाख रुपये का लेटर ऑफ क्रेडिट (एलओसी) स्वीकृत किया गया। परिवार के सदस्यों ने इस चुनौतीपूर्ण दौर में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करने और बिना देरी किए उपचार सहायता दिलाने में मदद करने के लिए सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया।

पानी से भरे गड्ढे में गिरने से 15 महीने की मासूम की मौत

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। घटकेसर इलाके में मंगलवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 15 महीने की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची घर के सामने बने पानी से भरे खुले गड्ढे में गिर गई थी। पुलिस के अनुसार, नागरकुर्नूल जिले के लिंगाला निवासी संपंगी महेश अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ काम की तलाश में घाटकेसर के शिवरेड्डीगुडा इलाके में रह रहे हैं। महेश ऑटो चालक हैं, जबकि उनकी पत्नी दिहाड़ी मजदूर हैं। मंगलवार को उनकी 15 महीने की बेटी नैनिका घर के पास खेल रही थी। इसी दौरान वह भटककर पानी से भरे गड्ढे में गिर गई। काफी देर तक जब बच्ची दिखाई नहीं दी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। शक होने पर उन्होंने नाले की जांच की, जहां बच्ची पानी में मिली। परिजन उसे तुरंत सरकारी अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे
@SCRailwayIndia
www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सं. वाई-एसजी-36-2026-27-08, दि.22-06-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.17-07-2026 के 11.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः वाई-एसजी-36-2026-27-08, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः 03 कन्ट्रोल बोड्र्स के लिए, मल्टि-मानिटर डिस्प्ले को विभाजित करने तथा तत्संबंधित के प्रावधान द्वारा डाटा लाग्गर सिस्टम (सर्वस, सीएमयुज एफइपी) की विश्वसीनयता में सुधार करना। निविदा मूल्य रु.15081339.72 अग्रधन रु.301600.00

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, हैदराबाद

निविदा सं. वाई-एसजी-36-2026-27-09, दि.23-06-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.17-07-2026 के 11.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः वाई-एसजी-36-2026-27-09, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः 1) 9 एमएमटीएस स्टेशनों (जैसे-एलजीडीएच, डीवाई, एसएफएक्स, आरकेओ, एएमक्यू, एएलडब्ल्यू, बीओजेड, जीडब्ल्यूवी & एनएसवीपी) पर सीसीटीवी कैमरे का प्रावधान। 2) हैदराबाद डिवीजन में रेलवे स्टेशनों के विभिन्न स्थानों पर वीडियो सर्वेल्लैन्स का प्रावधान तथा रिले रूम / स्टेशन मास्टर रूम पर वीडियोज रिकार्डिंग का प्रावधान & 67 रिले रूम, 67 स्टेशन मास्टर रूम पर वीडियो रिकार्डिंग सिस्टम का प्रावधान। निविदा मूल्य रु.32361493.42 अग्रधन रु.647200.00

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, हैदराबाद

ई-निविदा सूचना संख्याएं-सी/ई.29/इलेक./जीएस/एससी/4/डीबी/ओटी/2026-27 & सी/ई.29/इलेक./जीएस/एससी/5/टीएफ/ओटी/2026-27, दि.20-06-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, नीचे दिए गए काम के लिए 10-07-2026 और 15-07-2026 को 15.00 बजे तक ई-टेंडर मंगाए जाते हैं।

क्रम संख्याः 01, ई-टेंडर संख्याः निविदा सं. सी/ई.29/इलेक./जीएस/एससी/4/डीबी/ओटी/2026-27, ईटेंडर नं. सी-ई-जीएस-एससी-04-ओटी-2026-27 कार्य विवरणः गति शक्ति-सिकंदराबाद डिवीजन-एससी-वाडी & वीकेबी-पीआरएलआई सेक्शनः I) परली वैजनाथ — लातूर रोड & परली वैजनाथ-परभणी मेन लाइनों को जोडने के लिए प्रस्तावित परली वैजनाथ स्टेशन का कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। II) लातूर रोड-परली वैजनाथ & लातूर रोड-कुर्दुवाडी मेन लाइनों को जोडने के लिए प्रस्तावित नई बाईपास लाइन का कार्य-बिजली व्यवस्थाएं।निविदा मूल्य रु.24544351.38 अग्रधन रु.490900.00 सीटीएफ रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 9 महिने।

क्रम संख्याः 02, ई-टेंडर संख्याः निविदा सं. सी/ई.29/इलेक./जीएस/एससी/5/टीएफ/ओटी/2026-27, ईटेंडर नं. सी-ई-जीएस-एससी-5-ओटी-2026-27 कार्य विवरणः जीएसयु/एससीः विकाराबाद-परली सेक्शन पर स्टैन्डर्ड लेआउट (19 किमी) सहित कमालनगर तथा उदगीर के बीच नई क्रासिंग स्टेशन का प्रावधान। निविदा मूल्य रु.3417636.14 अग्रधन रु.68400.00 सीटीएफ रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने।

आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा इसमें यदि कोई संशोधन हो तो उसे देख सकते हैं।

उप मुख्य बिजली अभियंता (गति शक्ति), सिकंदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, डीवाई. सीईई/जीएस/एससी, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु निविदाकरण की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम संख्याः 01, एनआईटी संख्याः सीई-29-जीएसयु-इलेक-02-2026-27 कार्य विवरणः सीई-29-जीएसयु-इलेक-02-2026-27, दि.18-06-2026, विकाराबाद -परली सेक्शन पर कमालनगर (केएमएनआर) तथा उदगीर (युडीजीआर) स्टेशनों के बीच प्रस्तावित नई क्रासिंग स्टेशन का कार्य-ओएचइ व्यवस्थाएं। निविदा मूल्य रु.2,79,32,095.20 कार्य पूरा करने की अवधिः 180 दिन, बंद करने की तिथिः10-07-2026 के 15.00 बजे

क्रम संख्याः 02, एनआईटी संख्याः सीई-29-जीएसयु-इलेक-06-2026-27 कार्य विवरणः निविदा सं. सीई-29-जीएसयु- इलेक-06-2026-27, दि.20-06-2026 (1) एचएसपी-ओपीएल स्टेशन (एलसी-12) पर आरओबी सहित ओएचइ परिवर्तनों संबंधित प्रावधान। (2) ओपीएल-जेएमकेटी स्टेशन (एलसी-18) पर आरओबी सहित ओएचइ परिवर्तनों संबंधित प्रावधान। (3) जेएमकेटी--बीजीएसएफ स्टेशन (एलसी-23) पर आरओबी सहित ओएचइ परिवर्तनों संबंधित प्रावधान। (4) बीजीएसएफ — पीटीपीके स्टेशन (एलसी-27) पर आरओबी सहित ओएचइ परिवर्तनों संबंधित प्रावधान। (5) ओएचइ परिवर्तन सहित इलेक्ट्रिक लोकोज के निरीक्षण या इंसपेक्शन तथा रखरखाव गतिविधि के लिए चेर्लापल्ली ट्रिप मेन्टेनेन्स/एडवान्स इंसपेक्शन सेंटर व्यवस्था। (6) ओएचइ परिवर्तन सहित इलेक्ट्रिक लोकोज के निरीक्षण तथा रखरखाव गतिविधि के लिए सनतनगर ट्रिप मेन्टेनेन्स/एडवान्स इंसपेक्शन सेंटर व्यवस्था। निविदा मूल्य रु.2,85,08,173.8, कार्य पूरा करने की अवधिः 9 महिने, बंद करने की तिथिः 15-07-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः http://ireps.gov.in पर लाग इन करें।

आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा इसमें यदि कोई संशोधन हो तो उसे देख सकते हैं।

निविदाकार, किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

-उप मुख्य बिजली अभियन्ता, गति शक्ति, सिकंदराबाद

ए464

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

विमेंस वर्ल्डकप में भारत का सेमीफाइनल पहुंचना मुश्किल

ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को हराना पड़ेगा

खेल डेस्क, 24 जून (एजेंसियां)। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप-A का समीकरण पूरी तरह बदल गया है। मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने भारत को 6 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में उसकी पहली हार दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 158/7 रन बनाए थे। आखिरी ओवर में साउथ अफ्रीका ने टारगेट हासिल कर लिया।

इस हार के बाद भारत का सेमीफाइनल में पहुंचना मुश्किल हो गया है। टीम को अब अपने बाकी दोनों मुकाबले बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीतने ही होंगे। दूसरी ओर पाकिस्तान, नीदरलैंड, आयरलैंड और स्कॉटलैंड टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया ग्रुप-ए की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। उसके पास सबसे ज्यादा 8 अंक हैं। भारत दूसरे, साउथ अफ्रीका तीसरे और बांग्लादेश चौथे स्थान पर है। पाकिस्तान और नीदरलैंड टॉप-4 की रेस से बाहर हो चुकी हैं।

वहीं, ग्रुप-बी में मेजबान इंग्लैंड 6 अंक के साथ टॉप पर है। वेस्टइंडीज के पास भी 6 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट कम होने की जगह से दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड और श्रीलंका 4-4 अंक लेकर तीसरे और चौथे नंबर पर हैं। स्कॉटलैंड और आयरलैंड इस ग्रुप से एलिमिनेट हो चुकी हैं।

साउथ अफ्रीका से मिली हार के बाद भारत की राह कठिन हो गई है। उसे टॉप-4 में पहुंचने के लिए आगे के दोनों मैच जीतने होंगे। टीम इंडिया अगला मैच 25 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 28 जून को उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंचेगी अगर

अगर भारतीय टीम अपने दोनों मैच जीत लेती है और उसका नेट रन रेट ऑस्ट्रेलिया या फिर साउथ अफ्रीका से बेहतर रहता है, तो टीम 8 अंक के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। अभी भारत का नेट रन रेट साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश से बेहतर है।

2 में से एक मैच हारने की स्थिति में भारत 6 अंक तक ही पहुंच सकेगा। ऐसे में उसे ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश के एक मैच हारने की दुआ करनी होगी। साथ ही अपना नेट रन रेट दूसरी टीमों से बेहतर रखना होगा।

हॉकी प्रो लीग- भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराया

अभिषेक, नीलकांत, सुखजीत और राजिंदर ने गोल दागे; टीम 10 साल से पाक से नहीं हारी

लंदन, 24 जून (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम ने FIH प्रो लीग में पाकिस्तान को 4-3 से हरा दिया। लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में भारत ने 1-0 से पिछड़ने के बाद वापसी की। टीम के लिए अभिषेक, नीलकांत शर्मा, सुखजीत सिंह और राजिंदर सिंह ने गोल किए। वहीं, पाकिस्तान की तरफ से अहमद नदीम और कप्तान अबू महमूद और शकील मोईन ने गोल किया।

पिछले 10 साल में भारतीय टीम पाकिस्तान से कोई मुकाबला नहीं हारी है। दोनों टीमों के बीच पिछले 18 मुकाबलों में भारत ने 16 जीते हैं। 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। पाकिस्तान ने आखिरी बार भारत को दिसंबर 2016 में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में हराया था।

भारत ने मैच की शुरुआत अटैक से की, लेकिन गोल नहीं कर सका। इसके उलट पाकिस्तान ने अपने पहले ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दाग दिया। अहमद नदीम ने 10वें मिनट में गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारत ने फाउल की अपील की, लेकिन अंपायर ने गोल बरकरार रखा।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने दबाव बढ़ाया। दिलप्रीत सिंह के शानदार क्रॉस पर अभिषेक ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके तुरंत बाद भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। हरमनप्रीत सिंह की ड्रैग फ्लिक को पाकिस्तान ने रोक लिया, लेकिन रिबाउंड पर नीलकांत शर्मा ने गेंद को नेट में पहुंचाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

पहले हाफ में भारतीय टीम ने 19 बार पाकिस्तान के सर्किल में इंटर किया, जबकि पाकिस्तान केवल 2 ही कर सका। भारत को 9 पेनल्टी कॉर्नर मिले, हालांकि टीम सिर्फ एक को गोल में बदल सकी।

गोल करने के बाद जश्न मनाते हुए भारतीय प्लेयर्स

तीसरे क्वार्टर में पाकिस्तान ने तेज शुरुआत की, लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने बेहतरीन बचाव किए। इसके बाद भारत के सुखजीत सिंह ने बॉक्स के अंदर शानदार टर्न लेकर जोरदार शॉट से गोल दाग दिया। इस गोल के साथ भारत की बढ़त 3-1 हो गई।

आखिरी क्वार्टर में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। राजिंदर सिंह ने बेहतरीन ड्रैग फ्लिक लगाकर स्कोर 4-1 कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने वापसी की कोशिश की। कप्तान अबू महमूद ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया और फिर शकील मोईन ने एक और गोल दागकर स्कोर 4-3 कर दिया, लेकिन तब तक भारत ने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

पाकिस्तान के नियमित कप्तान अम्माद शकील बट वीजा समस्या के कारण टीम के साथ नहीं थे। उनकी जगह अबू महमूद ने कप्तानी संभाली। टीम के मुख्य कोच भी लंदन में मौजूद नहीं थे और मैनेजर ने टीम की जिम्मेदारी संभाली।

FIH प्रो लीग अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ की सालाना लीग है। इसकी शुरुआत 2019 में हुई थी। इसमें पुरुष और महिला वर्ग की दुनिया की टॉप टीमें हिस्सा लेती हैं। टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाता है, यानी हर टीम सभी दूसरी टीमों के खिलाफ मुकाबले खेलती है। सीजन के अंत में सबसे ज्यादा पॉइंट्स हासिल करने वाली टीम चैंपियन बनती है।

इस लीग की सबसे खास बात इसका होम और अवे फॉर्मेट है। उदाहरण के लिए, अगर भारत और इंग्लैंड के बीच मुकाबला है तो एक मैच भारत में और दूसरा इंग्लैंड में खेला जाएगा। इसी तरह टीमों को अलग-अलग देशों में जाकर मैच खेलने पड़ते हैं। 2025-26 सीजन के मुकाबले भारत के राउरकेला, इंग्लैंड के लंदन, बेल्जियम के एंटवर्प, नीदरलैंड्स के एम्सटर्डम, स्पेन के वैलेंसिया और ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट जैसे शहरों में आयोजित किए गए हैं।

मौजूदा सीजन की पॉइंट्स टेबल में बेल्जियम 12 मैचों में 34 अंकों के पहले स्थान पर है। इंग्लैंड (26 अंक) दूसरे और ऑस्ट्रेलिया (24 अंक) तीसरे स्थान पर हैं। भारत 12 मैचों में 10 अंक लेकर आठवें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान एक भी अंक नहीं जुटा सका और नौवें स्थान पर है।

आईसीसी रैंकिंग: शुभमन गिल नंबर-2 वनडे बल्लेबाज

ईशान किशन की 21 स्थान की छलांग, टेस्ट में 36 साल बाद न्यूजीलैंड के बॉलर टॉप पर

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में टॉप स्कोरर रहे भारतीय कप्तान शुभमन गिल की रैंकिंग में उछाल आया है। आईसीसी की वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर के टॉप बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले वह पांचवें नंबर पर थे। गिल वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 पर काबिज न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल से सिर्फ 24 रेटिंग अंक पीछे हैं। गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ हालिया तीन मैचों की वनडे सीरीज में 238 रन बनाए।

वहीं, ईशान किशन 21 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 43वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बुधवार को जारी हुई साप्ताहिक रैंकिंग में भारत बॉलर प्रसिद्ध कृष्णा को 34 और अर्शदीप सिंह को 16 स्थान का फायदा मिला है।

टेस्ट रैंकिंग में न्यूजीलैंड के मैट हैनरी भारत के जसप्रीत बुमराह के साथ संयुक्त रूप से नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं। यह 36 साल बाद है, जब न्यूजीलैंड का कोई गेंदबाज पहले स्थान पर आया है। इससे पहले 1990 में रिचर्ड हैडली टेस्ट के टॉप गेंदबाज थे।

ICC वनडे बैटिंग रैंकिंग

रैंक	खिलाड़ी	देश	रेटिंग
1	डेरिल मिचेल	न्यूजीलैंड	815
2	शुभमन गिल	भारत	791
3	विराट कोहली	भारत	768
4	रोहित शर्मा	भारत	754
5	इब्राहिम जादरान	अफगानिस्तान	712
6	बाबर आजम	पाकिस्तान	689
7	शाई होप	वेस्टइंडीज	683
8	हैरी टेक्टर	आयरलैंड	679
9	चरिथ असलंका	श्रीलंका	659
10	हैरी ब्रूक	इंग्लैंड	656

विराट कोहली हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई सीरीज से बाहर हो गए थे। विराट की रैंकिंग पर इसका असर पड़ा है। पिछले हफ्ते वह दूसरी पोजिशन पर थे, इस बार खिसक कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं। जबकि रोहित शर्मा चौथे स्थान पर बने हुए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में उन्होंने 143 रन बनाए थे, जिसमें एक फिफ्टी शामिल है।

वनडे में गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के तीन खिलाड़ियों ने बड़ी छलांग लगाई है। अर्शदीप सिंह 16 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गए हैं। प्रसिद्ध कृष्णा 34 पायदान की बढ़त के साथ 58वें स्थान पर आ गए हैं, जबकि वॉशिंगटन सुंदर 17 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 71वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में अफगानिस्तान के राशिद खान पहले, पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे और इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर तीसरे स्थान पर हैं।

टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी बदलाव हुआ है। इंग्लैंड के स्टैंड-इन कप्तान जो रूट दो पायदान ऊपर चढ़ टॉप पर पहुंच गए हैं। दूसरे नंबर पर हैरी ब्रूक और तीसरे पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की 253 रनों की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज मैट हेनरी टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। अब हेनरी ने जसप्रीत बुमराह के साथ नंबर-1 की पोजिशन शेयर की है।

दिल्ली कैपिटल्स के ओपनर अभिषेक पोरेल पर लड़की ने लगाया गंभीर आरोप

शिकायत दर्ज

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले बंगाल के बल्लेबाज अभिषेक पोरेल पर एक लड़की ने गंभीर आरोप लगाया है. लड़की ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि उन्होंने उससे शादी का वादा किया था और वो उसके साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहे.

अभिषेक पोरेल के खिलाफ हुगली जिले के मगरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है. हालांकि इस क्रिकेटर ने इन सभी आरोपों को झूठा बताते हुए खारिज कर दिया है.

अभिषेक पोरेल पर लगे ये आरोप उनके लिए बहुत बड़ी मुसीबत का सबब बन सकते हैं.

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को दिल्ली कैपिटल्स की टीम हर सीजन के 4 करोड़ रुपये देती है. इन आरोपों का असर उनके प्रोफेशनल करियर पर पड़ सकता है.

अभिषेक पोरेल महज 23 साल के हैं और उन्हें दिल्ली कैपिटल्स टीम ने काफी मौके दिए हैं. ये खिलाड़ी पिछले चार सीजन से दिल्ली के साथ है जिसमें उन्होंने 35 मैचों में 25.63 की औसत से 769 रन बनाए हैं. पोरेल ने आईपीएल में 4 अर्धशतक जमाए हैं.

अभिषेक पोरेल बंगाल के लिए 32 फर्स्ट क्लास मैचों में एक शतक की मदद से 1408 रन बना चुके हैं और लिस्ट ए में वो 43 से ज्यादा की औसत से 833 रन बना चुके हैं, जिसमें उनके बल्ले से 2 शतक और 5 अर्धशतक निकले हैं.

वैभव सूर्यवंशी के भाई आशीर्वाद ने फिर तूफानी पारी खेली

119 गेंद पर 168 रन बनाए, इसमें 19 चौके और 6 छक्के शामिल

समस्तीपुर, 24 जून (एजेंसियां)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी ने फिर तूफानी पारी खेली। उन्होंने एक लोकल टूर्नामेंट में 119 गेंद पर 168 रन बनाए। उनकी पारी में 19 चौके और 6 छक्के शामिल रहे।

10 साल के आशीर्वाद ने बुधवार को इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए अपनी पारी की जानकारी दी। उनकी पारी के दम पर ऋषभ-11 ने समस्तीपुर में खेले गए लोकल मैच में वैशाली-11 को हराया।

इससे पहले आशीर्वाद ने बिरौली के खिलाफ मैच में 87 गेंदों पर 103 रन बनाए थे। उस पारी में 20 चौके और एक छक्का शामिल था। पिता संजीव कह चुके हैं कि वे आशीर्वाद को भी अगले दो साल में वैभव की तरह बेहतरीन क्रिकेटर बनाना चाहते हैं।

आशीर्वाद सूर्यवंशी बिहार में क्रिकेट की ट्रेनिंग ले रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी के 2 भाई हैं। उनके बड़े भाई का नाम उज्ज्वल सूर्यवंशी है, जबकि सबसे छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी हैं। पिता संजीव सूर्यवंशी और मां आरती सूर्यवंशी ने दोनों बेटों के क्रिकेट करियर में अहम भूमिका निभाई है।

आशीर्वाद दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जबकि वैभव लेफ्टी बैटिंग करते हैं। हालांकि, दोनों का बैटिंग अप्रोच एक जैसा है। आशीर्वाद अपने बड़े भाई की तरह अटैकिंग बैटिंग करते हैं। वे शानदार टाइमिंग, बेहतरीन शॉट सिलेक्शन और पावर हिटिंग के लिए भी जाने जाते हैं।

वैभव के डेब्यू को लेकर यूरोप में क्रेज

टिकटों की भारी डिमांड

बेलफ़ास्ट, 24 जून (एजेंसियां)। 15 साल के भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के आयरलैंड के खिलाफ संभावित इंटरनेशनल डेब्यू को लेकर यूरोप में जबरदस्त उत्साह है। पूर्व भारतीय और आयरिश क्रिकेटर एमवी नरसिम्हा राव (बॉबजी) ने बताया कि बेलफास्ट के 7,000 क्षमता वाले स्टॉर्मोंट ग्राउंड के लिए टिकटों की भारी मांग है और यूरोप के कई देशों से फैंस मैच देखने पहुंच सकते हैं।

राव का मानना है कि बेलफास्ट की धीमी पिचें वैभव को रास आएंगी, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में स्विंग और बदलते मौसम के कारण उनकी असली परीक्षा होगी। उन्होंने वैभव की बल्लेबाजी की तुलना सर गारफील्ड सोबर्स से करते हुए कहा कि उनकी तकनीक और शॉट खेलने की क्षमता शानदार है।

राव ने युवा बल्लेबाज को सलाह दी कि वे सुपरस्टारडम के बीच सचिन तेंदुलकर की तरह विनम्र रहें, फिटनेस और अनुशासन बनाए रखें। उन्होंने कहा कि वैभव के पास असाधारण प्रतिभा है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होगी। आयरलैंड क्रिकेट में 35 साल से योगदान दे रहे राव को 28 जून को दूसरे टी-20 से पहले प्रतिष्ठित 'रॉय टॉरेंस बेल' बजाने का सम्मान भी मिलेगा।

जैकॉब ने 110 मीटर हर्डल 12.75 सेकंड में पूरी की

रेस से पहले चीजबर्गर खाने वाले 20 वर्षीय अमेरिकी एथलीट बना वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर

न्यूयॉर्क, 24 जून (एजेंसियां)। क्या कोई एथलीट अपनी सबसे अहम रेस से ठीक पहले भारी-भरकम फास्ट फूड खाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना सकता है? 20 साल के अमेरिकी एथलीट जैकॉब थार्प ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। ऑबर्न यूनिवर्सिटी के इस युवा छात्र ने 110 मीटर स्प्रिंट हर्डल को महज 12.75 सेकंड में पूरा कर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है।

अपनी शानदार जीत के साथ-साथ जैकॉब अपने अनोखे प्री-रेस रूटीन के लिए भी चर्चा में हैं। रेस से पहले उनका फिक्स मील है: दो चीजबर्गर, लार्ज फ्रेंच फ्राइज और चिकन नगेट्स। यूजीन (ओरेगन) में आयोजित एनसीएए चैम्पियनशिप में जैकॉब ने यह ऐतिहासिक कारनामा किया।

उन्होंने 2012 में बेल्जियम में एरीस मेरिट द्वारा बनाए गए पुराने रिकॉर्ड को 0.05 सेकंड से पीछे छोड़ दिया। इस टूर्नामेंट में आने से पहले जैकॉब का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 13.01 सेकंड था। अपने समय में 0.26 सेकंड का सुधार लाकर उन्होंने दुनिया को चौंका दिया है।

जैकॉब अब दुनिया भर में मशहूर हो चुके हैं, लेकिन उनका असली लक्ष्य अभी बाकी है। उनकी नजर अब 2027 के बीजिंग वर्ल्ड चैम्पियनशिप और 2028 के लॉस एंजिलिस ओलिंपिक पर है। जैकॉब अपनी रिकॉर्ड-ब्रेकिंग रेस का वीडियो 15 बार देख चुके हैं ताकि यह समझ सकें कि और कहां समय बचाया जा सकता है।

जैकॉब का मानना है कि रेस की आखिरी 3 बाधाओं पर सबसे ज्यादा फोकस की जरूरत होती है। वे कहते हैं, 'जब आप इतनी तेज दौड़ रहे होते हैं, तो बाधाएं बहुत जल्दी सामने आती हैं और आपका शरीर धीमा होना चाहता है। लेकिन आपको एक 'कामिकेज पायलट' की तरह खतरे की ओर बिना डरे हमला करते रहना होता है।' जैकॉब के माता-पिता बास्केटबॉल खिलाड़ी रहे हैं। शुरुआत में जैकॉब भी बास्केटबॉल और ट्रैक दोनों में हाथ आजमाते थे, लेकिन बाद में उन्होंने सिर्फ दौड़ने को अपना करियर चुना।

जैकॉब अपनी हर बड़ी रेस से पहले मैकडॉनल्ड्स का फास्ट फूड खाते हैं। यह कोई शौक नहीं, बल्कि उनका एक अंधविश्वास (सुपरस्टिशन) बन चुका है। हाई स्कूल के दौरान स्टेट चैम्पियनशिप में उन्होंने यही मील खाया था और जीत हासिल की थी। तब से हर बड़े इवेंट से पहले वे इसी डाइट को फॉलो कर रहे हैं। उनके कोच केन हार्नडेन (जिम्बाब्वे के दो बार के ओलिम्पियन) को शुरुआत में यह बिल्कुल पसंद नहीं था। लेकिन जैकॉब कहते हैं, 'अगर कोई चीज काम कर रही है, तो उसे बदलने की क्या जरूरत है।

फुटबॉल वर्ल्ड कप में क्रोएशिया ने पनामा को हराया

टोरंटो, 24 जून (एजेंसियां)। एंटे बुदिमिर के गोल के दम पर क्रोएशिया ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में बुधवार को पनामा को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ क्रोएशिया ने नॉकआउट दौर में पहुंचने की अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं हैं। जबकि पनामा टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

टोरंटो स्टेडियम में ग्रुप-एल के इस मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। हालांकि, कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। पनामा की डिफेंस लाइन ने क्रोएशिया के हमलों को अच्छी तरह रोके रखा।

फिर दूसरे हाफ में क्रोएशिया के एंटे बुदिमिर मैदान पर उतरने के चार मिनट बाद ही गोल करने में सफल रहे। उन्होंने 54वें मिनट में जोसिप स्तानिशिच के सटीक क्रॉस पर आसान गोल दागा। इस गोल ने क्रोएशिया को 1-0 की बढ़त दिला दी। जोकि आखिरी तक कायम रही।

40 साल के लुका मोड्रिच ने करियर का 200वां इंटरनेशनल मैच खेला। उन्होंने 57वें मिनट में मार्को पालिच के लिए शानदार मौका बनाया, लेकिन पनामा के गोलकीपर ऑरलैंडो मॉस्केरा ने बेहतरीन बचाव किया।

मैच के 67वें मिनट में पनामा ने बराबरी के लिए लगातार तीन प्रयास किए, लेकिन गोलकीपर डोमिनिक लिवाकोविच ने शानदार बचाव करते हुए सभी मौके विफल कर दिए।

बूस्टन स्टेडियम में ग्रुप-एल के एक अन्य मैच में इंग्लैंड और घाना ने गोलरहित ड्रॉ खेला गया। इंग्लैंड ने पूरे मैच में 19 शॉट लगाए, जबकि घाना सिर्फ एक शॉट ही लगा सका। घाना ने अहम एक अंक हासिल कर लिया। 86वें मिनट में निको ओ'राइली का हेडर क्रॉसबार से टकराया। हैरी केन के पास रिबाउंड पर गोल करने का मौका था, लेकिन उनका प्रयास लक्ष्य से ऊपर निकल गया।

घाना के लिए सबसे अच्छा अवसर 78वें मिनट में बना, जब अब्दुल फतावू ने शानदार रन लगाकर प्रिंस अडू को पास दिया। हालांकि इंग्लैंड के डिफेंडर एजरी कोन्सा ने समय रहते हस्तक्षेप कर खतरा टाल दिया। घाना ने इस मौके पर पेनल्टी की मांग की, लेकिन रेफरी ने इसे नकार दिया।

रोनाल्डो लगातार 6 वर्ल्डकप में गोल करने वाले पहले फुटबॉलर

टूर्नामेंट में पुर्तगाल के लिए सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड भी बनाया

ह्यूस्टन, 24 जून (एजेंसियां)। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो लगातार 6 फुटबॉल वर्ल्डकप में गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने उज्बेकिस्तान के खिलाफ छठे मिनट में गोल करके यह उपलब्धि हासिल की। 41 साल के रोनाल्डो 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 के वर्ल्ड कप में भी गोल स्कोर कर चुके हैं। उन्होंने अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी को पीछे छोड़ा। मेसी ने 2006, 2014, 2018, 2022 और 2026 वर्ल्ड कप में गोल किए हैं। लेकिन, वे 2010 के एडिशन में गोल नहीं कर सके। ह्यूस्टन स्टेडियम में खेले गए इस मैच में पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराया। रोनाल्डो ने अपना पहला वर्ल्डकप गोल 2006 में 21 साल की उम्र में किया था। उनके नाम सबसे ज्यादा 145 इंटरनेशनल गोल हैं। रोनाल्डो 230वां इंटरनेशनल मैच खेल रहे थे। रोनाल्डो ने 39वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा। इसी के साथ वे पुर्तगाल के लिए वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा 10 गोल करने वाले प्लेयर भी बन गए। उन्होंने यूसेबियो के 9 गोल के रिकार्ड को पीछे छोड़ा।

मैच में रोनाल्डो के अलावा, नूनो मेंडेस (17वें मिनट) और राफेल लेओ (87वें मिनट) ने गोल किया। 59वें मिनट में उज्बेकिस्तान के गोलकीपर अब्दुवोहिद नेमातोव से बॉल टकराकर गोल में चली गई। इसे ओन गोल माना गया। मौजूदा टूर्नामेंट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 2 गोल हो चुके हैं। वे पहले मैच में डीआर कांगो के खिलाफ गोल नहीं कर सके थे।

मैच की शुरुआत से ही पुर्तगाल अटैकिंग दिखा। चौथे मिनट में नूनो मेंडेस के क्रॉस पर रोनाल्डो मौका चूक गए, लेकिन दो मिनट बाद उन्होंने गलती नहीं दोहराई। जोआओ कैंसिलो के लो क्रॉस पर रोनाल्डो ने शानदार राइट-फुटेड शॉट लगाकर गेंद को नेट में पहुंचाया। इसी गोल के साथ वह 6 वर्ल्डकप में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

14वें मिनट में उज्बेकिस्तान के खामरोबेकोव ने पेड्रो नेटो को फाउल किया। यहां पुर्तगाल को फ्री-किक मिली। सभी को लगा कि रोनाल्डो शॉट लेंगे, लेकिन उन्होंने गेंद छोड़ दी और नूनो मेंडेस ने 17वें मिनट में शानदार लो शॉट लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया।

29वें मिनट में उज्बेकिस्तान के अजीज गानिएव ने दूर से शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के टॉप कॉर्नर में पहुंचा दिया था। हालांकि, रिव्यू में पुर्तगाल के जोआओ कैंसिलो पर फाउल पाया गया और गोल नहीं दिया गया।

38वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस ने मिडफील्ड से बेहतरीन थ्रू बॉल दी। रोनाल्डो डिफेंस से निकलते हुए आगे बढ़े और गेंद को पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया। इस गोल ने पुर्तगाल को हाफ टाइम से पहले 3-0 की बढ़ पर ला दिया।

सीएम ने एसआईआर अभियान को लेकर कांग्रेस नेताओं को चेतावनी दी

एसआईआर पर ज़ूम बैठक में दिए कई निर्देश

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता) । मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने चेतावनी दी है कि यदि कोई भी पार्टी नेता एसआईआर अभियान के कार्यान्वयन में पार्टी के निर्देशों का पालन नहीं करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बुधवार को पार्टी नेताओं के साथ एसआईआर पर एक ज़ूम बैठक में भाग लेते हुए, मुख्यमंत्री ने मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारियों को मतदाता सूची से वास्तविक मतदाताओं के नाम संभावित रूप से हटाए जाने की रिपोर्टों के मद्देनजर एसआईआर पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, एसआईआर का मुद्दा बहुत गंभीर मामला है। कुछ नेता एसआईआर को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पार्टी को नुकसान होगा तो वह मूक दर्शक नहीं बने रहेंगे क्योंकि उन्हें एसआईआर जागरूकता बैठकों के संबंध में पहले ही जिलावार रिपोर्ट मिल चुकी हैं। रेवंत रेड्डी ने नेताओं को एसआईआर पर अधिक जागरूकता बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया और प्रभारी मंत्रियों को इन बैठकों को सफल बनाने की अधिक जिम्मेदारियां सौंपीं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एसआईआर के दौरान गरीबों के मतदान अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि गरीब अपना वोट खो देते हैं, तो वे अपना आधार कार्ड और राशन कार्ड भी खो देंगे। सभी नेताओं को पार्टी के निर्देशों का सख्ती से पालन करना चाहिए। यदि प्रभारी पार्टी के निर्देशों का पालन करने में विफल रहते हैं, तो उन्हें नए प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे। हम किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंगे और 10 दिनों तक प्रभारीों के कार्यप्रदर्शन पर नजर रख रहे हैं।, मुख्यमंत्री ने पार्टी सरपंचों से एसआईआर का आयोजन करने और गांवों में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने की अपील भी की।

ईएफएलयू के विद्वान ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

ट्राइबल हैमलेट से राष्ट्रपति भवन तक:

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता) । हैदराबाद स्थित इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी (ईएफएलयू) में मीडिया और संचार में पीएचडी कर रहे दूसरे वर्ष के छात्र रामावत मुनिलाल ने नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ एक संवादात्मक बैठक में भाग लिया। जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा जनजातीय गरिमा उत्सव और नए भारत में बिरसा का जीवन सप्ताह के राष्ट्रव्यापी समारोहों के हिस्से के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर से आदिवासी विद्वान, छात्र और प्रतिष्ठित व्यक्ति एक साथ आए। मुनीलाल ने राष्ट्रपति भवन और उसके संग्रहालय का भी दौरा किया, जिससे उन्हें भारत की लोकतांत्रिक और कूटनीतिक विरासत की गहरी समझ प्राप्त हुई। एक आदिवासी गांव से आने वाले मुनीलाल ने राष्ट्रपति के साथ हुई बातचीत को एक परिवर्तनकारी अनुभव बताया, जिसने शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामुदायिक विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल आदिवासी और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के छात्रों को उच्च शिक्षा, नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

छात्रों को पौधों की तरह पोषित करना चाहिए : राज्यपाल

लोक भवन सरकारी हाई स्कूल में पौधा लगाया

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता) । राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि प्रत्येक छात्र एक छोटे पौधे की तरह है, जिसे प्यार, शिक्षा, अनुशासन और अच्छे आचरण से पोषित करने पर वह एक विशाल वृक्ष बन सकता है। भारत सेवाश्रम संघ द्वारा बुधवार को लोक भवन कम्युनिटी हॉल में आयोजित मुफ्त नोटबुक वितरण कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि "छात्रों का भविष्य ही राष्ट्र का भविष्य है।" उन्होंने उनसे अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वोच्च शिखर पर पहुंचने और अपने परिवारों, गांवों और देश का नाम रोशन करने का आग्रह किया। राज्यपाल ने याद दिलाया कि उन्होंने दिन में पहले लोक भवन सरकारी विद्यालय के परिसर में एक पौधा लगाया था, और इसी बात को दोहराते हुए उन्होंने एक तुलनात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने शिक्षकों से कहा, जिस प्रकार एक छोटे पौधे को महावृक्ष बनने के लिए प्रतिदिन पानी और कठोर मौसम से सुरक्षा की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार छात्रों को भी नशीले पदार्थों और सोशल मीडिया के बुरे प्रभावों से बचाना चाहिए और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से उनका मार्गदर्शन करना चाहिए। शिव प्रताप शुक्ल ने लोक भवन स्कूल को महज एक शैक्षणिक संस्थान से कहीं अधिक बताया। उन्होंने कहा, यह समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लोक भवन के संकल्प का प्रमाण है। राज्यपाल ने भारत सेवाश्रम संघ को सेवा, करुणा और मानवीय मूल्यों का प्रतीक बताते हुए उसकी प्रशंसा की और कहा कि उसका आदर्श वाक्य, मानव सेवा माधव सेवा प्रेरणादायक है। उन्होंने आपदा राहत, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में संघ के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा, राज्य सरकार तेलंगाना को शिक्षा और खेल का केंद्र बनाने के लिए काम कर रही है। 'यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल' जैसी पहल सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करेगी। इससे पहले दिन में राज्यपाल ने लोक भवन सरकारी हाई स्कूल का दौरा किया, परिसर में एक पौधा लगाया और आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों से बातचीत करने के बाद नोटबुक वितरित कीं।

पुलिस ने माता-पिता से बच्चों की गेमिंग आदतों पर नजर रखने का आग्रह किया

वित्तीय धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर निगरानी जरूरी

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता) । हैदराबाद शहर पुलिस ने अभिभावकों को ऑनलाइन गेम खेलने वाले बच्चों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने की सलाह दी है। यह सलाह अनधिकृत इन-गेम खरीदारी और अत्यधिक गेम खेलने के समय से संबंधित बढ़ती शिकायतों के जवाब में जारी की गई है। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, साइबर अपराध की कई घटनाएं, जिन्हें शुरू में ऑनलाइन धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया गया था, वास्तव में ऐसे मामले थे जहां बच्चों ने परिवार के उपकरणों में सहेजे गए डेबिट कार्ड विवरण, यूपीआई खाते या नेट बैंकिंग जानकारी का उपयोग करके मल्टीप्लेयर गेम में खरीदारी की थी। जांच से पता चला है कि इन अनधिकृत लेन-देन का एक बड़ा हिस्सा दादा-दादी के स्मार्टफोन से हुआ था, जिनमें अक्सर भुगतान संबंधी जानकारी सहेजी जाती है और उन पर कम सख्त निगरानी रखी जाती है। इस सलाह में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि लोकप्रिय बैटल रॉयल गेम्स, खासकर 10 से 17 साल के लड़कों के बीच, उनके सामाजिक जीवन का एक अहम हिस्सा बन गए हैं। इन गेमिंग समुदायों में साथियों का दबाव अक्सर स्किन और एलीट पास जैसी प्रीमियम वर्चुअल चीज़ें हासिल करने की चाहत को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, ऑनलाइन पढ़ाई के लिए इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को भी अब लंबे गेमिंग सेशन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, जो कभी-कभी देर रात तक चलते हैं। पुलिस ने बच्चों के समग्र स्वास्थ्य पर अत्यधिक गेमिंग के हानिकारक प्रभावों के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की।

इन प्रभावों में नींद में गड़बड़ी, शैक्षणिक प्रदर्शन में गिरावट, आंखों में तनाव, वास्तविक जीवन में सामाजिक जुड़ाव में कमी और व्यवहार संबंधी समस्याएं शामिल हैं। इस सलाह में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा गेमिंग डिसऑर्डर को एक वैध चिकित्सा स्थिति के रूप में मान्यता देने का भी उल्लेख किया गया है, जिसे नकारात्मक परिणामों का सामना करने पर भी गेमिंग की आदतों को नियंत्रित करने में लगातार असमर्थता के रूप में परिभाषित किया गया है। सहायता प्रदान करने के प्रयास में, पुलिस विभाग अनुरोध पर अभिभावकों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए सहायता और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। माता-पिता को सलाह दी जाती है कि वे बच्चों के उपकरणों से सभी प्रकार की भुगतान संबंधी जानकारी हटा दें। साथ ही, यह भी सुझाव दिया जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों के प्रदर्शन पर नज़र रखें और उनकी पढ़ाई में गिरावट, चिड़चिड़ापन बढ़ना, नींद में गड़बड़ी और गुप्त व्यवहार जैसे चेतावनी संकेतों को पहचानें। इसके अलावा, स्क्रीन टाइम पर स्पष्ट सीमाएँ निर्धारित करें। यदि ये समस्याएँ बनी रहती हैं, तो पेशेवर परामर्श लेना उचित होगा।

वादों के उल्लंघन को लेकर कांग्रेस की आलोचना : केटीआर

दावा किया कि केसीआर की वापसी चाहते हैं लोग

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता) । बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि सरकार ने किसानों, छात्रों, युवाओं, महिलाओं और कमजोर वर्गों को धोखा दिया है, और जोर देकर कहा है कि राज्य भर के लोग पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व की वापसी के लिए तरस रहे हैं। बुधवार को खम्मम जिले के सतुपल्ली में बीआरएस पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए केटी रामाराव ने कहा कि जनता के सामने अब एकमात्र कार्य जनविरोधी कांग्रेस सरकार को सत्ता से बेदखल करना है।

उन्होंने आरोप लगाया कि खम्मम जिले के तीन मंत्रियों के पास शक्तिशाली पोर्टफोलियो होने के बावजूद, वर्तमान प्रशासन के तहत जिले को कोई लाभ नहीं हुआ है।

केटीआर ने फसल खरीद पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के रुख पर सवाल उठाया और उन्हें पीसीसी अध्यक्ष के रूप में किए गए उनके पहले के वादों की याद दिलाई। उन्होंने पूछा, मुख्यमंत्री अब कह रहे हैं कि तेलंगाना केवल उतनी ही फसल खरीद सकता है जितनी केंद्र सरकार अनुमति देती है। अगर ऐसा है तो उन्होंने पहले सभी फसलों की खरीद और किसानों को बोनस देने का वादा क्यों किया था? केटी रामाराव ने सरकार पर खरीद में देरी करने, रायथु भरोसा योजना की उपेक्षा करने और उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित न करने के कारण किसानों को विफल करने का आरोप लगाया। बीआरएस नेता ने लंबित शुल्क वापसी राशि पर भी चिंता जताई और छात्रों को तत्काल धनराशि जारी करने की मांग की। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर छात्रों और बेरोजगार युवाओं से किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक असंतोष फैल गया है। केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने बीआरएस शासनकाल में शुरू की गई कल्याणकारी और विकास परियोजनाओं को कमजोर कर दिया है, जिनमें सीताराम जैसी सिंचाई परियोजनाएं भी शामिल हैं।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने दावा किया कि जहां पिछली सरकार ने दस वर्षों में तेलंगाना के विकास की मजबूत नींव रखी थी, वहीं मौजूदा प्रशासन उस प्रगति को उलट रहा है। पार्टी संगठन का जिक्र करते हुए केटी रामाराव ने बीआरएस कार्यकर्ताओं से राज्यव्यापी मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) के दौरान सतर्क रहने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि किसी भी योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची से न हटाया जाए। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी डिजिटल सदस्यता अभियान को बड़ी सफलता दिलाने का भी आग्रह किया।

बीआरएस प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी से मुलाकात की

सी सुदर्शन रेड्डी से भेट करते हुए बीआरएस के प्रमुख नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने, जिसमें एमएलसी दासोजू श्रवण, पूर्व एमएलसी करने प्रभाकर और महासचिव रावुला चंद्रशेखर रेड्डी शामिल थे

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता) । एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत को बरकरार रखने के लिए नए सिरे से प्रयास करते हुए, बीआरएस पार्टी ने औपचारिक रूप से भारत निर्वाचन आयोग से मतदाता सूचियों के वर्तमान विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के दौरान डुप्लिकेट मतदाता पंजीकरण की पहचान और उन्हें हटाने को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया है।

बीआरएस पार्टी का तर्क है कि एसआईआर प्रक्रिया की प्रभावशीलता न केवल मौजूदा रिकॉर्ड को अपडेट करने पर निर्भर करती है, बल्कि महत्वपूर्ण रूप से उन व्यक्तियों की पहचान करने और उन्हें हटाने पर भी निर्भर करती है जो कई बार पंजीकृत हैं, स्थानांतरित हो गए हैं, मृत हैं, या अन्यथा मतदान करने के लिए अयोग्य हैं।

बीआरएस के प्रमुख नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने, जिसमें एमएलसी दासोजू श्रवण, पूर्व एमएलसी करने प्रभाकर और महासचिव रावुला चंद्रशेखर रेड्डी शामिल थे, बुधवार को हैदराबाद के बीआरके भवन में तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी सुदर्शन रेड्डी के समक्ष अपनी चिंताओं को प्रस्तुत किया। उनके द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि डुप्लिकेट और एकाधिक मतदाता पंजीकरण चुनावी प्रक्रियाओं की अखंडता और निष्पक्षता को काफी हद तक कमजोर करते हैं। बीआरएस ने बताया कि रोजगार और शिक्षा के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में हैदराबाद की प्रमुखता एक ऐसी स्थिति में योगदान करती है जहां देश भर के व्यक्ति कई बार मतदाता के रूप में पंजीकृत हो सकते हैं। इसके अलावा, बीआरएस पार्टी ने 2014 में आंध्र प्रदेश से तेलंगाना के विभाजन से उत्पन्न अनूठी चुनौती पर जोर दिया। दोनों राज्यों के बीच चल रहे प्रवासन और लगातार सामाजिक, शैक्षिक और व्यावसायिक संबंधों के परिणामस्वरूप कई व्यक्ति दोनों क्षेत्रों में मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। इस समस्या के समाधान हेतु, बीआरएस ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के बीच एक सहयोगात्मक ढांचा बनाने की वकालत की, ताकि अंतर-राज्यीय डुप्लिकेट पंजीकरणों का व्यवस्थित रूप से पता लगाया जा सके और उन्हें समाप्त किया जा सके। उन्होंने एक प्रौद्योगिकी-आधारित राष्ट्रीय सत्यापन पहल का भी प्रस्ताव रखा, जिसमें डुप्लिकेट पंजीकरण हटाने वाले सॉफ़्टवेयर, पाठ विश्लेषण, चेहरे की पहचान जांच और आधार-मतदाता पहचान पत्र के सत्यापन को शामिल किया गया।

पार्टी ने आगे यह भी मांग की कि जहां भी नकली या प्रवासी मतदाताओं का संदेह हो, वहां बूथ स्तर के अधिकारियों और मतदाता पंजीकरण अधिकारियों द्वारा जमीनी स्तर पर कड़ी जांच की जाए। बीआरएस ने इस बात पर जोर दिया कि मतदाता सूची से नाम हटाने का कोई भी कार्य कानूनी प्रक्रिया और प्रावधानों के अनुसार ही होना चाहिए।

पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय पिकेट सिकंदराबाद

PMSHRI KENDRIYA VIDYALAYA PICKET SECUNDERABAD

TEL/FAX: 040-29804092

ई-मेल: principalkvpicket1521@gmai.com Website: kvpicket.edu.in

School No. 59511 Affiliation No. 100002

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

वॉक इन इंटरव्यू

पब्लिकेशन के लिए मैटर

संविदा आधार पर अंशकालिक शिक्षकों के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू - वर्ष 2026-27 के लिए पैनल तैयार करने हेतु

तारीख और समय	विषय
29.06.2026 (सोमवार)	कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर (संगणक प्रशिक्षक), स्पोर्ट्स कोच, व्यवसायिक प्रशिक्षक/ए टी एल प्रशिक्षक, विशेष शिक्षक, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान ।

स्थान: पीएम श्री के वि पिकेट, सिकंदराबाद क्लब के सामने, सिकंदराबाद

पंजीकरण : सुबह 8.30 बजे से 9.30 बजे तक। विवरण https://picket.kvs.ac.in पर जाएं।

हस्ता./-

प्राचार्य

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पिकेट सिकंदराबाद

1.22 करोड़ रुपये के निवेश घोटाले का भंडाफोड़

म्यूल बैंक खाते चलाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने 1.22 करोड़ रुपये के निवेश और ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी मामले में दो प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी साइबर अपराधों से अर्जित अवैध धनराशि को इधर-उधर स्थानांतरित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 'म्यूल बैंक खातों' (मनी म्यूल अकाउंट्स) का नेटवर्क संचालित कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार इन खातों का उपयोग ऑनलाइन ट्रेडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों में किया जाता था। पुलिस के मुताबिक जनवरी 2026 में हैदराबाद निवासी एक व्यक्ति को '282 बार्कलेज इंडिया हाई क्वालिटी स्टॉक ट्रेडिंग रिसर्च ग्रुप' नामक व्हाट्सएप समूह के माध्यम से संपर्क किया गया। ठगों ने अधिक मुनाफे और आईपीओ आवंटन का लालच देकर फर्जी वेबसाइटों और ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए निवेश कराया। विश्वास जीतने के लिए शुरुआती चरण में पीड़ित को 1.05 लाख रुपये निकालने की अनुमति दी गई। इसके बाद पीड़ित ने 19 लेन-देन के जरिए कुल 1.22 करोड़ रुपये से अधिक निवेश कर दिए। जालसाजों ने अपने फर्जी प्लेटफॉर्म पर करीब 15.69 करोड़ रुपये का लाभ दिखाया और कथित आईपीओ जारी करने के नाम पर अतिरिक्त 35 लाख रुपये की मांग की। संदेह होने पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की।

जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपियों में से एक ने उच्च मूल्य वाले चालू बैंक खाते खोलने के उद्देश्य से एक कंपनी बनाई थी। बाद में इन खातों की इंटरनेट बैंकिंग जानकारी तीसरे पक्ष को उपलब्ध कराई गई। इन खातों का इस्तेमाल साइबर अपराधों से प्राप्त धनराशि को छिपाने और विभिन्न खातों के माध्यम से स्थानांतरित करने के लिए किया जाता था। पुलिस ने बताया कि एक यस बैंक खाते का देशभर के 26 साइबर अपराध मामलों से संबंध मिला है, जिनमें चार मामले तेलंगाना के हैं। इस खाते में 1.10 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन हुआ। वहीं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एक अन्य खाते का 18 मामलों से संबंध पाया गया, जिसके माध्यम से 3.37 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लेन-देन किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन मोबाइल फोन, चार एटीएम/डेबिट कार्ड, दो चेकबुक, दो बैंक पासबुक और तीन सिम कार्ड बरामद किए हैं। यह अभियान साइबर क्राइम डीसीपी वी. अरविंद बाबू के मार्गदर्शन तथा एसीपी शिव मराठी की निगरानी में इंस्पेक्टर वाई. गौरी नायडू के नेतृत्व में चलाया गया। साइबर क्राइम पुलिस ने लोगों को आगाह करते हुए कहा है कि अज्ञात नंबरों से आने वाले निवेश संबंधी कॉल, संदेश और व्हाट्सएप समूहों पर भरोसा न करें।

स्थापना 1983 ॥ श्री आईमाताय प्रसादाता ॥ पंजीकृत सं.1941/83

सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद

श्री आईमाता मन्दिर(बडेर), पारसीगुट्टा, सिकंदराबाद [फोन-27505506]

श्री आईमाताजी एवं श्री सोनाणा खेतलाजी का 30 वाँ वार्षिक

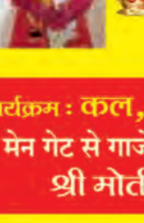

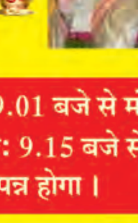

प्राण-प्रतिष्ठा व ध्वजा रोहण समारोह

ज्येष्ठ सुदी 12, शुक्रवार 26 जून 2026

कार्यक्रम : कल, शुक्रवार 26 जून 2026 * शोभायात्रा, प्रातः 9.01 बजे से मंदिर मेन गेट से गाजे-बाजे के साथ प्रारम्भ होगी । * ध्वजा रोहण प्रातः 9.15 बजे से श्री मोतीरामजी आगलेचा परिवार के करकमलो द्वारा सम्पन्न होगा ।

: विशेष : श्री आईमाताजी मंदिर पारसीगुट्टा मे न्यू भव्य A/C हॉल शादी, सगाई, जन्मदिन, सालगिराह व अन्य कार्यक्रमों के लिए तैयार है । सम्पर्क : नारायणलाल काग: 9849722490

निवेदन: समाज बन्धुओ, तीनो कमेटीयों के सदस्यों एवं समाज के वरिष्ठ गणमान्य बन्धुओं से निवेदन है सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम एवं प्रसादी का लाभ लेवे।

निवेदक : कार्यकारिणी समिति सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुट्टा हैदराबाद

: अध्यक्ष : मोहनलाल हाम्बड़ 9948177436

शिक्षा समिति अध्यक्ष : लाबूराम पंवार

सचिव : चेलाराम भायल

: सचिव : नारायणलाल काग 9849722490

महिला मंडल अध्यक्षा : सुशीला देवड़ा

सचिव : निर्मला देवड़ा

P.Solankey

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.